www.dainikjayantnews.com
कोटद्वार, गुरूवार
13 अगस्त 2026
वर्ष: 49
अंक: 102 पृष्ठ: 6
मूल्य: 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन का इस्तीफा

अगले साल फरवरी 2027 तक जिम्मेदारी संभालते रहेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। टाटा संस के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन ने 12 अगस्त को इस्तीफा दे दिया है। उनका इस्तीफा 18 अगस्त को होने वाली टाटा संस की एजीएम से ठीक पहले आया है। हालांकि, वे फरवरी 2027 तक पद पर बने रहेंगे। चंद्रशेखरन के तीसरे कार्यकाल को लेकर टाटा ट्रस्ट्स के साथ सहमति नहीं बन पाई थी। नए कारोबारों में भारी निवेश, उनके

प्रदर्शन और टाटा संस के भविष्य को लेकर मतभेद इस फैसले की बड़ी वजह बने। एन चंद्रशेखरन के इस्तीफे की खबर के बाद टाटा ग्रुप की लिस्टेड कंपनियों के शेयरों में गिरावट है। टीसीएस, टाटा मोटर्स, टाटा स्टील और टाटा कंज्यूमर के शेयर 3 फीसदी तक नीचे हैं। चंद्रशेखरन ने कहा कि, टाटा संस के चेयरमैन के रूप में मेरा मौजूदा कार्यकाल 20 फरवरी 2027 को खत्म हो रहा है। सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट और सर रतन टाटा ट्रस्ट ने सर्वसम्मति से प्रस्ताव पास करके मेरे अगले 5 साल के कार्यकाल के विस्तार की सिफारिश की थी। इसे टाटा संस की नॉमिनेशन एंड रेमुनरेशन कमेटी और बोर्ड ने दर्ज किया था और आगे बढ़ाने की सिफारिश की थी। इसके बाद, यह प्रस्ताव 24 फरवरी 2026 को टाटा संस बोर्ड के सामने रखा गया था।

पाकिस्तानी लड़ाकू विमानों ने बलूचिस्तान ढाया कहर

अंधाधुंध बमबारी,20 लोगों की मौत,सैकड़ों हुए बेघर

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तानी सेना ने बलूचिस्तान में एक बार फिर हवाई हमले किए हैं। बलूच मीडिया ने बुधवार को अपनी रिपोर्ट में बताया है कि पाकिस्तानी लड़ाकू विमानों ने सोराब के गिदार इलाके के गोंधन में कई जगहों पर अंधाधुंध बमबारी की है। इसमें कम से कम 20 आम नागरिक मारे गए और दर्जनों लोग घायल हुए हैं। बमबारी की वजह से दर्जनों घर हमले में तब्दील हो गए हैं। पाकिस्तानी एयर फोर्स ने ऐसे समय में बलूचिस्तान में बमबारी

की है, जब प्रांत में पाक आर्मी और सरकार को लेकर गुस्सा चरम पर है। द बलूचिस्तान पोस्ट ने बताया है कि मंगलवार देर रात से बुधवार तड़के तक पाकिस्तानी लड़ाकू विमानों ने प्रांत के कई हिस्सों में बम गिराए हैं। पाकिस्तानी आर्मी अक्सर अपने इन हमलों को विद्रोही गुटों के खिलाफ ऑपरेशन कहता है। वहीं बलूचिस्तान के स्थानीय संगठनों का कहना है कि आम गरीब लोगों के घरों को सेना के बमों का निशाना बनाया गया है। इसने ना सिर्फ आम लोगों की जान ली है बल्कि उनको बेघर भी कर दिया है।

'शॉर्टकट' से दूर रहें 'रील युग' में रह रहे युवा

● पीएम मोदी ने जेन जी को दे दिया बड़ा खास मैसेज ● पूर्व राष्ट्रपति कोविंद की आत्मकथा का किया विमोचन

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने युवाओं से आत्मकथाएं पढ़ने और दूसरों के संघर्षों से सीखने की अपील की। उन्होंने कहा कि 'रील के युग' में रह रहे युवाओं को याद रखना चाहिए कि शॉर्टकट आपको नुकसान पहुंचा सकता है। पीएम मोदी ने पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की आत्मकथा 'ट्रायम्फ ऑफ द इंडियन रिपब्लिक' माय लाइफ, माय स्ट्रगल्स' के विमोचन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि कोविंद का जीवन दिखाता है कि दृढ़ संकल्प किसी व्यक्ति को मुश्किलों से उबरने और सर्वोच्च संवैधानिक

पद तक पहुंचने में कैसे मदद कर सकता है। प्रधानमंत्री ने राष्ट्रपति पद छोड़ने के बाद भी कोविंद के लगातार सार्वजनिक जीवन में सक्रिय रहने का जिक्र करते हुए कहा कि पद छोड़ने के बाद भी उन्होंने आराम नहीं किया। पूर्व राष्ट्रपति कोविंद एक राष्ट्र, एक चुनाव पहल पर काम कर रहे हैं, जो भारतीय लोकतंत्र में एक नया अध्याय खोल सकती है। पीएम मोदी ने कहा कि इस मुद्दे पर पूर्व राष्ट्रपति के प्रयास भारतीय लोकतंत्र को मजबूत करने में उनके निरंतर योगदान का हिस्सा हैं।

प्रधानमंत्री का मैसेज- शॉर्टकट विल कट यू शॉर्ट

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आज रील का जमाना है, सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर आपको कहीं न कहीं खींच ले जाते हैं लेकिन इस दौर में भी, रेलवे स्टेशन पर लिखी बात याद रखें। 'शॉर्ट कट' आपको नुकसान पहुंचा सकता है।

पीएम मोदी की यह टिप्पणी ऐसे समय आई है जब सरकार और सत्तारूढ़ बीजेपी ने सोशल मीडिया पर 'जेन जी' से जुड़ने की कोशिशें तेज कर दी हैं। नीट पेपर लीक होने के खिलाफ पिछले महीने हुए विरोध-प्रदर्शनों के बाद प्रधानमंत्री ने अपने मंत्रियों से कहा था कि वे युवाओं से जुड़ने के लिए इंस्टाग्राम का सक्रिय रूप से इस्तेमाल करें और रील 'पोस्ट' करें। हाल के हफ्तों में पीएम मोदी ने स्वयं युवाओं को संबोधित करते हुए कई बार रील साझा की हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि कोविंद की आत्मकथा भारतीय लोकतंत्र की धरोहर बनेगी और नयी पीढ़ी को इससे बहुत कुछ सीखने को मिलेगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि हमें भविष्य में और ऐसे कई युवाओं की जरूरत है जो कोविंद जी की तरह हों।

कोविंद के जीवन और संघर्ष का किया जिक्र

पीएम मोदी ने कहा कि आत्मकथा का शीर्षक बिल्कुल सही है क्योंकि रामनाथ कोविंद का जीवन और संघर्ष भले ही व्यक्तिगत थे, लेकिन उन संघर्षों की जीत भारतीय लोकतंत्र की है। उन्होंने याद किया कि बचपन में घर का सामान बचाने की कोशिश के दौरान लगी आग में कोविंद ने अपनी मां को खो दिया था। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह दुखद घटना कोविंद को तोड़ सकती थी लेकिन इसके बजाय इसने उन्हें और मजबूत बनाया। पीएम मोदी ने कहा कि कोविंद में अच्छे संस्कार डालने में उनके पिता की अहम भूमिका रही। प्रधानमंत्री ने कोविंद के साथ की बात याद की।

आईएसआई से जुड़ा पाकिस्तानी जासूस बांग्लादेश बॉर्डर से गिरफ्तार

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल एसटीएफ ने बुधवार को भारत-बांग्लादेश बॉर्डर से संदिग्ध पाकिस्तानी आतंकी को गिरफ्तार किया। उसके पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी इंटर-सर्विसेज इंटेलीजेंस से संबंध हैं। वह

जासूसी और आतंकी गतिविधियों में शामिल रहा है। एसटीएफ सूत्रों के अनुसार आतंकी की पहचान राना रऊफ के रूप में हुई है। भारत में वहाब आलम के नाम से रह रहा था। बांग्लादेश भागने की कोशिश में था। उसे 24 परगना जिले के बनगांव से गिरफ्तार किया गया। सूत्रों के अनुसार, रऊफ मूल रूप से पाकिस्तान के फैसलाबाद का रहने वाला है। वह 2012 में नेपाल के रास्ते भारत आया था। इसके बाद से पश्चिम बंगाल में रहने लगा।

● अखिलेश यादव बोले-पूरा विपक्ष खिलाफ, रिजिजू ने दी दलील

एफसीआरए बिल जेपीसी भेजने का प्रस्ताव लोकसभा में हुआ पास

नई दिल्ली (एजेंसी)। एफसीआरए संशोधन विधेयक पर घमासान के बीच सरकार ने अहम फैसला लिया है। सरकार इस बिल को संसद की 31 सदस्यीय जेपीसी के पास भेजने का प्रस्ताव किया है। एफसीआरए संशोधन विधेयक पर संसद की संयुक्त समिति में लोकसभा से 21 और राज्यसभा से 10 सदस्य शामिल होंगे। गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने प्रस्ताव सदन में पेश किया।

● **विपक्ष ने बिल का किया विरोध, जेपीसी में भेजा गया प्रस्ताव**- विदेशी अंशदान विनियमन अधिनियम (एफसीआरए)को संयुक्त संसदीय समिति के पास भेजने का सरकार विपक्षी सांसदों ने समर्थन किया है। कांग्रेस सांसद मल्लिकार्जुन खड़गे ने एफसीआरए बिल को जेपीसी में भेजने की मांग का समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि विपक्ष अपनी रणनीति के तहत आगे भी अपने मुद्दे उठाता रहेगा।

एफसीआरए बिल पर जमकर हंगामा

लोकसभा में केंद्रीय गृह मंत्री नित्यानंद राय ने जैसे ही एफसीआरए बिल पेश किया तो सदन में हंगामा बढ़ गया। कांग्रेस ने एक सुर में इस बिल को वापस लेने की मांग उठाई। वहीं सपा मुखिया अखिलेश यादव ने कहा कि पूरा विपक्ष इस बिल के खिलाफ है। यह बिल अल्पसंख्यकों के खिलाफ है। इस बिल को सदन में पेश नहीं किया जाना चाहिए। इस पर किरेन रिजिजू ने तर्क किया।

गंगाजल लेकर लौट रहे परिवार को ट्रक ने मारी टक्कर, मां—बेटे की मौत

सहारनपुर/देहरादून। हरिद्वार से गंगाजल लेकर अपने घर लौट रहा एक परिवार रास्ते में हुए दर्दनाक सड़क हादसे का शिकार हो गया। सहारनपुर जिले के गागलहेड़ी थाना क्षेत्र में नगला अहीर गांव के पास डाक कांवड़ियों को लेकर जा रहे एक ट्रक ने बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार मां और उसका बेटा गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों को उपचार के लिए देहरादून के जौलीग्रांट अस्पताल रेफर किया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। हादसे के बाद परिवार में कोहराम मच गया।

दो बाइकों से हरिद्वार गया था परिवार

जानकारी के अनुसार हादसे का शिकार हुआ परिवार हरियाणा के यमुनानगर जिले के रादौर थाना क्षेत्र के रादैरी गांव का रहने वाला है। परिवार शनिवार को हरिद्वार गंगाजल लेने के लिए दो बाइकों से पहुंचा था। परिवार में रोहित कुमार अपनी पत्नी संजना, बड़े बेटे पियूष और 14 वर्षीय छोटे बेटे चिराग के साथ हरिद्वार आए थे। मंगलवार सुबह परिवार गंगाजल लेकर दो बाइकों से वापस अपने गांव के लिए रवाना हुआ। एक बाइक रोहित कुमार चला रहे थे और उनके साथ उनका 14 वर्षीय बेटा चिराग बैठा था। दूसरी बाइक उनका बड़ा बेटा पियूष चला रहा था और पीछे उनकी मां संजना बैठी थीं।

नगला अहीर के पास हुआ भीषण हादसा

परिवार जैसे ही सहारनपुर के गागलहेड़ी थाना क्षेत्र में नगला अहीर गांव के पास पहुंचा, इसी दौरान डाक कांवड़ियों को लेकर जा रहे एक ट्रक ने पियूष की बाइक को जोरदार टक्कर मार दी।

टक्कर इतनी तेज थी कि पियूष और उनकी मां संजना बाइक से उछलकर सड़क पर दूर जा गिरे। हादसे में दोनों को गंभीर चोटें आईं। दुर्घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। आसपास मौजूद लोगों ने पुलिस को सूचना दी।

गंभीर हालत में जौलीग्रांट अस्पताल रेफर

सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को तत्काल उपचार के लिए अस्पताल भिजवाया। दोनों की हालत गंभीर होने के कारण उन्हें बेहतर उपचार के लिए देहरादून के जौलीग्रांट अस्पताल रेफर किया गया।

अस्पताल में चिकित्सकों ने मां-बेटे को बचाने के लिए उपचार किया, लेकिन उनकी हालत लगातार गंभीर बनी रही। उपचार के दौरान संजना और उनके बेटे पियूष ने दम तोड़ दिया।

देहरादून में हुआ पोस्टमार्टम

मां-बेटे की मौत की खबर मिलते ही परिवार में मातम पसर गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। दोनों शवों का पोस्टमार्टम देहरादून में ही कराया गया। घटना की सूचना संबंधित परिजनों को दे दी गई है। सीओ सदर विकास प्रताप चौहान के अनुसार, नगला अहीर के पास डाक कांवड़ियों के ट्रक और बाइक के बीच टक्कर हुई थी। हादसे में बाइक सवार मां-बेटा गंभीर रूप से घायल हुए थे, जिन्हें उपचार के लिए देहरादून के जौलीग्रांट अस्पताल भेजा गया था। उपचार के दौरान दोनों की मौत हो गई।

कांवड़ यात्रा के दौरान सड़क सुरक्षा पर सवाल

हरिद्वार से गंगाजल लेकर लौट रहे परिवार के साथ हुए इस हादसे ने कांवड़ यात्रा के दौरान सड़क सुरक्षा को लेकर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। डाक कांवड़ के दौरान बड़ी संख्या में तेज रफ्तार वाहनों और कांवड़ियों की आवाजाही के बीच दोपहिया वाहन चालकों के लिए जोखिम बढ़ जाता है। ऐसे में वाहन चालकों से सावधानी और निर्धारित गति सीमा का पालन करने की अपील की जा रही है।

शराबबंदी पर लगा प्रतिबंध हटाएगी सम्राट सरकार!

बिहार में नई रिपोर्ट से शुरू हुई बहस,राजद का दावा-बिना सर्वे के हुआ लागू

पटना (एजेंसी)। बिहार में पूर्ण शराबबंदी के करीब एक दशक बाद एक शोध रिपोर्ट ने इस नीति को लेकर नई राजनीतिक बहस छेड़ दी है। देश के प्रमुख आर्थिक शोध संस्थानों में शामिल नेशनल काउंसिल ऑफ एप्लाइड इकोनॉमिक रिसर्च (एनसीएईआर) की एक स्टडी में बिहार में पूर्ण शराबबंदी खत्म कर नियंत्रित तरीके से शराब की बिक्री शुरू करने और आबकारी

कर व्यवस्था बहाल करने की सिफारिश की गई है। रिपोर्ट के मुताबिक, ऐसा होने पर राज्य के अपने राजस्व में करीब 14 से 15 फीसदी तक की वृद्धि हो सकती है। रिपोर्ट में शराबबंदी के बाद अवैध शराब की तस्करी, दूसरे नशीले पदार्थों के इस्तेमाल और कानून के प्रभावी क्रियान्वयन में आने वाली चुनौतियों का भी उल्लेख किया गया है।

36 साल पुराने कश्मीरी पंडित मर्डर केस में एसआईए की छापेमारी

1990 में आतंकियों ने पिता-पुत्र की हत्या की थी,शव पेड़ से लटके मिले थे

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर में स्टेट इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (एसआईए) ने बुधवार को 1990 के कश्मीरी पंडित पिता-पुत्र हत्याकांड में 9 जगह तलाशी ली। इनमें जम्मू, बारामूला, शोपियां, अनंतनाग शामिल हैं। मामला कश्मीरी पंडित लेखक और सामाजिक कार्यकर्ता सरवनंद कौल प्रेमी और उनके बेटे वीरेंद्र कौल के अपहरण और हत्या से जुड़ा है। दोनों अनंतनाग के कोकरनाग स्थित सोफ शाली के रहने वाले थे। 1990 में केस अनंतनाग के डोरू थाने में दर्ज हुआ था। अब इसकी जांच एसआईए कर रही है। कश्मीरी पंडित कवि सरवनंद कौल प्रेमी और उनके 27 साल के बेटे वीरेंद्र कौल को 29 अप्रैल 1990 की रात हथियारबंद आतंकियों ने उनके घर से किडनैप किया था। इसके कुछ दिन बाद, 1 मई 1990 को दोनों के शव एक पेड़ से लटके मिले थे। इससे पहले काउंटर-इंटेलिजेंस कश्मीर ने 8 अगस्त को जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग, शोपियां और बारामूला जिलों में कई जगह एक साथ तलाशी ली थी। अनंतनाग के हिलर शाहाबाद इलाके में एक घर की तलाशी के दौरान डिप्टी सुपरिंटेंडेंट ऑफ पुलिस फारुक अहमद के नेतृत्व वाली टीम ने दो डिजिटल डिवाइस जब्त किए थे।

रांची पहुंचते ही 360 डिग्री घूम गया छात्र आंदोलन

अब निशाने पर आ गए राहुल,संसद से सड़क तक संग्राम

रांची (एजेंसी)। दिल्ली से रांची पहुंचते-पहुंचते छात्र आंदोलन का रुख 360 डिग्री घूम गया है। जहां दिल्ली में छात्रों पर लाठीचार्ज के मुद्दे पर कांग्रेस, केंद्र सरकार पर हमलावर थी, वहीं झारखंड में छात्र आंदोलन पर हुए लाठीचार्ज के बाद अब भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने मोर्चा संभाल लिया है।

इस सियासी बदलाव के साथ ही संसद से लेकर सड़क तक संग्राम छिड़ गया है और अब निशाने पर राहुल गांधी आ गए हैं।

छात्रों का इस्तेमाल कर रहे राहुल गांधी: बीजेपी

संसद में केंद्र और विपक्ष के बीच जारी गतिरोध के बीच भारतीय जनता पार्टी ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर अपने एजेंडे को बढ़ावा देने के लिए छात्रों का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया। साथ ही, पार्टी ने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह छात्रों के आंदोलन पर विस्तृत चर्चा के दौरान जवाब देने के लिए पहले ही तैयार हैं।

ट्रम्प ने माना-ईरान के डर से बदलना पड़ा प्लेन

हमला होता तो एयरफोर्स वन पर होता

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने मान लिया है कि उन्होंने पिछले महीने तुर्किये में ईरान के डर से प्लेन बदला था। पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि वे जिस प्लेन से समिट में हिस्सा लेने गए थे उस पर हमले का सबसे ज्यादा खतरा था। ट्रम्प ने यह भी बताया कि उन्हें सुरक्षा कारणों से एयरपोर्ट के केटरिंग ट्रक में बैठाकर दूसरे विमान तक ले जाया गया। ट्रम्प ने कहा- अगर कोई हमला होता तो उसी प्लेन को निशाना बनाया जाता। मैं वही करता हूं, जो सुरक्षा एजेंसियां कहती हैं। मुझे लगातार धमकियां मिलती रहती हैं। ट्रम्प कैमरों के सामने वन में सवार हुए थे।

दूध की जगह वनस्पति से बना पनीर एमपी में बैन

सीएम ने जारी किया आदेश,महाराष्ट्र, गुजरात और छत्तीसगढ़ पहले लगा चुके प्रतिबंध

भोपाल (एजेंसी)। महाराष्ट्र, गुजरात और छत्तीसगढ़ के बाद अब मध्य प्रदेश में भी एनालॉग पनीर पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। बुधवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गुजरात रवाना होने से पहले खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग के अधिकारियों की बैठक में इसके उत्पादन, बिक्री और इस्तेमाल पर रोक लगाने के आदेश दिए। बता दें कि एनालॉग पनीर को असली दूध से बने पनीर के विकल्प के तौर पर तैयार किया जाता है। इसमें दूध की जगह या दूध के साथ वनस्पति वसा, स्टार्च और अन्य सामग्री का इस्तेमाल किया जाता है। इसकी कम कीमत के कारण बाजार में इसकी खपत तेजी से बढ़ी है। मुख्यमंत्री ने कहा मध्य प्रदेश में एनालॉग पनीर पर हम प्रतिबंध लगा रहे हैं। जैसा अन्य राज्यों ने लगाया है। हम प्राकृतिक रूप से दुग्ध उत्पादन को बढ़ाएंगे और प्राकृतिक रूप से ही पनीर बनाएंगे।

रोज 300 से 400 क्विंटल की खपत का अनुमान

मध्य प्रदेश में एनालॉग पनीर की रोजाना आवक और बिक्री करीब 300 से 400 क्विंटल होने का अनुमान है। इस हिसाब से प्रदेश में हर महीने करीब 9 हजार से 12 हजार क्विंटल, यानी 900 से 1200 टन एनालॉग पनीर खपने की बात सामने आई है। बड़ी मात्रा में इसकी बिक्री को देखते हुए सरकार ने अब इस पर सख्ती का निर्णय लिया है।

मानवाधिकार आयोग ने भी जताई नाराजगी

एनालॉग पनीर की बिक्री को लेकर राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग ने भी नाराजगी जताई है। आयोग ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए मध्य प्रदेश समेत अन्य राज्यों को पत्र लिखने का फैसला किया है। आयोग की ओर से राज्यों से इस तरह के उत्पाद की बिक्री और लोगों के स्वास्थ्य पर पड़ने वाले संभावित प्रभाव को लेकर जानकारी मांगे जाने की संभावना है। आयोग के सदस्य प्रियंक कानूनगो ने कहा कि एनालॉग पनीर घातक है। इसके लिए एफएसएस एआई को नोटिस देकर पूछ रहे हैं कि इस तरह के पनीर को बेचने की इजाजत क्यों दे रहे हैं। कानूनगो ने कहा कि यह स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है।

पेयजल योजनाओं के नियमित संचालन एवं रख-रखाव पर विशेष ध्यान दें : धामी

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने जल जीवन मिशन की प्रगति की समीक्षा की

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को सचिवालय में जल जीवन मिशन की प्रगति, वित्तीय स्थिति, योजनाओं के संचालन एवं रख-रखाव तथा आगामी कार्य योजना की समीक्षा की। बैठक में जलापूर्ति योजनाओं की प्रगति, ग्रामीण परिवारों तक नल से जल की पहुंच एवं सत्यापन, जल गुणवत्ता, वित्तीय प्रबंधन तथा योजनाओं के नियमित संचालन से संबंधित विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई। मुख्यमंत्री ने पर्वतीय क्षेत्रों में पेयजल स्रोतों के संरक्षण एवं पुनर्जीवीकरण, वर्षा जल संचयन तथा जल स्रोतों के पुनर्भरण पर विशेष ध्यान देने को कहा। मुख्यमंत्री ने हर घर जल का लक्ष्य शत-प्रतिशत पूरा करने, शेष पात्र ग्रामीण परिवारों को निर्धारित समय सीमा में नल कनेक्शन से जोड़ने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जल जीवन मिशन की सफलता केवल नल कनेक्शन की संख्या से नहीं, बल्कि प्रत्येक घर तक नियमित, पर्याप्त, सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण पेयजल पहुंचने से तय होगी। कहा कि पूर्ण हो चुकी योजनाओं का स्थलीय सत्यापन भी कराया जाए। मुख्यमंत्री ने निर्माणाधीन एवं लंबित पेयजल योजनाओं को मिशन मोड में निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरा करने, जिलाधिकारियों को संबंधित विभागों के साथ समन्वय कर शीघ्र समाधान करने को कहा। उन्होंने कहा कि प्रत्येक योजना की भौतिक एवं वित्तीय प्रगति की नियमित समीक्षा की जाए। मुख्यमंत्री ने प्रत्येक जनपद में जलापूर्ति संबंधी तकनीकी समस्याओं के त्वरित समाधान की व्यवस्था विकसित करने, योजनाओं के संचालन एवं रख-रखाव की स्थायी व्यवस्था सुनिश्चित करने, जनपदवार लक्ष्य, समयसीमा और जवाबदेही तय करने तथा अनावश्यक विलंब पाए जाने पर संबंधित कार्यदायी संस्था एवं जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय करने के निर्देश दिये। बैठक में बताया गया कि राज्य में जल जीवन मिशन के अंतर्गत 16,555 योजनाओं में से 15,540 योजनाएं पूरी हो चुकी हैं।

जिला योजना में अनियमितताओं का विरोध

उत्तरकाशी। कांग्रेस ने बुधवार को उत्तरकाशी के हनुमान चौक पर प्रदर्शन कर भाजपा सरकार के खिलाफ विरोध जताया। कांग्रेस कार्यकर्ताओं को नैनीताल–हल्द्वानी में आयोजित रैली में जाने से रोके जाने और जिला योजना के बजट आवंटन में कथित अनियमितताओं के विरोध में कार्यकर्ताओं ने प्रदेश सरकार का पुतला फूंका। जिला कांग्रेस कमेटी के जिलाध्यक्ष प्रदीप सिंह रावत के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने सरकार का पुतला दहन कर विरोध जताया। जिलाध्यक्ष रावत ने आरोप लगाया कि भाजपा शासन में प्रशासनिक तंत्र का राजनीतिक इस्तेमाल किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि नैनीताल के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक की ओर से कांग्रेस कार्यकर्ताओं को रैली में जाने से रोकने का कथित प्रयास लोकतांत्रिक अधिकारों का उल्लंघन है।कांग्रेस ने जिला योजना के बजट आवंटन की निष्पक्ष एवं उच्चस्तरीय जांच की मांग की। चेतावनी दी कि जांच और कार्रवाई नहीं होने पर कांग्रेस आंदोलन को और व्यापक करेगी। प्रदर्शनकारियों में दिनेश गौड़, शीशपाल पोखरियाल, नवीन, सुधीश, कविता, मधु रावत, दलेब सिंह शामिल थे।

कांग्रेस ने भाजपा सरकार और एसएसपी नैनीताल का पुतला फूंका

विकासनगर। हल्द्वानी में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के कार्यक्रम के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं की बसें कथित रूप से रोके जाने और देहरादून में राहुल गांधी के प्रस्तावित ह्यछात्रों की गूंजह्ण कार्यक्रम को प्रभावित करने के प्रयास के आरोपों को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं में आक्रोश है। विरोध में विकासनगर में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भाजपा सरकार और एसएसपी नैनीताल के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए पुतला फूंका।

कांग्रेस कार्यकर्ता तिलक भवन में एकत्र हुए। यहां से कार्यकर्ता नारेबाजी करते हुए जुलूस की शक्ल में पहाड़ी गली चौक पहुंचे। चौक पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भाजपा सरकार और एसएसपी नैनीताल के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और पुतला दहन कर अपना विरोध दर्ज कराया।

एक नजर

तमक नाले से हुए नुकसान का काश्तकारों को मिले मुआवजा

ज्योतिर्मठ। नीती घाटी के तमक में सोमवार को गदेरे के भीषण उफान में बैली ब्रिज के साथ ही स्थानीय लोगों की कृषि भूमि बहने की घटना के बाद मंगलवार को उत्तराखंड क्रांति दल के प्रतिनिधिमंडल ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। पूर्व कुलपति डॉ. उदय सिंह रावत, यूकेडी अध्यक्ष यदुवीर सिंह नेगी, अंकित राणा, महावीर सिंह, विक्रम सिंह राणा, राहुल कुंवर समेत कई कार्यकर्ता मौके पर पहुंचे और प्रभावित परिवारों से मुलाकात की। डॉ. यूएस रावत ने बताया कि नाले में बहकर आए मलबे में स्थानीय लोगों की कृषि भूमि, सेब, आड़ू और अखरोट के सैकड़ों पेड़ बह गए हैं। उन्होंने मौके पर ही ज्योतिर्मठ के एसडीएम से भेंट कर शीघ्र ग्रामीणों के नुकसान का आकलन कर नियमानुसार मुआवजा दिए जाने की पैरवी की। साथ ही सीमा क्षेत्र में बाधित आवागमन को जल्द सुचारू करने की मांग की। अधिकारियों ने जनता की परेशानी को देखते हुए यथाशीघ्र कार्रवाई का आश्वासन दिया।

भल्डगांव में टिहरी बांध प्रभावितों को धरना शुरू

चिन्यालीसौड़। ग्रामसभा भल्डगांव में पुनर्वास एवं विस्थापन की मांग को लेकर ग्रामीणों ने क्षेत्र के गोपीनाथ सिंह रावत के नेतृत्व में अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया है। ग्रामीणों ने प्रशासन और संबंधित विभागों से आईआईटी रुड़की की ओर से किए गए भू–सर्वे की रिपोर्ट तत्काल सार्वजनिक करने और प्रभावित परिवारों का जल्द विस्थापन करने की मांग की है।ग्रामीणों का कहना है कि पूर्व में भी झील किनारे दो बार धरना प्रदर्शन किया जा चुका है। आंदोलनों के बाद प्रशासन की पहल पर आईआईटी रुड़की से ड्रोन और जीपीआर के माध्यम से भूस्खलन एवं भू–भाग के विस्थापन की स्थिति का सर्वे कराया गया था। अब ग्रामीण सर्वे रिपोर्ट सार्वजनिक करने के साथ ही प्रभावित परिवारों के पुनर्वास और विस्थापन की प्रक्रिया शुरू करने की मांग पर अड़े हैं। धरना देने वालों में कमल लाल, लल्लू लाल, वीरू लाल, सबल लाल, जूरी देवी, कुशला देवी, सुरमा देवी, बैसाखी देवी, सरोजनी देवी और डबली देवी सहित कई ग्रामीण मौजूद रहे।

पेड़ गिरने से 33 केवी लाइन क्षतिग्रस्त

बड़कोट। तहसील बड़कोट क्षेत्र के सिलाई बैंड पालीगाड के बीच मंगलवार देर रात पेड़ गिरने से 33 केवी विद्युत लाइन और पोल क्षतिग्रस्त हो गए। इससे यमुनोत्री धाम समेत गीठ पट्टी क्षेत्र के करीब दर्जनभर गांवों की बिजली आपूर्ति ठप हो गई। रात से बिजली गुल होने के कारण ग्रामीणों के साथ ही यमुनोत्री धाम क्षेत्र में भी लोगों को परेशानी उठानी पड़ रही है।

विद्युत लाइन क्षतिग्रस्त होते ही गीठ पट्टी के गांवों में अंधेरा पसर गया। बिजली आपूर्ति बाधित होने से ग्रामीणों का कामकाज प्रभावित हो गया। मोबाइल चार्जिंग, पानी की व्यवस्था और अन्य जरूरी कार्यों में भी लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं, यमुनोत्री धाम क्षेत्र में बिजली बंद होने से यात्रा से जुड़ी व्यवस्थाओं पर भी असर पड़ रहा है।

देशभक्ति के नारों से गूंजा नगर

गोपेश्वर। तिरंगा यात्रा अभियान के तहत बुधवार को चमोली जिला मुख्यालय गोपेश्वर में भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई। यात्रा में बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ स्कूली बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। हाथों में राष्ट्रीय ध्वज लेकर प्रतिभागियों ने देशभक्ति के नारों के साथ नगर के प्रमुख मार्गों पर रैली निकाली।तिरंगा यात्रा के लिए भाजपा कार्यकर्ता और स्कूली बच्चे पुलिस लाइन गेट के समीप एकत्र हुए। यहां से शुरू हुई यात्रा गोपेश्वर के प्रमुख मार्गों से होते हुए गोपीनाथ मंदिर के सामने से गुजरी। पूरे नगर में देशभक्ति का माहौल नजर आया। जिला पंचायत अध्यक्ष दौलत सिंह बिष्ट ने कहा कि तिरंगा यात्रा का उद्देश्य लोगों में राष्ट्रभक्ति, राष्ट्रीय एकता और देश के प्रति गौरव की भावना को मजबूत करना है।

55 से अधिक ग्रामीणों ने कराई स्वास्थ्य जांच

कर्णप्रयाग। सेवा इंटरनेशनल संस्था की ओर से आदिबदरी और नगली में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 55 से अधिक ग्रामीणों ने स्वास्थ्य जांच करवाई। साथ ही शिविर में बीपी, शुगर, ईसीजी जांच भी की गई। स्वास्थ्य जांच के बाद ग्रामीणों को निशुल्क दवाइयों का वितरण किया गया। डॉ. दिव्या ने बताया कि शिविर में मुख्य रूप से वायरल बुखार से से संबंधित शिकायतें अधिक हैं।

परेड ग्राउंड में 80वें स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारियां अंतिम चरण में

देहरादून, देश के 80वें स्वतंत्रता दिवस को राजधानी देहरादून में गर्व, उत्साह और उमंग के साथ मनाने की तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच गई हैं। परेड ग्राउंड में आयोजित होने वाले राज्य स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह को भव्य, गरिमापूर्ण, अनुशासित और सुरक्षित बनाने के लिए जिला प्रशासन एवं पुलिस विभाग ने तैयारियां तेज कर दी हैं।

15 अगस्त को सुबह 10 बजे मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी परेड ग्राउंड के मुख्य मंच पर ध्वजारोहण करेंगे। समारोह में पुलिस, अर्धसैनिक बल, होमगार्ड, एनसीसी और प्रांतीय रक्षक दल की टुकड़ियां पुलिस बैंड की धुन पर राष्ट्रीय ध्वज को सलामी देंगी।

बुधवार को जिलाधिकारी डॉ. आशीष चौहान और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रमेन्द्र डोभाल ने परेड ग्राउंड पहुंचकर समारोह स्थल का स्थलीय निरीक्षण किया और तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की। अधिकारियों ने मुख्य मंच से लेकर सुरक्षा व्यवस्था, पार्किंग, यातायात, विद्युत आपूर्ति, पेयजल, स्वच्छता, स्वागत–सत्कार और अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

सभी व्यवस्थाएं समय से पूरी करने के निर्देश

जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथियों, महानुभावों एवं गणमान्य व्यक्तियों के लिए बैठक व्यवस्था, वाहन पार्किंग और सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह पुख्ता रखी जाए। उन्होंने सभी नोडल अधिकारियों को माइक्रो प्लानिंग के तहत आपसी समन्वय से कार्य करने तथा यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि समारोह से जुड़ी कोई भी व्यवस्था अधूरी न रहे। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने मुख्य मंच, सेफ हाउस, फोटो गैलरी, साउंड सिस्टम और समारोह के लाइव प्रसारण के लिए लगाई जाने वाली एलईडी स्क्रीन की व्यवस्थाओं का भी निरीक्षण किया। उन्होंने विद्युत आपूर्ति एवं अन्य तकनीकी व्यवस्थाओं को लेकर भी अधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए।

परेड, सलामी और सम्मान समारोह रहेगा आकर्षण का केंद्र

स्वतंत्रता दिवस के मुख्य समारोह में विभिन्न सुरक्षा एवं अनुशासनात्मक बलों की टुकड़ियां भव्य परेड प्रस्तुत करेंगी। पुलिस बैंड की धुन पर राष्ट्रीय ध्वज को सलामी दी जाएगी। समारोह के दौरान मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों, राज्य आंदोलनकारियों, उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों तथा सराहनीय सेवाओं के लिए पुलिस एवं विभिन्न विभागों के अधिकारियों और कर्मचारियों को सम्मानित करेंगे।

जिलाधिकारी ने पुलिस परेड और सलामी कार्यक्रम की तैयारियों की जानकारी लेते हुए निर्धारित समय–सारिणी के अनुसार सभी कार्यक्रमों को व्यवस्थित एवं गरिमापूर्ण ढंग से संचालित करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारियों में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

14 अगस्त को मनाया जाएगा विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस

स्वतंत्रता दिवस से एक दिन पूर्व 14 अगस्त को 'विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस' मनाया जाएगा। इस अवसर पर वर्ष 1947 के विभाजन के पीड़ितों को आमंत्रित कर सम्मानित किया जाएगा।

दून लाइब्रेरी में सामाजिक सौहार्द, भाईचारे और राष्ट्रीय एकता का संदेश देने के उद्देश्य से विशेष प्रदर्शनी आयोजित की जाएगी। वहीं नगर निगम परिसर में शाम के समय विशेष कवि सम्मेलन का आयोजन भी प्रस्तावित है।

अंतरराज्यीय गिरोह का सदस्य अमृतसर से गिरफ्तार

देहरादून। साइबर ठगी के बढ़ते मामलों के बीच साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन देहरादून को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने 55.48 लाख की साइबर ठगी के मामले में अंतरराज्यीय साइबर गिरोह के एक सदस्य को पंजाब के अमृतसर से गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान प्रभजीत सिंह (20 वर्ष) के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक आरोपी के बैंक खाते में ठगी की रकम में से 8.94 लाख ट्रांसफर हुए थे, जिन्हें उसने चेक और एटीएम के माध्यम से निकाला।

शेयर और कढड में निवेश का झांसा देकर ठगी

पुलिस के अनुसार, साइबर ठगों ने शिकायतकर्ता से संपर्क कर खुद को ककाछ हीं’इँ टंल्लंॠ्रील्लइ से जुड़ा बताया। आरोपियों ने शेयर बाजार और कढड में निवेश के नाम पर अधिक मुनाफा कमाने का लालच दिया। झांसे में आने के बाद शिकायतकर्ता ने आरोपियों द्वारा बताए गए अलग–अलग बैंक खातों में रकम ट्रांसफर करनी शुरू कर दी।

16 दिसंबर 2025 से 28 जनवरी 2026 के बीच शिकायतकर्ता से अलग–अलग बैंक खातों में कुल 55,48,412 की रकम फळॅर के माध्यम से जमा कराई गई। बाद में जब शिकायतकर्ता को ठगी का एहसास हुआ तो मामले की शिकायत साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन देहरादून में की गई।

आरोपी के खाते में पहुंची 8.94 लाख की रकम

मामले की जांच के दौरान पुलिस ने ठगी में इस्तेमाल बैंक खातों और लेन–देन का तकनीकी विश्लेषण किया। जांच में सामने आया कि आरोपी प्रभजीत सिंह के पंजाब नेशनल बैंक (ढठइ) खाते में ठगी की रकम में से दो बार में 3,18,000 और 5,76,300, यानी कुल 8,94,300 ट्रांसफर किए गए थे।

पुलिस के मुताबिक आरोपी ने खाते में पहुंची इस रकम को अलग–अलग माध्यमों से निकाल लिया। बैंकिंग लेन–देन, तकनीकी साक्ष्यों और अन्य उपलब्ध जानकारी के आधार पर पुलिस ने आरोपी की पहचान कर उसकी तलाश शुरू की।

शिक्षक नहीं मिला तो 17 अगस्त से स्कूल नहीं भेजेंगे बच्चे

नई टिहरी। राजकीय प्राथमिक विद्यालय कठुड मंदार में कार्यरत शिक्षक के अटैच होने से प्रभावित हो रही पढ़ाई को लेकर जिला पंचायत सदस्य मंदार विजयपाल सिंह रावत ने डीएम को ज्ञापन भेजा है। उन्होंने विद्यालय में तत्काल वैकल्पिक व्यवस्था पर दूसरे शिक्षक की व्यवस्था करने की मांग की है।

ज्ञापन में कहा गया है कि शिक्षक की व्यवस्था नहीं होने पर अभिभावकों ने 17 अगस्त से बच्चों को विद्यालय न भेजने की चेतावनी दी है। ज्ञापन में बताया गया है कि कठुड मंदार विद्यालय में वर्तमान में 34 छात्र–छात्राएं अध्ययनरत हैं। विद्यालय में तैनात एक शिक्षक को पारिवारिक समस्याओं के चलते नरेंद्रनगर ब्लॉक के राजकीय प्राथमिक विद्यालय ढालवाला में अटैच किया गया है। इससे कठुड विद्यालय में पठन–पाठन व्यवस्था प्रभावित हो गई है। अटैच शिक्षक की अवधि तक किसी अन्य ब्लॉक से शिक्षक की वैकल्पिक व्यवस्था कठुड विद्यालय में जल्द से जल्द करने की मांग की है।

मां ने मोबाइल चलाने से रोका तो गुस्साई किशोरी ने पी लिया फ्लोर क्लीनर

पिथौरागढ़। उत्तराखंड के पिथौरागढ़ जिले से एक चिंताजनक मामला सामने आया है, जहां मोबाइल फोन चलाने से रोके जाने पर एक 17 वर्षीय किशोरी ने गुस्से में फ्लोर क्लीनर (लाइजोल) पी लिया। घटना के बाद उसकी तबीयत बिगड़ गई, जिसके बाद परिजन उसे तत्काल अस्पताल लेकर पहुंचे। चिकित्सकों के अनुसार किशोरी की हालत फिलहाल खतरे से बाहर बताई जा रही है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार घटना सोमवार की है। पिथौरागढ़ निवासी 17 वर्षीय किशोरी देर रात तक मोबाइल फोन का इस्तेमाल कर रही थी। इस दौरान उसकी मां ने उसे फोन बंद कर पढ़ाई करने की सलाह दी और अधिक समय तक मोबाइल चलाने पर नाराजगी जताई। मां की बात से आहत और गुस्साई किशोरी ने घर के बाथरूम में रखा फर्श साफ करने वाला फ्लोर क्लीनर (लाइजोल) पी लिया।

कुछ ही देर में किशोरी की तबीयत बिगड़ने लगी। उसकी हालत देखकर परिजनों के होश उड़ गए और उसे तत्काल नजदीकी अस्पताल ले जाया गया। डॉक्टरों ने समय रहते उपचार शुरू किया, जिससे उसकी स्थिति में सुधार हुआ। बताया जा रहा है कि किशोरी कक्षा 11 की छात्रा है और अब उसकी हालत स्थिर है।

मोबाइल की लत बन रही गंभीर चुनौती

विशेषज्ञों का कहना है कि यह घटना केवल एक पारिवारिक विवाद नहीं, बल्कि किशोरों में बढ़ती डिजिटल लत और घटती सहनशीलता का संकेत है। लगातार मोबाइल फोन और सोशल मीडिया के अत्यधिक उपयोग का असर बच्चों और किशोरों के मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ रहा है।

17 वर्षीय किशोरी गर्भवती मिलने से हड़कंप

नैनीताल। जिले के एक दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्र से 17 वर्षीय नाबालिग किशोरी के गर्भवती होने का मामला सामने आया है। करीब छह महीने से माहवारी नहीं आने की शिकायत के बाद किशोरी अपनी मां के साथ बीडी पांडे जिला अस्पताल पहुंची थी। चिकित्सकीय जांच में उसके गर्भवती होने की पुष्टि हुई। किशोरी की उम्र नाबालिग पाए जाने पर अस्पताल प्रबंधन ने मामले की सूचना पुलिस को दी, जिसके बाद पुलिस ने प्रकरण की जांच शुरू कर दी है।

छह महीने से नहीं आई थी माहवारी

जानकारी के अनुसार, सोमवार को किशोरी अपनी मां के साथ बीडी पांडे जिला अस्पताल पहुंची। उसने करीब छह महीने से माहवारी नहीं आने की शिकायत की थी। अस्पताल में स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. प्रेमा फर्कियाल ने प्रारंभिक जांच के बाद किशोरी को अल्ट्रासाउंड कराने की सलाह दी।

अल्ट्रासाउंड रिपोर्ट में करीब पांच सप्ताह चार दिन की गर्भावस्था की पुष्टि हुई। इसके बाद अस्पताल प्रबंधन ने किशोरी की उम्र की पुष्टि के लिए उसके पहचान संबंधी दस्तावेजों की जांच की।

दस्तावेजों में 17 वर्ष से अधिक, लेकिन 18 से कम उम्र

दस्तावेजों के आधार पर किशोरी की उम्र 17 वर्ष 8 माह 23 दिन सामने आई। नाबालिग होने की जानकारी मिलने के बाद अस्पताल प्रशासन ने तत्काल मल्लीताल कोतवाली पुलिस को मामले की सूचना दी।

पुलिस पहुंची तो अस्पताल से जा चुकी थी किशोरी

अस्पताल से सूचना मिलने के बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची, लेकिन पुलिस के पहुंचने से पहले ही किशोरी अपनी मां के साथ अस्पताल से जा चुकी थी। इसके बाद पुलिस ने मामले की जानकारी जुटानी शुरू कर दी है।

पुलिस किशोरी और उसके परिजनों से संपर्क करने का प्रयास कर रही है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि गर्भावस्था की परिस्थितियां क्या हैं और मामले में किसी तरह का अपराध तो नहीं हुआ है।

मतदाता अधिकारों को लेकर कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी से की मुलाकात

देहरादून। उत्तराखंड में चल रही विशेष गहन पुनरीक्षण (रकफ) प्रक्रिया को लेकर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गणेश गोदियाल के नेतृत्व में कांग्रेस के प्रतिनिधिमंडल ने बुधवार को मुख्य निर्वाचन अधिकारी, उत्तराखंड से मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने एसआईआर प्रक्रिया के दौरान आमजन को हो रही असुविधाओं, मतदाता सूची में पारदर्शिता तथा पात्र मतदाताओं के मताधिकार की सुरक्षा से जुड़े विभिन्न मुद्दों को प्रमुखता से उठाया।कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल ने निर्वाचन आयोग के समक्ष मांग रखी कि एसआईआर प्रक्रिया को अधिक सरल, पारदर्शी, निष्पक्ष और जवाबदेह बनाया जाए, ताकि मतदाता सूची के पुनरीक्षण के दौरान किसी भी योग्य मतदाता का नाम अनावश्यक रूप से सूची से बाहर न हो।

फॉर्म–7 को लेकर कांग्रेस की प्रमुख मांगें

प्रतिनिधिमंडल ने मतदाता सूची में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए फॉर्म–7 से संबंधित तीन प्रमुख मांगें मुख्य निर्वाचन अधिकारी के समक्ष रखीं।

कांग्रेस ने मांग की कि फॉर्म–7 के माध्यम से किसी मतदाता के नाम पर आपत्ति दर्ज कराने वाले व्यक्ति की पहचान सार्वजनिक की जाए तथा संबंधित फॉर्म–7 को निर्वाचन आयोग की वेबसाइट पर स्पष्ट रूप से उपलब्ध कराया जाए। इसके साथ ही कांग्रेस ने कहा कि आपत्ति की सुनवाई के दौरान संबंधित अफड द्वारा तत्काल लिखित निर्णय दिया जाना चाहिए। निर्णय में यह स्पष्ट किया जाए कि संबंधित मतदाता का नाम सूची में बरकरार रखा गया है या हटाया गया है और यदि नाम हटाया जाता है तो उसके पीछे का स्पष्ट कारण भी दर्ज किया जाए। कांग्रेस ने तीसरी प्रमुख मांग रखते हुए कहा कि बूथवार जिन मतदाताओं के नाम हटाने को लेकर आपत्तियां प्राप्त हुई हैं, उनकी सूची संबंधित राजनीतिक दलों के (बूथ लेवल एजेंट) को भी उपलब्ध कराई जाए, ताकि राजनीतिक दल अपने स्तर पर प्रक्रिया की निगरानी कर सकें।

मैदानी क्षेत्रों से अधिक शिकायतें आने का दावा

कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल के अनुसार गदरपुर, हरिद्वार ग्रामीण, मंगलौर, रुद्रपुर सहित कई मैदानी क्षेत्रों से एसआईआर प्रक्रिया को लेकर अधिक शिकायतें सामने आ रही हैं। प्रतिनिधिमंडल ने निर्वाचन अधिकारियों से इन शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए प्रक्रिया में आवश्यक सुधार करने का आग्रह किया। कांग्रेस का कहना है कि मतदाता सूची में फर्जी अथवा अपात्र नामों को हटाया जाना जरूरी है,

सिद्धबली मंदिर के समीप दरक रही पहाड़ी से खतरा

पुराना कोटद्वार के समीप दरकती पहाड़ी

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : सिद्धबली मंदिर के समीप पहाड़ी का हिस्सा लगातार दरकने से पुराने कोटद्वार क्षेत्र के लोगों की चिंता बढ़ गई है। हल्की बारिश के दौरान भी पहाड़ी से बोल्डर गिरने लगते हैं, जिससे आसपास रहने वाले परिवारों पर खतरा मंडरा रहा है। वर्षाकाल में तेज बारिश के दौरान किसी बड़े हादसे की आशंका से स्थानीय लोग सहमे हुए हैं। समस्या को लेकर वार्ड नंबर एक के लोगों ने पार्षद जयप्रकाश ध्यानी के नेतृत्व में उपजिलाधिकारी और लैंसडौन वन प्रभाग के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी को ज्ञापन सौंपा। वार्डवासियों ने बताया कि पहाड़ी का हिस्सा लगातार कमजोर होकर खिसक रहा है। रात में बारिश होने पर बोल्डर गिरने की आशंका के कारण लोगों की नींद उड़ जाती है। स्थानीय लोगों का कहना है कि वह इस समस्या की शिकायत पहले भी कई बार कर चुके हैं, लेकिन अब तक ठोस कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने प्रशासन और वन विभाग से संयुक्त रूप से मौके का निरीक्षण कर पहाड़ी का ट्रीटमेंट कराने तथा बोल्डर गिरने से बचाव के आवश्यक इंतजाम करने की मांग की है। ज्ञापन देने वालों में अनुज कुमार, दीपक मैठाणी, धीरज सिंह, वंशी लाल, मीना देवी, शोभा गुसाईं, तारी देवी, लक्ष्मी देवी, तेजपाल सिंह और रोहित कुमार आदि शामिल रहे।

फर्जी संस्था बनाकर चंदा वसूली का आरोप

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : श्री ताड़-केश्वर धाम सांस्कृतिक एवं विकास समिति ने कुछ लोगों पर ताड़केश्वर धाम की फर्जी रसीद बनाकर चंदा वसूली का आरोप लगाया है। कहा कि मामले की पूरी जांच कर कार्रवाई की जानी चाहिए।

बताया कि उनके संज्ञान में आया है कि कुछ लोग फर्जी रसीद बनाकर मंदिर के सौंदर्यीकरण के लिए चंदा ले रहे हैं। बताया कि उन्हें एक पत्र प्राप्त हुआ है। जिसमें दावा किया गया है कि जयहरीखाल विकासखंड के अंतर्गत स्वतंत्रता संग्राम सेनानी सदानंद भारद्वाज मार्ग पर उनकी स्मृति में ताड़-केश्वर मंदिर का निर्माण होने जा रहा है।

जिसमें इस धार्मिक कार्य के लिए आर्थिक मदद की मांग की जा रही है। बताया कि मंदिर समिति के पूर्व अध्यक्ष व क्षेत्र पंचायत के प्रमुख रणवीर सिंह सजवाण, मंदिर समिति के अध्यक्ष जीतेंद्र सिंह चौहान, उपाध्यक्ष सुरेश ध्यानी, उपेंद्र नेगी, सचिव संतोष चंद्र खंतवाल, कोषाध्यक्ष गोपाल सिंह बिष्ट, संयुक्त सचिव उषा चौहान नेगी सहित मंदिर के समस्त पुजारी इसका विरोध करते हैं। ग्राम प्रधान तजेंद्र बिष्ट, वीरा देवी ने कहा कि आराध्य देव के नाम का दुरुपयोग किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

जंगली जानवरों से फसल चौपट, ग्रामीणों ने निकाली आक्रोश रैली

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : विकासखंड दुगड्डा के जयगांव और भट्टगांव में जंगली जानवरों के बढ़ते आतंक से ग्रामीण परेशान हैं। बंदर, जंगली सूअर और गुलदार लगातार फसलों को नुकसान पहुंचा रहे हैं। इससे आक्रोशित ग्रामीणों ने वन विभाग के खिलाफ रैली निकालकर वन्यजीवों को आबादी और खेतों तक पहुंचने से रोकने के लिए प्रभावी योजना बनाने की मांग की।

रैली से पहले आयोजित खुली बैठक में ग्रामीणों ने बताया कि कुछ वर्ष पूर्व जंगली जानवरों की रोकथाम के लिए लाखों रुपये की लागत से क्षेत्र में फेंसिंग लाइन लगाई गई थी, लेकिन देखरेख के अभाव में अब यह पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुकी है। ग्रामीणों का कहना है कि फसलों की सुरक्षा के लिए कोई ठोस व्यवस्था नहीं होने से उनकी वर्षों की मेहनत बर्बाद हो रही है। गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय के पूर्व प्रोफेसर और भट्टगांव निवासी डॉ. दिनेश चंद्र भट्ट ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में गुलदार, बंदर और जंगली सूअर की संख्या बढ़ने से जनजीवन प्रभावित हो रहा है। क्षेत्र में गुलदार की धमक भी लगातार बढ़ रही है। उन्होंने वन क्षेत्र की धारण क्षमता की तुलना में गुलदारों की संख्या अधिक होने का दावा करते हुए सरकार से प्रभावी वन्यजीव प्रबंधन नीति बनाने और ग्रामीणों की सुरक्षा के लिए आवश्यक कदम उठाने की मांग की। ग्रामीणों ने बताया कि कड़ी मेहनत से तैयार की गई फसल को जंगली जानवर कुछ ही समय में नष्ट कर देते हैं। इससे उन्हें आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है।

लगातार हो रहे नुकसान के कारण कई लोग खेती छोड़ने को मजबूर हैं। 90 वर्षीय वरिष्ठ नागरिक रामलाल और महाराज बिष्ट ने भी ग्रामीणों की समस्याओं को सामने रखते हुए वन विभाग से ठोस कार्रवाई की मांग की।

विद्यालय की शैक्षिक गतिविधियों पर की चर्चा

कर्णप्रयाग। पीएम श्री राजकीय प्राथमिक विद्यालय गैरसैंण में एसएमसी अध्यक्ष श्रीमती अनीता देवी की अध्यक्षता में विद्यालय प्रबंधन समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में एसएमसी द्वारा विद्यालय की शैक्षिक एवं भौतिक गतिविधियों का अनुश्रवण किया गया। साथ ही बच्चों द्वारा तैयार की गई दीवार पत्रिका, पुस्तकालय, खेलकूद एवं वाद्य यंत्र, कक्षा शिक्षण, शैक्षिक दूरदर्शन, श्रव्य, दृश्य शिक्षण, पीएम पोषण, स्वच्छता आदि विषयों पर चर्चा–परिचर्चा की गई। प्रधानाध्यापिका बबली सेंजवाल ने बताया कि विद्यालय में समय–समय पर जागरूकता कार्यक्रम चलाए जाते हैं। बैठक में सुरेंद्र बिनवाल, गुलजार अहमद, दीपक सिंह, मकना देवी, सुमन देवी, कुसुम देवी, देवेश्वरी देवी, जगदीश राज, दीपा देवी आदि मौजूद रहे।

पीजी कॉलेज में नवप्रवेशित विद्यार्थियों का दीक्षारंभ, अनुशासन व नियमित उपस्थिति पर जोर

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार। राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय , कोटद्वार में नवप्रवेशित छात्र–छात्राओं के लिए दीक्षारंभ कार्यक्रम का आयोजन उत्साह एवं गरिमापूर्ण रूप में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के संरक्षक प्रोफेसर डी. एस. नेगी तथा मंचासीन वरिष्ठ विभाग प्रभारियों एवं प्राध्यापकों द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया।

कार्यक्रम के प्रारंभ में महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर डी. एस. नेगी ने छात्र–छात्राओं का स्वागत करते हुए महाविद्यालय में संचालित विभिन्न शैक्षणिक, सह–शैक्षणिक एवं छात्रोपयोगी गतिविधियों की जानकारी दी। उन्होंने विद्यार्थियों को नियमित रूप से कक्षाओं में उपस्थित रहने तथा न्यूनतम 75 प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि महाविद्यालय में होने वाली विभिन्न शैक्षणिक एवं सह–शैक्षणिक गतिविधियों में विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी उनके सर्वांगीण विकास के लिए आवश्यक है। प्राचार्य ने महाविद्यालय के ड्रेस कोड के महत्व पर भी प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों से निर्धारित ड्रेस कोड में महाविद्यालय आने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि ड्रेस कोड महाविद्यालय की गरिमा, अनुशासन, सम्मान एवं विद्यार्थी की पहचान का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि उच्च शिक्षा का उद्देश्य केवल डिग्री प्राप्त करना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों को रोजगार एवं स्वरोजगार के योग्य बनाना भी है। इसी उद्देश्य से महाविद्यालय में विभिन्न व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के साथ–साथ देवभूमि उद्यमिता/विकास योजना, कौशल विकास जैसे रोजगारपरक कार्यक्रमों का संचालन किया जा रहा है। इसी क्रम में,कार्यक्रम में प्रोफेसर दीपक पांडे , महाविद्यालय के राष्ट्रीय शिक्षा नीति के नोडल अधिकारी द्वारा परिचयात्मक सत्र आरंभ किया गया जिसमें महाविद्यालय के प्रत्येक विभागों के विभागाध्यक्ष एवं एवं विभाग के सभी प्राध्यापक गणों से का परिचय कराया गया। उन्होंने कहा कि वास्तविक शैक्षणिक उपलब्धि तभी संभव है, जब विद्यार्थी नियमित रूप से कक्षाओं में उपस्थित होकर अध्ययन करें। उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 की प्रमुख विशेषताओं की जानकारी देते हुए कहा कि नई शिक्षा नीति विद्यार्थियों को अपनी रुचि एवं क्षमता के अनुरूप शिक्षा प्राप्त करने के अधिक अवसर प्रदान करती है। इसके अंतर्गत मल्टीपल एंट्री एवं मल्टीपल एग्जिट की विशेष व्यवस्था के साथ प्रमाण–पत्र, डिप्लोमा एवं डिग्री प्राप्त करने के विकल्प उपलब्ध हैं।उन्होंने विद्यार्थियों को विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं एवं रोजगारपरक अवसरों की जानकारी देते हुए प्रधानमंत्री की युवा–केंद्रित योजनाओं, शैक्षिक भ्रमण योजना, एनसीसी एवं एनएसएस जैसी गतिविधियों के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने एनडीए एवं सिविल सर्विसेज जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को सरकार द्वारा प्रदान की जाने वाली आर्थिक सहायता एवं प्रोत्साहन योजनाओं की जानकारी भी दी।

इसके पश्चात विभागाध्यक्ष बीएड विभाग,प्रोफेसर बी. सी. शाह, शास्तामंडल प्रमुख, ने छात्र–छात्राओं को महाविद्यालय की आचार संहिता से अवगत कराया। उन्होंने विद्यार्थियों को अनुशासन, मर्यादा एवं जिम्मेदार नागरिक के रूप में अपने दायित्वों का निर्वहन करने के लिए प्रेरित किया तथा शास्तामंडल– सलाहकार समिति एवं उपशास्त्रमंडल के सदस्यों एवं उनकी भूमिकाओं से भी परिचित कराया।

डॉ. विनोद भंडारी, एनसीसी प्रभारी एवं चित्रकला विभाग प्रभारी ने विद्यार्थियों को राष्ट्रीय कैडेट कोर (ठउउ) के महत्व की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि एनसीसी विद्यार्थियों में अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, आत्मविश्वास एवं राष्ट्रसेवा की भावना विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने विद्यार्थियों से बताया कि एनसीसी का प्रशिक्षण विभिन्न सरकारी सेवाओं एवं रोजगार के अवसरों में भी विद्यार्थियों के लिए अधिमान अंक के रूप में उपयोगी सिद्ध होता है।डॉ. जितेंद्र दिवाकर, एनएसएस प्रभारी ने राष्ट्रीय सेवा योजना की गतिविधियों एवं उद्देश्यों की जानकारी देते हुए विद्यार्थियों को सेवा भाव से जुड़ने का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि महाविद्यालय में एनएसएस की तीन इकाइयां संचालित हैं और विद्यार्थियों को समाजसेवा, जनजागरूकता तथा राष्ट्र निर्माण की गतिविधियों में सक्रिय सहभागिता करनी चाहिए।डॉ. मीनाक्षी वर्मा, रेडक्रॉस प्रभारी ने विद्यार्थियों को रेडक्रॉस की गतिविधियों एवं उपयोगिता के बारे में जानकारी दी। उन्होंने छात्र–छात्राओं से ऑनलाइन पंजीकरण कर अधिक से अधिक संख्या में रेडक्रॉस से जुड़ने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि आपदा एवं आपातकालीन परिस्थितियों में रेडक्रॉस के माध्यम से सीखे गए प्राथमिक उपचार एवं अन्य मानवीय सहायता संबंधी कौशल अत्यंत उपयोगी सिद्ध होते हैं।डॉ. हीरा सिंह बिष्ट, क्रीड़ा प्रभारी ने विद्यार्थियों को शारीरिक शिक्षा एवं खेलों के महत्व से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि आज के समय में मानसिक विकास के साथ–साथ शारीरिक स्वास्थ्य भी अत्यंत आवश्यक है। खेलों में सहभागिता से विद्यार्थियों का शारीरिक एवं मानसिक विकास होता है तथा उनमें अनुशासन, टीम भावना एवं नेतृत्व क्षमता का विकास होता है।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे सैन्य अभिलेखों में मेरी पत्नी का नाम त्रुटिवश RICHA दर्ज हो गया है, जबकि मेरी पत्नी का वास्तविक नाम RICHA TIWARI है। मेरे सैन्य अभिलेखों में मेरी पत्नी का वास्तविक नाम RICHA TIWARI दर्ज किया जाय।

ARMY No. JC- B06063A
RANK SUB AKHILESH KUMAR PANDEY S/o RAM SHABDA PANDEY
निवास CHQ Coy, GRRC LANSDOWNE

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे सैन्य अभिलेखों में मेरी पत्नी का नाम त्रुटिवश RANI RAJPOOT दर्ज हो गया है, जबकि मेरी पत्नी का वास्तविक नाम RANI RAJPUT है। मेरे सैन्य अभिलेखों में मेरी पत्नी का वास्तविक नाम RANI RAJPUT दर्ज किया जाय।

ARMY No. JC- 534415K
N/b SUB HARNAM SINGH RAJPUT S/o HUKUM SINGH RAJPUT निवास CHQ Coy, GRRC LANSDOWNE

उत्तर रेलवे

सूचना

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक उत्तर रेलवे, मुरादाबाद द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से मुरादाबाद मण्डल के निम्नलिखित हाल्ट स्टेशन पर टिकट बुकिंग अभिकर्ता की नियुक्ति किये जाने हेतु प्रार्थना पत्र आमंत्रित किये जाने है।

क्रम सं.	हाल्ट का नाम	(Depot) सेवित स्टेशन	किन-किन स्टेशन के बीच
1.	आध्यामिक नगर हाल्ट	हापुड़	डासना, महरौली।
2.	बहादुरपुर हाल्ट	शाहजहाँपुर	बन्थरा, तिलहर
3.	चदंसारा हाल्ट	हापुड़	खरखौंदा, नूरनगर
4.	कस्तकलां कास्माबाद हाल्ट	हापुड़	हापुड़, पिलखुआ
5.	सिरसी मखदूमपुर हाल्ट	सम्भल हातिमसराय	सम्भल हातिमसराय, हजरत नगर।
6.	सुनहेटी खड़खड़ी हाल्ट	बलियाखेड़ी	बलियाखेड़ी – चुड़ियाला
7.	गढ़मुक्तेश्वर ब्रिज हाल्ट	गढ़मुक्तेशवर	गढ़मुक्तेश्वर – कांकाठेर
8.	नूरनगर हाल्ट	हापुड़	चँदसारा – मेरठ

सभी प्रकार से पूर्ण आवेदन दिनांक **15.09.2026** को **10.00 बजे** से **14.00 बजे** तक सहायक वाणिज्य प्रबंधक कार्यालय मण्डल रेल प्रबन्धक, उत्तर रेलवे, मुरादाबाद के कमरे में रखे हुये बॉक्स में डाले जायेगे तथा **14.00 बजे** के बाद कोई भी आवेदन स्वीकार नहीं किया जायेगा, एवं उसी दिन **15.00** खोले जायेगे।

उसी तिथि में **15.09.2026 बजे** आवेदनकर्ता या उनके प्रतिनिधियों के सामने आवेदन खोलें जायेंगे। यदि दिनांक **15.09.2026** को कोई अवकाश होता है। तो आवेदन अगले कार्य दिवस में यथा समय डाले व खोले जायेंगे।

आवेदन पत्र पात्रता, नियम व शर्तों का पूर्ण विवरण उत्तर रेलवे की वेबसाइड **www.nr.indianrailways.gov.in** से प्राप्त किया जा सकता है या मण्डल रेल प्रबंधक वाणिज्य शाखा से जानकारी ली जा सकती है। विलम्ब से प्राप्त हुए आवेदन–पत्रों पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

सं.: 20/हाल्ट ठेका आवंटन/मुरादाबाद मण्डल/2023.सी दिनांक: 12.08.2026 2791/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

डीएम ने आंगनबाड़ी केंद्र का किया निरीक्षण

जयन्त प्रतिनिधि। रूद्रप्रयाग : जिलाधिकारी विशाल मिश्रा ने संगम बाजार स्थित आंगनबाड़ी केंद्र का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने केंद्र में संचालित गतिविधियों एवं बच्चों को दी जा रही सुविधाओं की जानकारी ली। जिलाधिकारी ने नौनिहालों के साथ संवाद कर उनकी रोजमर्रा की गतिविधियों, पढ़ाई और रुचियों के बारे में जानकारी ली।

जिलाधिकारी ने बाल विकास सयोजक अधिकारी शैली प्रजापति से आंगनबाड़ी केंद्र में बच्चों के लिए संचालित गतिविधियों के संबंध में जानकारी ली। बाल विकास सयोजन अधिकारी ने बताया कि केंद्र में 3 से 6 वर्ष की आयु के बच्चों को प्रतिदिन पौष्टिक आहार उपलब्ध कराया जाता है। साथ ही खेल-खेल में बच्चों को गिनती, अक्षर ज्ञान और कविताएं सिखाई जाती हैं, जिससे सीखने की प्रक्रिया को रोचक और सहज बनाया जा सके। इस दौरान जिलाधिकारी ने नौनिहालों से उनके नाम पूछने के साथ ही उनकी पसंद और रुचियों के बारे में भी बातचीत की तथा उनका उत्साहवर्धन किया। बच्चों के साथ सहज संवाद करते हुए जिलाधिकारी ने उनकी गतिविधियों में रुचि दिखाई और उन्हें प्रोत्साहित किया।

विश्व हाथी दिवस पर बच्चों ने चित्रों में उकेरे हाथी, आरोही रही अव्वल

आयोजित प्रतियागिता में प्रतिभाग करते विद्यार्थी

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : विश्व हाथी दिवस के अवसर पर कालागढ़ टाइगर रिजर्व वन प्रभाग की ओर से कार्बेट रिसेप्शन सेंटर में चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता में करीब दस विद्यालयों के 20 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। बच्चों ने चित्रों के माध्यम से हाथियों के जीवन और जंगल में उनके महत्व को दर्शाया।

प्रतियोगिता में आरोही रावत ने प्रथम, तुषार रावत ने द्वितीय और स्कंदा भंडारी ने तृतीय स्थान हासिल किया। प्रतियोगिता में मेहरबान सिंह कंडारी विद्या मंदिर, हेरिटेज पब्लिक स्कूल समेत विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थी शामिल हुए। विजेता विद्यार्थियों को वन विभाग की ओर से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को 'द एलिफेंट व्हिस्पर्रस' डॉक्यूमेंट्री भी दिखाई गई। उप प्रभागीय वनाधिकारी अनामिका और शिप्रा शर्मा के साथ वन्यजीव प्रेमी राजीव बिष्ट ने बच्चों को हाथियों के जीवन, व्यवहार और जंगल में उनके महत्व की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि हाथी जंगल के प्रमुख और महत्वपूर्ण वन्यजीवों में शामिल है। जंगल में रहने वाले प्रत्येक जीव के बारे में जानकारी रखना और उनके संरक्षण के प्रति जागरूक होना जरूरी है।

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण निर्माण विभाग, प्रखण्ड-पौड़ी

पत्रांक 899 /दो-लेखा/निविदा सूचना/2026-27 दिनांक 12/08/2026

अल्पकालीन निविदा सूचना

उत्तराखण्ड राज्यपाल की ओर से अधोहस्ताक्षरकर्ता द्वारा निम्न निर्माण कार्यों की मुहरबन्द निविदा अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण निर्माण विभाग प्रखण्ड-पौड़ी द्वारा दिनांक 29.08.2026 के अपरान्ह 11.30 बजे तक ग्रामीण निर्माण विभाग के प्रखण्ड-पौड़ी में आमंत्रित की जाती है। जो उसी दिन इंगित निविदा अपराह्न 12:00 बजे को अधोहस्ताक्षरी कार्यालय में उपस्थित निविदादाताओं अथवा उनके द्वारा अधिकृत प्रतिनिधि के समक्ष खोली जायेगी। निविदा प्रपत्रों का विक्रय दिनांक 14.08.2026 से दिनांक 27.08.2026 को सांय 4.00 बजे तक प्रखण्ड-पौड़ी में किया जायेगा, किन्ही अपरिहार्य कारणों से निर्धारित तिथि को अवकाश हो जाने पर मुहरबन्द निविदा अगले कार्य दिवस को प्राप्त/खोली जायेगी।

क्र0 सं0	कार्य का नाम	विकास खण्ड	धरोहर धनराशि (रू0 में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण करने की अवधि	निविदा की वैधता	विभाग में पंजीकृत ठेकेदारों की श्रेणी
1	जनपद पौड़ी गढ़वाल के विकासखण्ड थलीसैंण के अन्तर्गत राजकीय अन्न भण्डार उफरैंखाल का मरम्मत कार्य।	थलीसैंण	72000.00	2000.00 +GST 18%	09 माह	45 दिन	भवन निर्माण श्रेणी ''ई'' / उच्च
2	जनपद पौड़ी गढ़वाल के विकासखण्ड पौड़ी के मुख्य शिक्षा अधिकारी कार्यालय पौड़ी गढ़वाल में महिला एवं पुरूष शौचालय, भण्डार गृह नव निर्माण कार्य।	पौड़ी	51000.00	1500.00 +GST 18%	09 माह	45 दिन	भवन निर्माण श्रेणी ''ई'' / उच्च
3	जनपद पौड़ी गढ़वाल के विकासखण्ड पाबौ के राजकीय इण्टर कालेज सांकरसैंण में विद्यालय भवन की मरम्मत एवं निर्माण कार्य, प्रांगण में इण्टरलाकिंग टाईल्स का निर्माण कार्य।	पाबौ	46000.00	1500.00 +GST 18%	06 माह	45 दिन	भवन निर्माण श्रेणी ''ई'' / उच्च
4	जनपद पौड़ी गढ़वाल के विकासखण्ड पाबौ के राजकीय इण्टर कालेज चिपलघाट में टीन शैड, बालक एवं बालिका शौचालय का निर्माण।	पाबौ	34000.00	1500.00 +GST 18%	06 माह	45 दिन	भवन निर्माण श्रेणी ''ई'' / उच्च

अधिशासी अभियन्ता
ग्रामीण निर्माण विभाग,
प्रखण्ड पौड़ी।

कांग्रेस ने हल्द्वानी एसएसपी का पुतला फूंका

कोटद्वार में पुतला दहन करते कांग्रेसी

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : आठ अगस्त को कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की जनसभा में जा रहे कार्यकर्ताओं के वाहनों को रोके जाने के विरोध में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने बुधवार को झंडाचौक में हल्द्वानी के एसएसपी का पुतला दहन किया। कार्यकर्ताओं ने प्रदेश सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए विपक्ष की आवाज दबाने का आरोप लगाया। जिलाध्यक्ष विकास नेगी और महानगर अध्यक्ष मीना बछवाण के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ता झंडाचौक पर एकत्र हुए। जिलाध्यक्ष ने कहा कि आठ अगस्त को हल्द्वानी में आयोजित कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष के कार्यक्रम को विफल करने के उद्देश्य से जगह-जगह बैरीकेट लगाए गए थे। उन्होंने आरोप लगाया कि कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे कांग्रेस कार्यकर्ताओं को रोका गया और उनके साथ अभद्र व्यवहार किया गया। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक कार्यक्रम में शामिल होने से कार्यकर्ताओं को रोकना चिंताजनक है। भाजपा सरकार को सरकारी संस्थाओं का राजनीतिक इस्तेमाल करने के बजाय लोकतांत्रिक मर्यादाओं का सम्मान करना चाहिए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ता जनता से जुड़े मुद्दों को लेकर संघर्ष जारी रखेंगे और किसी भी दबाव के आगे नहीं झुकेंगे। इस मौके पर प्रवीन रावत, डॉ. चंद्रमोहन खर्कवाल, सुधा असवाल, धीरेंद्र सिंह बिष्ट, बलवीर सिंह रावत, बृजपाल सिंह नेगी, उपेंद्र नेगी, धर्मेंद्र रावत, राजीव कपूर, सुनील सेमवाल, गुड्डू सिंह चौहान, रूपेंद्र नेगी, विनोद डबराल और हेमचंद्र पंवार आदि मौजूद रहे।

कार्यालय, अधिशासी अभियन्ता, निर्माण खण्ड, लो0नि0वि0, दुगड्डा (गढ़वाल)

E-mail ID :- eepwdcddugadda@gmail.com.eepwddugadda@rediffmail.com Phone No./Fax No. 01382-251221

पत्रांक :– 2332/18ए0सी0 दिनांक :– 12/08/2026

निविदा निरस्तीकरण सूचना

इस कार्यालय के पत्र संख्या 2161/18 ए0सी0 दिनांक 01.08.2026 पत्र संख्या 2238/18 ए0सी0 दिनांक 05.08.2026, से आंमत्रित निविदाएं जो क्रमशः दिनांक 14.08.2026 एवं दिनांक 19.08.2026 को प्राप्त की जानी थी। उक्त निविदाएं अपरिहार्य कारणों से निरस्त की जाती हैं।

(इं0 निर्भय सिंह)
अधिशासी अभियंता
निर्माण खण्ड, लो0नि0वि0
दुगड्डा-गढ़वाल।

दैनिक जयन्त-विचार

संपादकीय

मंजूरियां वैध बनी रहेंगी

सुप्रीम कोर्ट के फैसले का व्यावहारिक अर्थ है कि बिना पर्यावरण मंजूरी लिए शुरू की गईं परियोजनाओं को बाद में हरी झंडी देने का आम रास्ता बंद किया गया है, लेकिन अनेक गलियां खुली रखी गई हैं। बिना पूर्व पर्यावरण मंजूरी के शुरू कर दी परियोजनाओं को बाद में हरी झंडी देने के लिए 2021 में जारी ऑफिस मेमोरेंडम को रद्द करने का सुप्रीम कोर्ट का फैसला ऊपर से केंद्र और कॉरपोरेट सेक्टर के लिए भले बड़ा झटका मालूम पड़े, लेकिन असल में न्यायालय ने बीच का रास्ता निकाला है। इससे सिर्फ यह होगा कि ऐसी परियोजनाओं को सामान्य आदेश के तहत पोस्ट फैक्टो मंजूरी नहीं मिलेगी, लेकिन केंद्र हर परियोजना को अलग आदेश के जरिए मंजूरी दे सकेगा। केंद्र ने 2021 में 2017 की अधिसूचना को निष्प्रभावी बनाने के लिए ऑफिस मेमोरेंडम जारी किया था। 2017 की अधिसूचना के तहत पोस्ट फैक्टो (परियोजना शुरू होने के बाद) मंजूरी पर रोक लगी हुई थी। अब कोर्ट ने फैसला दिया है कि 2021 के ऑफिस मेमोरेंडम के जरिए भविष्य में पोस्ट फैक्टो मंजूरियां नहीं दी जा सकेंगी, लेकिन अब तक दी जा चुकी मंजूरियां वैध बनी रहेंगी। इस तरह लगभग 20,000 करोड़ रुपये की परियोजनाओं को पर्यावरण संरक्षण संबंधी शर्तों से मुक्त कर दिया है। भविष्य के लिए सवीच्च न्यायालय ने स्पष्ट किया है कि सरकार चाहे तो वैधानिक अधिसूचना या माफी (एमनेस्टी) योजना के जरिए असाधारण मामलों में पोस्ट–फैक्टो मंजूरी दे सकेगी। कोर्ट कहा है कि असाधारण या सार्वजनिक हित में पोस्ट फैक्टो मंजूरी देना हो, तो पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम–1986 की धारा 3 के तहत विधिवत अधिसूचना/ संशोधन जारी करना अनिवार्य होगा। यानी इस माध्यम से मंजूरी का रास्ता खुला रखा गया है। तीन जजों की बेंच ने यह व्यवस्था भी दी कि सुप्रीम कोर्ट का संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत विशेष परिस्थितियों में पोस्ट–फैक्टो मंजूरी देने का असाधारण अधिकार सुरक्षित रहेगा।

चिंतन-मनन

जो नहीं है उसे पाना हो ध्येय

असंतुष्ट होने का अर्थ दुखी होना नहीं है। असल में कोई आदमी पूरी तरह सुखी होकर भी असंतुष्ट हो सकता है। सुखी होने का मतलब है, जो है, उसे आनंद से भोगना। और असंतुष्ट होने का अर्थ हैः जो नहीं है उसे आनंद से पैदा करने का श्रम करना। जब अधिकतम लोग समाज में इस भांति श्रम करते हैं तो समाज संपन्न और समृद्ध होता है। और जब अधिक लोग ऐसा सोचते हैं कि जो है बस ठीक है, वही रुक जाना है, तो फिर पूरा समाज धीरे-धीरे दरिद्र हो जाता है। जिंदगी का सारा विकास, जो नहीं है, उसे पाने से ही होता है। इसलिए मैं तो कहूंगा कि ऐसा किसी जगह मानने की जरूरत नहीं है कि अब सब पूरा हो गया, अब भला मुझे क्या करना है! यह मरने के ढंग हैं। यह अपने भीतर जिंदा रहते हुए मर जाना है। जब तक श्वास है, तब तक एक भी श्वास व्यर्थ नहीं जानी चाहिए। फिर भी अगर किसी व्यक्ति को ऐसा लगता हो कि मेरी तो सच में ही सारी आवश्यकताएं पूरी हो गईं, तो फिर ऐसे व्यक्ति को दूसरों की आवश्यकताएं पूरा करने में लग जाना चाहिए। अगर किसी व्यक्ति को पक्का ऐसा लगता है कि मेरी तो सभी आवश्यकताएं पूरी हो गईं, मैं क्यों श्रम करूं? तो उसे चारों तरफ देखना चाहिए कि अब मेरा काम तो जमीन पर खत्म हो गया, लेकिन दूसरों की आवश्यकताएं पूरी नहीं हुई हैं, उनके लिए मैं श्रम करने में लग जाऊं। लेकिन श्रम से नहीं बचा जा सकता। आपकी अपनी आवश्यकताएं पूरी हो गई हैं, तो अपने चारों तरफ देखिए। बहुत लोगों की पूरी नहीं हुई हैं, अतः उनके लिए श्रम करने में लग जाइए। लेकिन खाली बैठने का हक किसी को नहीं है। संन्यासी को भी खाली बैठने का हक नहीं है। देश को संपन्न करना है तो सभी को श्रम में लगना ही चाहिए। और श्रम में हम तभी लगेंगे जब कोई आवश्यकता पूरी करनी हो। चाहे अपनी, चाहे किसी दूसरे की, लेकिन आवश्यकता पूरी करने की दौड़ जारी रहनी चाहिए। यह दौड़ शांत हो, यह दौड़ आनंदपूर्ण हो, इतना मैं कहूंगा। यह दौड़ पागल की नहीं होनी चाहिए, विक्षिप्त की नहीं होनी चाहिए। यह दौड़ नींद को हराम कर देने वाली नहीं होनी चाहिए। यह दौड़ ऐसी नहीं होनी चाहिए कि आदमी बिल्कुल होश खो दे और दौड़ता रहे, और उसे पता भी न हो कि कहां दौड़ रहा है। यह दौड़ बहुत आनंदपूर्ण होनी चाहिए, यह दौड़ बहुत शांत होनी चाहिए, यह दौड़ बहुत स्वस्थ होनी चाहिए। यह हो सकती है। लेकिन हमने इस तरफ सोचा नहीं

अंगदान की संस्कृति ही मानवता को नई दिशा दे सकती है

ललित गर्ग

मनुष्य जीवनभर अपने लिए बहुत कुछ अर्जित करता है-धन, संपत्ति, प्रतिष्ठा, संबंध और सुविधाएँ। लेकिन जीवन की अंतिम घड़ी में इन सबका महत्व समाप्त हो जाता है। तब यदि हमारे शरीर का कोई अंग किसी दूसरे मनुष्य की धड़कन बन जाए, हमारी आँखें किसी अंधेरे जीवन में रोशनी भर दें, हमारा यकृत या गुर्दा किसी परिवार के बुझते चिराग को फिर से जला दे, तो इससे बड़ी जीवन-सार्थकता और क्या हो सकती है? अंगदान मृत्यु के बाद भी जीवन को जारी रखने की वह मानवीय संभावना है, जो मनुष्य को केवल अपने लिए जीने वाले प्राणी से उठाकर मानवता के लिए जीने वाला बना देती है। विश्व अंगदान दिवस हमें इसी महान विचार से जोड़ता है। आज आवश्यकता केवल अंगदान के बारे में जानकारी देने की नहीं, बल्कि हमारी सोच बदलने की है। हमें यह प्रश्न अपने आप से पूछना होगा कि जिस शरीर को मृत्यु के बाद पंचतत्व में विलीन होना है, उसके उपयोगी अंग यदि किसी दूसरे व्यक्ति को जीवन दे सकते हैं तो उन्हें अपने साथ मिट्टी में मिला देना अधिक सार्थक है या किसी की सांसों का हिस्सा बना देना? मृत्यु निश्चित है, लेकिन मृत्यु के बाद भी किसी के जीवन का कारण बनना हमारे हाथ में है।

भारत की सांस्कृतिक स्मृति में शरीर और जीवन के महान त्याग की परंपरा बहुत पुरानी है। महर्षि दधीचि की कथा इसका सबसे प्रभावशाली उदाहरण है। पौराणिक परंपरा के अनुसार जब देवताओं को असुरों से संघर्ष के लिए ऐसे अस्त्र की आवश्यकता हुई जिसे दधीचि की अस्थियों से बनाया जा सके, तब महर्षि दधीचि ने लोककल्याण के लिए अपना शरीर ही त्याग दिया। उनकी अस्थियों से वज्र बनाया गया और उससे जनकल्याण की रक्षा हुई। यह कथा आधुनिक अर्थों में अंगदान की चिकित्सकीय प्रक्रिया नहीं है, लेकिन अपने शरीर को भी समाज और सृष्टि के कल्याण के लिए समर्पित कर देने की भारतीय त्याग-चेतना का अत्यंत शक्तिशाली प्रतीक अवश्य है। भारत के राष्ट्रपति सचिवालय ने भी अंग एवं देहदान की भारतीय परंपरा को समझाते हुए महर्षि दधीचि के इस प्रसंग का उल्लेख किया है। हमारी परंपरा में राजा शिवि की कथा भी त्याग और जीव-दया की अद्भुत मिसाल है। एक कबूतर की रक्षा के लिए उन्होंने अपने शरीर का मांस तक देने की तत्परता दिखाई। चाहे ये प्रसंग धार्मिक आख्यान हों, लेकिन इनके भीतर छिपा संदेश आज भी उतना ही प्रासंगिक है-अपने जीवन और शरीर को केवल अपनी निजी संपत्ति न समझना, बल्कि उसे व्यापक जीवन के कल्याण से जोड़ना। जैन दर्शन का सूत्र ह्लपरस्परोपग्रहो जीवानाम्ह्व भी यही बताता है कि जीव एक-दूसरे के उपकार के लिए हैं। अंगदान इस विचार का आधुनिक वैज्ञानिक रूप कहा जा सकता है।

आधुनिक चिकित्सा विज्ञान ने इस मानवीय भावना को वास्तविक जीवन बचाने की शक्ति प्रदान कर दी है। वर्ष 1954 में दुनिया का पहला सफल मानव किडनी प्रत्यारोपण हुआ। रोनाल्ड ली हेरिक ने अपनी एक किडनी अपने जुड़वां भाई रिचर्ड को दान की थी। यह घटना चिकित्सा इतिहास में एक ऐसी क्रांति की शुरूआत बनी, जिसने आगे चलकर अंग प्रत्यारोपण को लाखों लोगों के लिए जीवन की आशा बना दिया। इसके बाद 1967 में मानव हृदय प्रत्यारोपण की सफलता ने यह सिद्ध कर दिया कि चिकित्सा विज्ञान मनुष्य की मृत्यु और जीवन के बीच खड़ी कई दीवारों को तोड़ सकता है। भारत ने भी इस क्षेत्र में उल्लेखनीय यात्रा की है। देश में पहला सफल किडनी प्रत्यारोपण 1 दिसंबर 1971 को चेन्नई के क्रिश्चियन मेडिकल कॉलेज, वेल्लोर में हुआ था। उस समय शायद किसी ने कल्पना भी नहीं की होगी कि एक दिन भारत में हजारों लोगों के लिए अंग प्रत्यारोपण जीवन का नया द्वार बनेगा। आज चिकित्सा तकनीक इतनी आगे बढ़ चुकी है कि किडनी, लिवर, हृदय, फेफड़े, अग्न्याशय और आंत जैसे अंगों के साथ कॉर्निया, त्वचा, हड्डी और हृदय वाल्व जैसे ऊतकों का भी प्रत्यारोपण संभव है।

लेकिन विज्ञान की क्षमता जितनी बढ़ी है, हमारी सामाजिक चेतना उस गति से नहीं बढ़ पाई। यही सबसे बड़ी चुनौती है। भारत में आज भी प्रत्यारोपण की आवश्यकता और उपलब्ध अंगों के बीच बड़ा अंतर है। सरकारी आंकड़े बताते हैं कि 2024 में देश में अंग प्रत्यारोपण की गतिविधि व्यापक रही, लेकिन मृतक दाताओं की संख्या अभी भी आवश्यकता की तुलना में बहुत कम है। इसका अर्थ साफ है-हमारे अस्पतालों में तकनीक है, डॉक्टर हैं, सर्जरी की क्षमता है, लेकिन जीवन बचाने के लिए पर्याप्त अंग नहीं हैं। इस स्थिति को बदलने के लिए हमें अंगदान को मृत्यु की चर्चा नहीं, जीवन की चर्चा बनाना होगा। परिवारों में इस विषय पर समय रहते बातचीत होनी चाहिए। स्कूलों, विश्वविद्यालयों, धार्मिक संस्थाओं, सामाजिक संगठनों और मीडिया को मिलकर ऐसी वातावरण-निर्मिति करनी होगी जिसमें अंगदान सुनते ही भय नहीं, बल्कि करुणा और जीवन बचाने का भाव पैदा हो। आज भी अनेक लोग सोचते हैं कि मृत्यु के बाद शरीर को क्षति पहुँचाना धर्म के विरुद्ध है। कुछ लोगों को अगले जन्म की चिंता होती है, कुछ को शरीर के साथ होने वाली चिकित्सा प्रक्रिया का भय होता है और कुछ परिवार अंतिम समय में मानसिक रूप से इतने टूट जाते हैं कि अंगदान का निर्णय नहीं ले पाते। इन भ्रमों का समाधान टकराव से नहीं, संवाद, संवेदना और वैज्ञानिक जानकारी से होगा। सबसे महत्वपूर्ण बात यह समझनी होगी कि अंगदान किसी पर थोपा जाने वाला धार्मिक या सामाजिक कर्तव्य नहीं है। यह एक स्वैच्छिक, नैतिक और मानवीय निर्णय है, जिसे व्यक्ति को विश्वसनीय चिकित्सा एवं कानूनी जानकारी के आधार पर लेना चाहिए। लेकिन यदि कोई व्यक्ति स्वेच्छा से यह संकल्प करता है कि मृत्यु के बाद उसके उपयोगी अंग किसी जरूरतमंद को मिलें, तो वह अपने जीवन की अंतिम घड़ी को भी मानवता के उत्सव में बदल सकता है। भारत में अंगदान की प्रेरक घटनाएँ लगातार सामने आ रही हैं। हाल ही में नागपुर में 52 वर्षीय शिक्षक कोंडबा दत्तात्रेय मडावी मृतक अंगदान करने वाले 200वें दाता बने, उनके अंगों से तीन लोगों को नया जीवन मिला। ऐसी घटनाएँ हमें बताती हैं कि अंगदान कोई दूर की आदर्शवादी कल्पना नहीं, बल्कि हमारे आसपास घटने वाली वास्तविक जीवन-बचाने वाली प्रक्रिया है। दिल्ली में 70 वर्षीय मृत महिला के गुर्दों का सफल उपयोग कर एक 56 वर्षीय महिला को जीवन की नई उम्मीद मिली-यह घटना यह भी बताती है कि केवल उम्र के आधार पर किसी संभावित दाता के अंगों को अनुपयोगी मान लेना उचित नहीं है, अंतिम निर्णय चिकित्सा स्थिति पर निर्भर करता है। भारत के कुछ राज्यों ने इस दिशा में उल्लेखनीय उदाहरण प्रस्तुत किए हैं। तेलंगाना में 2024 में मृतक अंगदान की दर राष्ट्रीय औसत से काफी अधिक रही और उसके ह्यजीवदानह्न कार्यक्रम के माध्यम से हजारों प्रत्यारोपण संभव हुए। तमिलनाडु में भी मृतक अंगदान की व्यवस्था ने अनेक परिवारों को प्रेरित किया हैय 2026 में एक परिवार ने भाषा की बाधा के बावजूद डिजिटल अनुवाद की मदद से अपने प्रियजन के अंगदान का निर्णय लिया और अनेक मरीजों को जीवन मिला।

जंतर मंतर-रांची: छात्र आंदोलन एक रूप अनेक

निर्मल रानी

देश इन दिनों लगभग राष्ट्रव्यापी छात्र आक्रोश व आंदोलन से रूबरू है। अभी कुछ दिन पहले ही नीट पेपर लीक और राष्ट्रीय परीक्षाओं में हुई धांधली के खिलाफ 6 जून से शुरू होकर 25 जुलाई 2026 तक चला आंदोलन केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद खत्म हुआ था। इसके बाद ही झारखंड में भी जेपीएससी और जेएसएससी परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं और पेपर लीक के विरुद्ध 29 जुलाई से रांची के जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम में छात्र आंदोलन की शुरूआत हुई। यहाँ भी छात्र प्रतियोगी परीक्षाओं में पारदर्शिता, धांधली और अनियमितताओं की निष्पक्ष जांच आदि मांगों को लेकर धरना, प्रदर्शन और विधानसभा घेराव जैसे कार्यक्रम कर रहे हैं। परन्तु कुछ दिनों पूर्व हुये दिल्ली के जंतर-मंतर व वर्तमान समय रांची में चल रहे छात्र आंदोलन में जहां कुछ बातें समान हैं वहीं कई बातें विरोधाभासी भी हैं। उदाहरण के तौर पर दोनों ही आंदोलन पेपर लीक और राष्ट्रीय परीक्षाओं में हुई धांधली व अनियमितताओं के खिलाफ किये गए हैं। जंतर मंतर की ही तरह रांची में भी जहाँ आंदोलनस्थल पर अनेक स्वयंसेवी लंगर चला रहे हैं व आंदोलनकारी छात्रों के दूर दराज बैठे समर्थक फूड ऐप्स के जरिए सीधे आंदोलन स्थल पर भोजन ऑर्डर कर रहे हैं व छात्रों को मेडिकल व अन्य सुविधाएं उपलब्ध करा रहे हैं। यहाँ भी भोजन इतनी अधिक मात्रा में आ रहा है कि आंदोलनकारी छात्रों ने वीडियो जारी कर लोगों से कुछ दिन ऑर्डर रोकने की अपील की ताकि खाना बर्बाद न हो और बचे हुए भोजन को जरूरतमंदों में बांटा जा सके। इसके अलावा रांची के स्थानीय दुकानदारों और आम नागरिकों द्वारा आंदोलन स्थल पर भोजन,समोसे, बिरयानी,नाश्ता और पानी आदि पहुंचाया जा रहा है। अनशन पर बैठे छात्र नेताओं की सेहत की देखभाल के लिए रांची के सदर अस्पताल में मेडिकल टीम नियमित रूप से आंदोलन स्थल पर पहुंचकर स्वास्थ्य जांच (ब्लड प्रेशर, शुगर लेवल) कर रही है। इसके अतिरिक्त झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने निर्देश जारी किया है कि आंदोलन के दौरान बीमार या चोटिल होने वाले छात्रों के इलाज का पूरा खर्च राज्य सरकार उठाएगी, चाहे वे सरकारी अस्पताल में इलाज कराएं या निजी अस्पताल में।

परन्तु इन दोनों अर्थात दिल्ली व रांची के आंदोलन में जो सबसे बड़ा विरोधाभास नजर आ रहा है वह है जंतर मंतर के छात्र आंदोलन का विरोध करने वालों का रांची के आंदोलन में बढ़चढ़कर हिस्सा लेना। बड़ी हैरत की बात है कि जो वर्ग,जो संगठन और जिस विचारधारा से जुड़े लोग जंतर मंतर के आंदोलनकारियों को देशद्रोही, बदतमीज, गटर जनरेशन,गलियां बोलने व अपशब्द इस्तेमाल करने वालों का झुण्ड,विदेशी फंडिंग से चलने वाला आंदोलन बता रहे थे, दिल्ली के आंदोलन में जो लोग हिन्दू-मुस्लिम का दृष्टिकोण ढूंढ रहे थे,जिन्हें दिल्ली के आंदोलन कारी आवारा व चरित्रहीन नजर आ रहे थे वही लोग वही वर्ग और वही विचारधारा रांची के छात्र आंदोलन में कुछ इसतरह बढ़चढ़कर हिस्सा लेने को उतावली है गोया रांची का आंदोलन छात्र आंदोलन के बजाये देश का दूसरा स्वाधीनता संग्राम हो? याद कीजिये कि जंतर मंतर आंदोलन के संदर्भ में ही एक हिंदुत्व विचारक और केरल भाजपा के बौद्धिक प्रकोष्ठ के पूर्व प्रमुख टीजी मोहनदास ने कहा था कि अगर स्थिति उनके नियंत्रण में होती, तो वे नई दिल्ली के आंदोलन स्थल के आसपास कर्फ़्यू लगाकर प्रदर्शनकारियों पर गोली चलवा देते। इस व्यक्ति ने प्रदर्शन में शामिल धर्मनिरपेक्ष और वामपंथी विचारधारा वाली छात्राओं व महिलाओं के साथ रेप करवाने जैसी बेहद अमर्यादित और आपत्तिजनक टिप्पणियां भी की थीं। साथ ही गोदी मीडिया के नाम से बदनाम सत्ता का पिछलग्गू मीडिया भी जो जंतर मंतर आंदोलन से या तो मुंह मोड़े हुआ था या इसी आंदोलन विरोधी वर्ग की तरह आंदोलन में केवल नकारात्मकता तलाश रहा था,जिसे संसद भवन के पास चल रहा इतना बड़ा छात्र आंदोलन नजर नहीं आ रहा था वही मीडिया रांची में डेरा जमाये हुये है और अपने तरीके से छात्र आंदोलन का नरेटिव सेट करने में लगा है। इस दोहरेपन का केवल एक ही कारण है कि दिल्ली में केंद्र व दिल्ली राज्य, दोनों ही जगह भारतीय जनता पार्टी की सरकारें हैं जबकि झारखण्ड में झारखंड मुक्ति मोर्चा , कांग्रेस और राष्ट्रीय जनता दल, के गठबंधन यानी इण्डिया गठबंधन की सरकार है और झामुमो के हेमंत सोरेन इस सरकार के मुख्यमंत्री हैं। इसलिये इनका समर्थन छात्र आंदोलन को नहीं बल्कि यह झारखण्ड में इण्डिया गठबंधन की सरकार का विरोध कर रहे हैं। इस अवसरवादी विचारधारा का विरोध करने वालों का चेहरा रांची में उस समय भी बेनकाब हुआ जबकि जंतर मंतर के आंदोलन का एक प्रमुख चेहरा और वहां अनशन पर बैठने वाली अखिल भारतीय छात्र संगठन AISA की केंद्रीय अध्यक्ष नेहा बोरा जब हजारों छात्रों के साथ विधानसभा के लिये मार्च निकाल रही थीं उस समय एक युवक ने नेहा पर स्याही फेंक कर छात्र आंदोलन को समर्थन देने की अपनी हकीकत को उजागर कर दिया। घटना के तुरंत बाद मौके पर मौजूद सुरक्षाकर्मियों और प्रदर्शनकारियों ने युवक को पकड़कर उसकी पिटाई की और फिर पुलिस के हवाले कर दिया और पुलिस ने आरोपी युवक को गिरफ़्तार कर जेल भेज दिया। नेहा बोरा ने इस घटना पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि जिनके पास तर्क या बहस की क्षमता नहीं होती, वे ऐसी हरकतों पर उतर आते हैं। उन्होंने इस हमले के पीछे भाजपा और आरएसएस से जुड़े लोगों का हाथ होने का आरोप लगाया। गौरतलब है कि नेहा बोरा व उनका संगठन अखिल भारतीय छात्र संगठन AISA जंतर मंतर के आंदोलन में भी शामिल था और उसी उत्साह के साथ रांची में भी सक्रिय है। जबकि रांची में छात्र आंदोलन का मुख्य चेहरा बनने की इच्छा पालने वाले लोग जंतर मंतर में न केवल लापता थे बल्कि उसके विरोध में भी खड़े थे। कहा जा सकता है कि जंतर मंतर व रांची दोनों जगह छात्र आंदोलन व उनकी मांगें व समस्याएँ तो लगभग एक हैं परन्तु उनके अनेक रूप देखे जा रहे हैं।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

असामाजिक हो रहे सोशल मीडिया का नियमन जरूरी

उमेश चतुर्वेदी

सोशल मीडिया को लोकतंत्र के बड़े मंच के रूप में 17 दिसंबर 2010 को ट्यूनिशिया के सिटी बौजिज शहर में फलों का ठेला लगाने वाले मोहम्मद बोआजीजी की आत्महत्या के बाद हुए उबाल के बाद देखा जाने लगा। म्यूनिसिपल कर्मचारियों की सख्ती के चलते क्षुब्ध बोआजीजी ने खुद पर पेट्रोल डालकर आग लगा ली।

दिल्ली में बीस जुलाई को काकरोच जनता पार्टी के संसद मार्च के दौरान हुई हिंसा और 23 जुलाई को प्रधानमंत्री मोदी के जेन जी के संबोधन की वीडियो फेसबुक और इंस्टाग्राम से हटाए जाने के बाद सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म बहुत चर्चा में हैं। चर्चा से ज्यादा उनकी भूमिका कहीं ज्यादा विमर्श के केंद्र में है। इसमें दो राय नहीं कि दुनियाभर में जो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ज्यादा प्रचलन में हैं, उनमें से ज्यादातर विदेशी हैं। जाहिर है कि वे उन जगहों के कानूनों और सांस्कृतिक परंपराओं से ज्यादा संचालित हैं, जहां उनके मुख्यालय हैं। इसलिए अपने व्यापक हितों के लिए वे अपने प्रचलन वाले देशों की परंपराओं और संस्कृतियों को सवालों के घेरे में लाने, उसका उपहास उड़ाने और उन्हें तार-तार करने वाला अलगोरिदम उन्होंने विकसित कर रखा है। जिसका खामियाजा तीसरी दुनिया के देश और वहां की सांस्कृतिक परंपराएं उठा रही हैं।

सोशल मीडिया को लोकतंत्र के बड़े मंच के रूप में 17 दिसंबर 2010 को ट्यूनिशिया के सिटी बौजिज शहर में फलों का ठेला लगाने वाले मोहम्मद बोआजीजी की आत्महत्या के बाद हुए उबाल के बाद देखा जाने लगा। म्यूनिसिपल कर्मचारियों की सख्ती के चलते क्षुब्ध बोआजीजी ने खुद पर पेट्रोल डालकर आग लगा ली। किसी ने इस घटना को सोशल मीडिया पर डाल दिया। सोशल मीडिया के तत्कालीन अलगोरिदम ने इस घटना को इस रूप में प्रस्तुत किया कि समूचे अरब जगत में उबाल आ गया। नागरिक अधिकारों की स्थापना और लोकतंत्र की बहाली की मांग को लेकर अरब देशों की जनता सड़कों पर उतर आई। इसका ही नतीजा मिस्त्र की राजधानी काहिरा के तहरीर चौक पर दिखा। जहां महीनों तक लोग जमे रहे और वहां के राष्ट्रपति को इस्तीफा देना पड़ा। यह आग सीरिया, यमन और लीबिया तक जा पहुंची। वहां के पारंपरिक शासकों के खिलाफ लोगों का दबा हुआ गुस्सा निकला और कई जगह सत्ताएं बदल गईं। भारत में भी इसके ही कुछ महीनों बाद अन्ना हजारे को आगे रखकर एक आंदोलन छेड़ा गया। जिसकी परिणति आम आदमी पार्टी के रूप में हुई और वह दिल्ली की सत्ता पर काबिज हुई। फिर पंजाब में भी उसने पैठ बना ली।

इन घटनाओं को याद करना इसलिए जरूरी है कि इन सबके पीछे सोशल मीडिया के जरिए त्वरित गति से फैलाई गई सूचनाओं का हाथ सबसे ज्यादा रहा। तब सोशल

मीडिया को लोकतंत्र के लिए जरूरी बताया गया। सोशल मीडिया के बारे में कहा गया कि लोकतंत्र में सबकी आवाज पहुंचाने और उन्हें मौका देने का यह बड़ा माध्यम है। इसे लोकतंत्र के वाजिब और जरूरी औजार के रूप में भी मान्यता मिली। लेकिन बीतते वक्त के साथ पता चल रहा है कि जिसे हम सोशल मीडिया कहते हैं, वह लोकतंत्र के लिए जितना जरूरी है, उससे कहीं ज्यादा अनसोशल यानी असामाजिक भी है। यह ठीक है कि सोशल मीडिया के जरिए व्यवस्था की अंधी सुरंग में खो रही आवाजों को मौका मिलता है। लेकिन यह उतना ही सच है कि इस माध्यम ने लोगों की नजर का पानी उतार दिया है। लोग अब लिहाज करना भूल गए हैं। सोशल मीडिया पर अगर किसी की बात पसंद नहीं आती तो उसे खुलेआम गालियां दी जा सकती हैं। उसके चरित्र पर आक्षेप लगाया जा सकता है। उसका चरित्र हनन किया जा सकता है। चाहे वह व्यक्ति सामाजिक जीवन में कितना ही प्रतिष्ठित क्यों न हो, उसकी उम्र चाहे जितनी भी बड़ी क्यों ना हो।

सोशल मीडिया मंचों ने अपना अलगोरिदम भी ऐसा विकसित किया है, जो अच्छी बातों, सामाजिक चिंतन और बेहतर कल की बातों को ज्यादा तवज्जो नहीं देखा। एक तरह से कहें तो वह इसकी अनदेखी ही करता है। लेकिन जैसे ही किसी को कोई गाली देता है, किसी के चरित्र का बेवजह ही हनन करता है, किसी का घटिया कार्टून बनाता है, सोशल मीडिया का अलगोरिदम उसे फैलाने में द्रुत गति से जुट जाता है। सोशल मीडिया ने अब तक पर्दे के पीछे रही नंगई को भी उजागर कर दिया है। आज रील्स के चक्कर में अधनंगे और कई बार करीब-करीब नग्न फोटोग्राफ और वीडियो तक जारी किए जा रहे हैं। भले ही अपने परिवारों में महिलाएँ और युवतियां सलीके से रहती हों, लेकिन सोशल मीडिया पर प्रसिद्धि पाने और उसके जरिए कुछ कमाने के चक्कर में अपने शील और अपनी लज्जा को भी बेपर्दा कर रही हैं। सोशल मीडिया कितना असमाजिक हो चुका है, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि उसका अलगोरिदम अश्लीलता को बढ़ावा देता है, लेकिन शील और लज्जा की बात को अपने मंच के किसी कोने में डाल देता है। कह सकते हैं कि वर्चुअल स्पेस के किसी अंधेरे कोने में उसे गुम कर देता है।

तीन साल पहले प्यू रिसर्च सेंटर ने 19 विकसित अर्थव्यवस्थाओं वाले देशों में सोशल मीडिया को लेकर एक शोध किया था। उसके मुताबिक, आम नागरिकों की नजर में सोशल मीडिया राजनीतिक जीवन के लिए रचनात्मक और विनाशकारी दोनों है। इस अध्ययन में शामिल देशों में, औसतन 57 प्रतिशत लोगों ने माना कि सोशल मीडिया लोकतंत्र के लिए अच्छा है, लेकिन इसे बिनाशकारी मानने वालों की संख्या भी कम नहीं रही। करीब 35 प्रतिशत से ज्यादा लोगों का का कहना था कि सोशल मीडिया विनाशकारी साबित हो रहा है। सिर्फ 34 प्रतिशत अमेरिकियों ने ही सोशल मीडिया को लोकतंत्र के लिए लाभकारी माना, जबकि 64 फीसद का कहना था कि इसने नकारात्मक प्रभाव ज्यादा डाला है। हाल ही में जेन जी से चर्चा के दौरान संघ प्रमुख मोहन भागवत ने भी सोशल मीडिया को लेकर अपने विचार व्यक्त किए। उसमें उन्होंने कहा है कि यदि सोशल मीडिया पर उनके कारण दस लाख लोग कोई गलत निर्णय लेते हैं, तो उसकी जिम्मेदारी मेरी भी है। सोशल मीडिया पर सकारात्मक, उपयोगी और समाजहित की सामग्री साझा करनी चाहिए। सोशल मीडिया पर केवल प्रामाणिक स्त्रोतों से प्राप्त जानकारी पर ही विश्वास करना चाहिए। जेन-जी में भी यह विवेक विकसित होना चाहिए कि क्या सही है और क्या नहीं। वरिष्ठ पीढ़ी की भी जिम्मेदारी है कि वह नई पीढ़ी का मार्गदर्शन करे तथा उन्हें सही और गलत के बीच अंतर समझाए।

सोशल मीडिया का अनसोशल चेहरा और मंच आर्थिक कमाई का जरिया भी है। नंगई, हिंसा और व्यभिचार-अतिचार की कहानियां, दृश्य, वीडियो और फोटो को वायरल करने में उसका कोई सानी नहीं है। इस बहाने इसे प्रसारित करने वाले को सोशल मीडिया मंच आर्थिक कमाई भी कराते हैं। और तो और, वे खुद भी ऐसी घटनाओं, दृश्यों को प्रसारित-प्रचारित और वायरल करने के लिए बड़ी रकम लेते हैं। संसदीय समिति के सामने फेसबुक और इंस्टाग्राम की संचालक कंपनी मेटा के अधिकारियों ने माना है कि काकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन के दौरान गाली, हिंसा आदि को बढ़ावा देने के लिए पैसे भी लिए थे। इन कोशिशों का मकसद भारत में व्यापक पैमाने पर लोगों को उत्तेजित करके अराजकता फैलाना था। इस लिहाज से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म राष्ट्रों के अंदरूनी मामलों में लोकतंत्र की रक्षा के मुखौटे के पीछे से दखल भी दे रहे हैं और राष्ट्रीय सुरक्षा को चुनौती भी दे रहे हैं। वक्त आ गया है कि इनके नियमन के लिए कठोर कानून बनाए जाएं। जिसके तहत उन्हें अभिव्यक्ति के अधिकार को बढ़ावा देने की व्यवस्था तो हो, लेकिन इसकी आड़ में अराजकता फैलाने की छूट नहीं।

संक्षिप्त समाचार

सर्जनों को रिश्वत देने के मामले में भारतीय मूल के सीएफओ को जेल, आखिर क्या है पूरा मामला

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की एक संघीय अदालत ने स्पाइनल इंप्लांट कंपनी के भारतीय मूल के मुख्य वित्तीय अधिकारी को सर्जनों को रिश्वत देने के मामले में चार महीने जेल की सजा सुनाई है। दरअसल सीएफओ ने कंपनी के उत्पादों का इस्तेमाल करने के लिए सर्जनों को रिश्वत देने की कोशिश की। अधिकारियों ने बताया कि सर्जनों को यह रिश्वत फर्जी परामर्श शुल्क के रूप में दी गई थी। जेल की सजा पूरी करने के बाद कैम्ब्रिज निवासी 41 वर्षीय आदित्य हुमाड को एक साल तक निगरानी में रहना होगा और उन पर 9,500 अमेरिकी डॉलर का जुर्माना भी लगाया गया है। हुमाड ने एंटी-किकबैक कानून के उल्लंघन की साजिश रचने के आरोप में अपना अपराध स्वीकार कर लिया था। हुमाड पर सितंबर 2021 में स्पाइन फ्रंटियर नामक कंपनी के संस्थापक, अध्यक्ष और मुख्य कार्यकारी अधिकारी किंग्सले आर. चिन के साथ आरोप लगाए गए थे। मैसाचुसेट्स जिले के अमेरिकी अटॉर्नी कार्यालय ने सोमवार को जारी एक बयान में कहा कि हुमाड ने उन सर्जनों को 5,40,000 अमेरिकी डॉलर से अधिक की रिश्वत देने और दिलाने की साजिश रची। यह रकम ऐसे फर्जी परामर्श शुल्क के रूप में दी गई, जिनके लिए सर्जनों ने वास्तव में कोई काम नहीं किया था। अधिकारियों के अनुसार, हुमाड ने सर्जनों को कंपनी के उत्पादों का इस्तेमाल करने के लिए रिश्वत देने की साजिश रची। इसके बदले कंपनी को इन सर्जनों द्वारा की गई सर्जरी से लाखों डॉलर का राजस्व प्राप्त हुआ। अमेरिकी अटॉर्नी लीह बी. फोले ने कहा कि हुमाड को जटिल रीढ़ की सर्जरी में चिकित्सकों को कंपनी के उत्पादों का इस्तेमाल करने के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से रिश्वत देने की साजिश रचने का दोषी ठहराया गया है और सजा सुनाई गई है।

तुर्किये में कुर्द लड़ाकों को मिलेगी सशर्त माफी, संसद से मिली मंजूरी; कानून कब कैसे लागू होगा

अंकारा, एजेंसी। तुर्किये की संसद ने कुर्द लड़ाकों को सशर्त माफ करने संबंधी विधेयक को मंजूरी दे दी है। ये कानून तभी लागू होगा जब तुर्किये के अधिकारी कुर्दिस्तान वर्कर्स पार्टी (पीकेके) के पूरी तरह हथियार डालने की पुष्टि करेंगे। पीकेके ने पिछले साल अपनी दशकों पुरानी सशस्त्र मुहिम खत्म करने और खुद को भंग करने की घोषणा की थी। यह निर्णय उसके जेल में बंद नेता अब्दुल्ला ओकलान के आह्वान पर लिया गया। यह कदम हजारों लोगों की जान लेने वाले संघर्ष को समाप्त करने की दिशा में है। इससे तुर्किये-इराकी संबंध मजबूत हो सकते हैं। यह सीरियाई सरकार के उन क्षेत्रों को एकीकृत करने के प्रयासों का भी समर्थन करेगा, जो कुर्द-नेतृत्व वाली सीरियन डेमोक्रेटिक फोर्सेज के नियंत्रण में थे।

'हम भी मांगेंगे हर्जाना': ईरान की मुआवजे की मांग पर ट्रंप का नया दांव, बोले- अब हर बातचीत में होगा मुद्दा

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान से उन लोगों के लिए मुआवजे की मांग की है, जो तेहरान से जुड़े संघर्षों में मारे गए या गंभीर रूप से घायल हुए। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच भविष्य में होने वाली किसी भी बातचीत में यह मुद्दा शामिल किया जाएगा। ट्रंप की यह मांग उस दावे के जवाब में आई है, जिसमें उन्होंने कहा कि इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान के प्रतिनिधियों ने पांच महीने के सैन्य संघर्ष के दौरान ईरान को हुए नुकसान के लिए मुआवजे की मांग की है। ट्रंप ने एक पोस्ट में ईरान की इस मांग को 'दिलचस्प विचार' बताया। उन्होंने कहा कि वह भी तेहरान से इसी तरह की मांग कर रहे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा, ''मैं भी ईरान से उन सभी लोगों के लिए मुआवजे की मांग कर रहा हूं, जिन्हें उसने अपने सड़क किनारे बमों और कई संघर्षों में मारा और गंभीर रूप से घायल किया है, जिनके लिए वह मशहूर है।'' ट्रंप ने उन संघर्षों का भी जिक्र किया, जिनमें ईरानी सैन्य कमांडर जनरल कासिम सुलेमानी शामिल थे। उन्होंने यूएसएस कोल पर मारे गए लोगों के परिवारों के लिए भी मुआवजे की मांग की। इसके अलावा उन्होंने युद्ध में मारे गए हजारों अन्य लोगों के परिवारों का भी जिक्र किया। ट्रंप ने पिछले पांच दशकों के दौरान ईरान में प्रदर्शनों में मारे गए लोगों के परिवारों के लिए भी मुआवजे की मांग की। उन्होंने कहा, ''इसके अलावा, पिछले 50 वर्षों में ईरान द्वारा मारे गए सैकड़ों हजारों निर्दोष प्रदर्शनकारियों के परिवारों को भी मुआवजा दिया जाना चाहिए।'' ट्रंप ने यह भी दावा किया कि पिछले पांच महीनों में 52,000 लोग मारे गए हैं। हालांकि, अपनी पोस्ट में ट्रंप ने यह नहीं बताया कि मुआवजे की राशि कैसे तय की जाएगी।

ईरान-जर्मनी के विदेश मंत्रियों ने बातचीत; मोजतबा खामेनेई ने छह अहम पदों पर की नियुक्तियां

तेहरान, एजेंसी। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची और उनके जर्मन समकक्ष जोहान वाडेफुल ने फोन पर बातचीत की। दोनों ने होर्मुज जलडमरूमध्य की स्थिति और जारी संघर्ष को खत्म करने के तरीकों पर चर्चा की। अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार, बातचीत के दौरान अराघची ने कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य की सुरक्षा तभी सुनिश्चित हो सकती है, जब अमेरिका अपने सैन्य अभियान बंद करे। उन्होंने अमेरिका की ओर से ईरान के बंदरगाहों पर लगाई गई नाकाबंदी का भी जिक्र किया।

उन्होंने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से यह भी कहा कि अगर होर्मुज जलडमरूमध्य बंद होता है, तो इसके कारण होने वाले सुरक्षा और आर्थिक नुकसान के लिए अमेरिका को जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए। वहीं, जर्मनी के विदेश मंत्री ने कहा कि उन्होंने अराघची से क्षेत्रीय पड़ोसी देशों और अमेरिका के साथ बातचीत में रचनात्मक तरीके से शामिल होने की अपील की, ताकि संघर्ष को खत्म करने में मदद मिल सके। वाडेफुल ने आगे जोर देकर कहा कि समुद्री मार्ग से सभी जहाजों के लिए आने-जाने की स्वतंत्रता और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए होर्मुज जलडमरूमध्य को बिना किसी शर्त के खोल दिया जाना चाहिए। इससे पहले रविवार को ईरान की राष्ट्रीय सुरक्षा और विदेश नीति संबंधी संसदीय समिति ने एक रणनीतिक पहल की व्यापक रूपरेखा को मंजूरी दी थी। इस पहल का मकसद फारस की खाड़ी और होर्मुज जलडमरूमध्य में क्षेत्रीय सुरक्षा और टिकाऊ विकास को मजबूत करना है।

ईरान के सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई 'पूरी तरह स्वस्थ': राष्ट्रपति पेजेशकियन : उधर, ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने दावा किया कि देश के सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई 'पूरी तरह स्वस्थ' हैं। उन्होंने उनकी शारीरिक स्थिति को लेकर लगाई जा रही अटकलों को खारिज किया। ईरान की समाचार एजेंसी आईएसएनए की रिपोर्ट के अनुसार, राष्ट्रपति पेजेशकियन ने कहा कि जो व्यक्ति सात से आठ घंटे तक बैठकर चर्चा कर सकता है, उसे स्वास्थ्य संबंधी कोई समस्या नहीं हो सकती। उन्होंने यह भी बताया कि खामेनेई के साथ उनकी 'बहुत अच्छी' बैठक हुई थी। यह उच्च स्तर की मुलाकात ऐसे समय हुई है, जब मोजतबा खामेनेई की सेहत को लेकर लगातार खबरें और दावे सामने आ रहे थे। इससे पहले रविवार को ईरान की अर्ध-सरकारी समाचार एजेंसी मेहर न्यूज एजेंसी ने एक बिना तारीख वाला वीडियो जारी किया था। इसमें मोजतबा खामेनेई को अच्छी सेहत में दिखाई दिए थे।

सर्वोच्च नेता खामेनेई ने सेना में छह अहम पदों पर नियुक्तियां कीं : इस बीच, ईरान के सर्वोच्च नेता और सशस्त्र बलों के कमांडर-इन-चीफ अयातुल्ला मोजतबा खामेनेई ने सेना के जनरल स्टाफ, इस्लामी रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स यानी आईआरजीसी और बसीज रेजिस्टेंस फोर्स में छह वरिष्ठ कमांडरों को अहम पदों पर नियुक्त किया है। यह जानकारी एक आधिकारिक प्रेस विज्ञप्ति में दी गई है। खामेनेई ने अलग-अलग आदेश जारी कर इन नियुक्तियों की घोषणा की। अली अब्दोल्लाही को सशस्त्र बलों के चीफ ऑफ स्टाफ बनाया गया है, जबकि कियूमर्स हैदरी को डिप्टी चीफ ऑफ स्टाफ नियुक्त किया गया है।

वहीं, अहमद वाहिदी को लेफ्टिनेंट जनरल के पद के साथ आईआरजीसी का कमांडर-इन-चीफ नियुक्त किया गया है। मुस्तफा इजादी को आईआरजीसी का डिप्टी कमांडर-इन-चीफ बनाया गया है। अली अजमाई को आईआरजीसी की नौसेना का कमांडर नियुक्त किया गया है, जबकि होसैन ताएब को बसीज रेजिस्टेंस फोर्स का प्रमुख बनाया गया है।

ईरानी विदेश मंत्रालय ने की अमेरिकी प्रतिबंधों की आलोचना : ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने मंगलवार को अमेरिका की प्रतिबंध नीति की आलोचना की। उन्होंने अमेरिकी प्रशासन पर आर्थिक प्रतिबंधों की 'लत' होने का आरोप लगाया। यह बयान अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट की उस कथित टिप्पणी के बाद आया, जिसमें उन्होंने कहा था कि प्रतिबंध ईरान का 'दम घोंट' रहे हैं।

बघाई ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि बार-बार प्रतिबंधों का इस्तेमाल यह दिखाता है कि अमेरिका कूटनीति के जरिये आगे बढ़ने में सक्षम नहीं है। उन्होंने कहा, अमेरिकी वित्त मंत्री ने आर्थिक प्रतिबंधों के जरिये ईरान का 'दम घोंटने' की बात पर गर्व जताया है। इस दावे में दिखने वाली बेबसी से आगे बढ़कर देखें, तो यह अमेरिका की प्रतिबंधों की मजबूरी और लत का साफ सबूत है।

क्या ट्रंप बच्चों का जीवन खतरे में डाल रहे टीकाकरण पर लिया बड़ा फैसला, विरोध भी शुरू

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बच्चों के टीकाकरण को लेकर बड़ा कार्यकारी आदेश जारी किया है। इस आदेश में बचपन में लगाए जाने वाले टीकों की सिफारिशों को नए तरीके से तैयार करने की बात कही गई है। ट्रंप लंबे समय से इस विचार का समर्थन करते रहे हैं कि बच्चों को एक साथ कई टीके देने के बजाय उन्हें अलग-अलग चिकित्सकीय दौरों में लगाया जाना चाहिए। इसी सोच के तहत अब खसरा, गलसुआ और रूबेला यानी एमएमआर के टीके को भी तीन अलग-अलग टीकों के रूप में देने की योजना बनाने का निर्देश दिया गया है। इस फैसले को लेकर अमेरिका में स्वास्थ्य विशेषज्ञों और प्रशासन के बीच बहस तेज हो गई है।

ट्रंप के आदेश में आखिर क्या बदलेगा : ट्रंप के आदेश में कहा गया है कि बच्चों को लगने वाले टीकों को जहां संभव हो, अलग-अलग चिकित्सकीय मुलाकातों में दिया जाए। एमएमआर टीके को तीन अलग-अलग टीकों में बांटने की योजना बनाने का भी निर्देश दिया गया है। अमेरिका में फिलहाल खसरा, गलसुआ और रूबेला के लिए अलग-अलग टीका उपलब्ध नहीं है। आदेश में अमेरिकी स्वास्थ्य विभाग को टीकों पर शोध बेहतर करने और अलग-अलग एमएमआर टीके उपलब्ध कराने की योजना तैयार करने को कहा गया है। ट्रंप ने इसे अभिभावकों के अधिकार, धार्मिक और संवैधानिक अधिकार तथा विज्ञान की जीत बताया है।

विशेषज्ञों को बच्चों के संक्रमण का डर क्यों है : सार्वजनिक स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि टीकों के बीच ज्यादा अंतर रखने से बच्चों के संक्रमण की चपेट में आने का खतरा बढ़ सकता है। उनका तर्क है कि अगर किसी बच्चे को एक बीमारी से बचाने वाला टीका मिल गया, लेकिन दूसरे टीके के लिए अगली मुलाकात तक इंतजार करना पड़ा, तो वह उस दौरान ऐसी बीमारी से संक्रमित हो सकता है, जिससे टीका बचाव कर सकता है। बच्चों के टीकों और उन्हें किस उम्र में तथा किस संयोजन में देना है, इनका लंबे समय तक अध्ययन किया जाता है और इस्तेमाल के बाद भी उनकी सुरक्षा पर लगातार नजर रखी जाती है।

क्या ट्रंप ने वैक्सीन और ऑटिज्म को फिर जोड़ा : ट्रंप ने आदेश की घोषणा के दौरान वैक्सीन की संख्या और उन्हें देने के समय को अमेरिका में बढ़ रहे ऑटिज्म स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर से जोड़ने की बात कही। हालांकि, इनपुट के अनुसार वैज्ञानिक सहमति और दशकों के अध्ययनों ने वैक्सीन और ऑटिज्म के बीच किसी संबंध को खारिज किया है। अमेरिकन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स के अध्यक्ष डॉ. एंड्रयू रेसिन ने कहा कि इस फैसले से ऐसी स्थिति में अनिश्चितता, डर और भ्रम पैदा हो रहा है, जहां इसकी जरूरत नहीं है।

क्या विरोधियों से डरने लगे पुतिन, यूक्रेन युद्ध का विरोध करने वाली पार्टी क्यों नहीं लड़ पाएगी चुनाव

तेल अवीव, एजेंसी। क्या अगले संसदीय चुनाव को लेकर पुतिन डर रहे हैं दरअसल ये सवाल तब उठा जब आज रूस की सुप्रीम कोर्ट ने याब्लोको पार्टी को अगले महीने होने वाले संसदीय चुनाव से बाहर कर दिया। अदालत ने उसका चुनावी पंजीकरण रद्द कर दिया। क्योंकि याब्लोको रूस की उन राजनीतिक ताकतों में रही है जो सरकार की नीतियों की आलोचना करती रही हैं। पिछले कुछ वर्षों में यह यूक्रेन में रूसी सैन्य कार्रवाई का खुलकर विरोध करने वाली इकलौती पंजीकृत विपक्षी पार्टी थी। पिछले महीने केंद्रीय चुनाव आयोग ने याब्लोको को 10 अन्य पार्टियों के साथ चुनाव लड़ने की अनुमति दी थी। लेकिन क्रेमलिन समर्थक मदरलैंड पार्टी की अपील के बाद मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा और अदालत ने याब्लोको को चुनावी मैदान से बाहर कर दिया। याब्लोको ने अपने चुनावी अभियान में युद्धविराम, कूटनीति और शांति की बात को प्रमुखता दी थी। पार्टी ने परमाणु युद्ध रोकने और रूस को डर तथा राजनीतिक दमन से मुक्त बनाने जैसे मुद्दे भी उठाए। पार्टी के सह-संस्थापक और राजनीतिक समिति के अध्यक्ष ग्रिगोरी याव्लिंस्की ने अदालत के फैसले की आलोचना की। उन्होंने कहा कि याब्लोको को चुनाव से बाहर करना उन लोगों से संवाद से इनकार करने जैसा है, जो सरकार से असहज सवाल पूछते हैं। याव्लिंस्की ने कहा कि पार्टी इस फैसले के खिलाफ अपील करेगी। उनके मुताबिक रूस में शांति और आजादी की मांग को सरकार ने जितना समझा था, उससे ज्यादा समर्थन मिला है। रूस के कई क्रेमलिन समर्थक दलों ने यूक्रेन को लेकर याब्लोको के रुख की आलोचना की थी। ए जस्ट रूस पार्टी के प्रमुख सर्गेई मिरोनोव ने अभियोजक जनरल कार्यालय और न्याय मंत्रालय से याब्लोको की गतिविधियों की जांच करने की अपील की थी। कम्युनिस्ट पार्टी के नेता गेन्नेडी ज्युगानोव ने भी आरोप लगाया कि याब्लोको राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की नीतियों का समर्थन नहीं करती। याब्लोको को चुनाव से बाहर करने के लिए मदरलैंड पार्टी ने सुप्रीम कोर्ट में मुकदमा दायर किया था। उसने याब्लोको पर कॉपीराइट का उल्लंघन करने और चुनावी खर्च की सीमा पार करने का आरोप लगाया।

गौतम और सागर अदाणी के खिलाफ अमेरिकी कोर्ट में आपराधिक आरोप खारिज, फैसले पर क्या बोले उद्योगपति

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अदाणी ग्रुप के अध्यक्ष गौतम अदाणी ने मंगलवार को अमेरिकी अदालत के आपराधिक आरोपों को खारिज करने के फैसले का स्वागत किया। उन्होंने न्यायिक प्रक्रिया के प्रति गहरा सम्मान व्यक्त किया। अदाणी ने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि इस चुनौतीपूर्ण दौर में सत्य, निष्पक्षता और कानून के शासन में उनका विश्वास अटूट रहा। रॉयटर्स के अनुसार, सोमवार को न्यूयॉर्क के पूर्वी जिले के यूएस डिस्ट्रिक्ट कोर्ट के जज निकोलस गारौफिस ने गौतम और सागर अदाणी के खिलाफ आपराधिक आरोप खारिज कर दिए। जज का यह फैसला संघीय अभियोजकों को आरोप वापस लेने का अधिकार देने के बाद आया। उन्होंने अभियोजकों से इसके कारणों के बारे में पूछताछ की थी। आरोपों को खारिज करते हुए जज ने कहा कि वह संतुष्ट हैं कि अदाणी ग्रुप की कथित निवेश प्रतिज्ञा ने न्याय विभाग के फैसले को प्रभावित नहीं किया। उन्होंने यह भी कहा कि आरोपों को खारिज करने के संघीय अभियोजकों के निर्णयों की समीक्षा में जजों की भूमिका सीमित होती है।

गौतम अदाणी और अन्य के खिलाफ भारत में सौर ऊर्जा अनुबंधों से जुड़ी रिश्वतखोरी योजना का आरोप था। इसमें अमेरिकी निवेशकों को कथित तौर पर गुमराह करने की बात कही गई थी। इस साल मई में यूएस डिपार्टमेंट ऑफ जस्टिस ने इन आरोपों को खारिज करने की मांग की थी। इसके बाद न्यूयॉर्क के पूर्वी जिले के यूएस कोर्ट ने छ्रश्छ्र से जवाब मांगा था। इस जवाब की स्थिति को मजबूत किया, जिससे कानूनी विशेषज्ञों का मानना है कि जज के रुख का समर्थन करेंगे।

इससे पहले 4 जुलाई को छ्रश्छ्र ने जज को बताया था कि गौतम अदाणी और अन्य प्रतिवादियों के खिलाफ आपराधिक मामला 'कभी नहीं लाया जाना चाहिए था'। छ्रश्छ्र ने अदालत से सभी आरोपों को स्थायी रूप से खारिज करने का आग्रह किया। उनका तर्क था कि अभियोजन कानूनी रूप से कमजोर था, मुख्य रूप से भारत केंद्रित था और अब न्याय के हितों की पूर्ति नहीं करता था। छ्रश्छ्र ने विस्तृत फाइलिंग में अपने पहले के अनुरोध का बचाव किया। विभाग ने कहा कि व्यापक समीक्षा के बाद 'खारिज करने का निर्णय स्पष्ट था'। मामला भारत से जुड़ा था, जिसमें 'कई भारतीयों ने कथित तौर पर अन्य भारतीयों को रिश्वत देने की कोशिश की थी, ताकि भारत में भारतीयों को भारतीय बिजली प्रदान करने के लिए भारतीय अनुबंध मिल सकें।

'संयुक्त राज्य अमेरिका का विश्व पुलिस होने का दिखावा कूटनीतिक तनाव पैदा कर सकता है और घरेलू चिंताओं पर बेहतर खर्च किए जाने वाले संसाधनों को भी बर्बाद करता है। भारत अपनी आंतरिक प्रणालियों को ब्रुकलिन और वाशिंगटन के अभियोजकों की तुलना में बेहतर ढंग से प्रबंधित कर सकता है।' DoJ ने यह भी कहा कि गौतम अदाणी और सागर अदाणी के खिलाफ प्रतिभूति धोखाधड़ी के आरोपों का कोई ठोस कानूनी आधार नहीं था। उन्होंने कहा, 'प्रतिभूति आरोप कभी नहीं लाए जाने चाहिए थे।

हम अकेले बोझ नहीं उठाएंगे': चीन के बढ़ते दबदबे का असर, क्या एशिया को भी बेसहारा छोड़ रहा अमेरिका

मनीला, एजेंसी। पेंटागन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने एशिया में अपने सहयोगी देशों से रक्षा क्षेत्र में अधिक निवेश करने की अपील की है। उन्होंने ये भी कहा कि अमेरिका अपने सहयोगी देशों के साथ साझेदार के रूप में काम करना चाहता है न कि संरक्षित देशों के रूप में। अमेरिकी अधिकारी के इस बड़े बयान के बाद कयास लगाए जा रहे हैं कि क्या यूरोप की तरह अब अमेरिका एशिया में भी अपनी मौजूदगी को सीमित करने पर विचार कर रहा है गौरतलब बात ये है कि ये बयान ऐसे समय सामने आया है, जब चीन एशिया में अपना दबदबा लगातार बढ़ा रहा है और उसका कई एशियाई देशों के साथ समुद्री सीमा को लेकर विवाद चल रहा है।

अमेरिकी अधिकारी ने फिलीपींस में की ये टिप्पणी : अमेरिकी रक्षा मंत्रालय पेंटागन में अंडर सेक्रेटरी एल्ब्रिज कोल्बी ने फिलीपींस में एक कार्यक्रम के दौरान यह टिप्पणी की। कोल्बी इन दिनों दक्षिण-पूर्व एशिया के दौरे पर हैं और अपने पहले पड़ाव पर वह फिलीपींस पहुंचे हैं। इसके बाद वह इंडोनेशिया, थाईलैंड और कंबोडिया का दौरा करेंगे। कोल्बी ने यह भी दोहराया कि ईरान युद्ध और मध्य पूर्व में मौजूदा अमेरिकी व्यस्तताओं के बावजूद वाशिंगटन एशिया से पीछे नहीं हट रहा है। कोल्बी ने विदेशी राजनयिकों, सैन्य अधिकारियों, कारोबारियों और पत्रकारों की मौजूदगी वाले कार्यक्रम में कहा, 'अमेरिका बेशक एशिया से पीछे नहीं हट रहा है और हमारे महत्वपूर्ण राष्ट्रीय हित यहां हमारी स्थायी मौजूदगी की मांग करते हैं। हम जा नहीं रहे हैं; बल्कि हम यहां अपनी स्थिति और मजबूत कर रहे हैं, ताकि शक्ति संतुलन हमारे अनुकूल बना रहे। हम एशिया को बेहद अहम क्षेत्र मानते हैं।

चीन की आलोचना से किया परहेज : कोल्बी ने क्षेत्र में चीन की बढ़ती आक्रामकता को लेकर अमेरिका की ओर से आमतौर पर की जाने वाली तीखी आलोचना से परहेज किया। इसमें विवादित दक्षिण चीन सागर में चीन की गतिविधियां भी शामिल हैं। वाशिंगटन पिछले कुछ वर्षों में फिलीपींस के तटरक्षक और नौसैनिक बलों के खिलाफ बीजिंग की बढ़ती आक्रामक कार्रवाइयों पर बार-बार चिंता जताता रहा है। चीन और फिलीपींस के साथ-साथ वियतनाम, मलेशिया, ब्रुनेई और ताइवान दशकों से विवादित जलक्षेत्र को लेकर आमने-सामने हैं। यह जलमार्ग वैश्विक व्यापार के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। बीजिंग लगभग पूरे दक्षिण चीन सागर पर अपना दावा करता है। उसने 2016 में फिलीपींस द्वारा शुरू किए गए मध्यस्थता मामले में आए उस फैसले को भी खारिज कर दिया है, जिसमें चीन के दावों को अमान्य कर दिया गया था। कोल्बी ने अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ द्वारा मई में सिंगापुर में आयोजित शांगरी-ला रक्षा सम्मेलन में दिए गए भाषण में जताई गई प्रतिबद्धता को दोहराया। हेगसेथ ने कहा था कि अमेरिका पश्चिमी प्रशांत क्षेत्र में एक मजबूत रक्षा व्यवस्था तैयार करेगा। कोल्बी ने कहा कि 'अमेरिका यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि जहां सबसे ज्यादा जरूरत है।

भूकंप में अब तक 132 मौतें, 570+ घायल, दुनियाभर से मदद; तबाही पर मैक्रों-रुबियो क्या बोले

बोगोटा, एजेंसी। दक्षिण अमेरिकी देश कोलंबिया में 7.4 तीव्रता के शक्तिशाली भूकंप ने कई इलाकों को हिलाकर रख दिया। भूकंप के बाद बड़े पैमाने पर राहत और बचाव अभियान चलाया जा रहा है। उपलब्ध जानकारी के मुताबिक कम से कम 132 लोगों की मौत हुई है, जबकि कई लोग मलबे के नीचे फंसे हुए हैं। पश्चिमी कोलंबिया में आए इस भूकंप का असर पड़ोसी देश इक्वाडोर में भी महसूस किया गया। हादसे के बाद स्थानीय स्तर पर बचाव दल प्रभावित इलाकों में लोगों की तलाश में जुटे हैं। भूकंप की तबाही के बाद कई देशों के नेताओं ने कोलंबिया के लोगों के प्रति संवेदना और समर्थन जताया है। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने कहा कि मुश्किल की इस घड़ी में कोलंबिया फ्रांस की दोस्ती और मदद पर भरोसा कर सकता है। उन्होंने भूकंप में मारे गए लोगों, उनके परिवारों, घायलों और प्रभावित लोगों के प्रति संवेदना जताई। मैक्रों ने राहत और बचाव कार्य में जुटे लोगों की भी सराहना की।

यूक्रेन और इटली ने किस तरह जताई एकजुटता : यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने भी कोलंबिया के लोगों के साथ एकजुटता जताई। उन्होंने कहा कि पश्चिमी कोलंबिया में आए भूकंप की खबर बेहद दुखद है और इसका असर पड़ोसी इक्वाडोर पर भी पड़ा है। उन्होंने मारे गए लोगों के परिवारों के प्रति संवेदना जताते हुए दुनिया के सक्षम देशों से प्रभावित लोगों और देशों की मदद के लिए आगे आने की अपील की। इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने भी कहा कि वह कोलंबिया में आए भीषण भूकंप से जुड़ी खबरों पर नजर रख रही हैं और इटली प्रभावित परिवारों तथा बचाव कार्य में जुटे लोगों के साथ खड़ा है।

इक्वाडोर ने कोलंबिया को कितनी मदद की पेशकश की : भूकंप से प्रभावित कोलंबिया के लिए पड़ोसी इक्वाडोर ने तत्काल मदद की पेशकश की है। इक्वाडोर के राष्ट्रपति डेनियल नोबोआ अज़िन ने कहा कि उनका देश कोलंबिया के साथ खड़ा है। उन्होंने कोलंबिया की मदद के लिए 47 बचावकर्मियों, प्रशिक्षित कुत्तों और जरूरी उपकरणों वाली यूएसएआर टीम उपलब्ध कराने की पेशकश की। इस टीम के पास सात दिनों तक अभियान चलाने की क्षमता बताई गई है। इक्वाडोर ने कहा कि कोलंबिया की जरूरत के मुताबिक वह इस टीम को भेजने के लिए तैयार है।

राहत और बचाव अभियान के बीच क्या चुनौती है : भूकंप के बाद सबसे बड़ी चुनौती मलबे में फंसे लोगों तक पहुंचना और उन्हें सुरक्षित बाहर निकालना है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार कई लोग अब भी मलबे में फंसे हुए हैं। ऐसे में बचाव दलों के सामने समय सबसे बड़ी चुनौती है। दूसरी ओर, प्रभावित इलाकों में नुकसान का आकलन और घायलों तक सहायता पहुंचाने का काम भी जारी है। कोलंबिया के साथ खड़े देशों की ओर से मदद की पेशकश के बीच अब स्थानीय प्रशासन के सामने राहत अभियान को तेजी से आगे बढ़ाने की चुनौती है।

भूकंप के बाद दुनिया की नजर किस पर : 7.4 तीव्रता के भूकंप के बाद अब नजर लगातार चल रहे खोज और बचाव अभियान पर है। शुरुआती जानकारी में कम से कम 132 लोगों की मौत सामने आई है, लेकिन प्रभावित इलाकों में तलाश जारी रहने के कारण स्थिति आगे बदल सकती है। कोलंबिया के साथ फ्रांस, यूक्रेन, इटली, इक्वाडोर और अमेरिका की ओर से समर्थन जताया गया है। इक्वाडोर ने तो अपनी विशेष बचाव टीम भेजने की भी पेशकश की है।

रूस ने दिया भारत के साथ सीधे रेल मार्ग का प्रस्ताव, क्या हो सकता है रूट; किसे-कितना फायदा

मास्को, एजेंसी। रूस की तरफ से भारत को सीधा रेल रूट के जरिए जोड़ने पर चर्चाएं तेज हो गई हैं। हाल ही में रूस के उप-प्रधानमंत्री मरात खुसनुलिन ने दोनों देशों के बीच एक संभावित रेल लिंक खड़ा करने पर गहराई से विचार की बात कही। उन्होंने इसके लिए विकल्प के तौर पर संभावित कुछ मार्ग भी सुझाए हैं। मजेदार बात यह है कि रूस और भारत के बीच एक सीधा रेल मार्ग खड़ा करने की यह चर्चाएं कोई नई नहीं हैं। इससे पहले भी दोनों देश व्यापार के लिए रेल आधारित मार्ग बनाने पर बात कर चुके हैं। व्यापार का कुछ हिस्सा रेल मार्ग के जरिए आता-जाता भी है, हालांकि यह मार्ग फिलहाल सीमित है और दोनों देशों के अंदर तक ही स्थित है, न कि अंतर्देशीय है। ऐसे में यह जानना अहम है कि आखिर रूस की तरफ से भारत के साथ रेल मार्ग स्थापित करने के लिए हाल ही में क्या बयान दिया गया है मौजूदा समय में दोनों देशों के बीच व्यापार का क्या रूट है जिस नए रेल मार्ग की बात की जा रही है, उसका संभावित रूट क्या हो सकता है इसकी जरूरत क्यों महसूस की जा रही है और इस मार्ग को लेकर चर्चाओं का इतिहास क्या रहा है आइये जानते हैं...

सबसे पहले राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने किया था एलान : रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन पहले ही बाल्टिक और बेरेंट्स सागर से लेकर सीधे हिंद महासागर तक एक सीधे रेलवे कॉरिडोर को स्थापित करने की विशाल बुनियादी ढांचा योजना की घोषणा कर चुके हैं। रूस के अधिकारियों के मुताबिक, घोषित प्रोजेक्ट का मकसद आधुनिक लॉजिस्टिक्स नेटवर्क तैयार करना है जो मिस्र के पास वाले रास्ते-स्वेज नहर की तुलना में शिपिंग समय को लगभग आधा कर देगा और माल ढुलाई के खर्च को काफी कम करेगा।

अब उप-प्रधानमंत्री ने भी दोहराई रेल मार्ग की बात : ताजा बयान रूस उप-प्रधानमंत्री मरात खुसनुलिन का है, जिन्होंने बीते हफ्ते भारत तक एक सीधे रेल मार्ग के प्रस्ताव को व्यावहारिक बताया और कहा है कि इस रेल लिंक की संभावनाओं की तलाश जाना चाहिए। रूसी सरकार ने इस जमीन-आधारित रेल कॉरिडोर के लिए एक संभावित मार्ग भी साझा किया है।

1. पारंपरिक समुद्री मार्ग: स्वेज नहर का रास्ता : यह दोनों देशों के बीच व्यापार का सबसे स्थापित और पुराना समुद्री मार्ग है। इसमें मालवाहक जहाज रूस के सेंट पीटर्सबर्ग से निकल कर बोस्फोरस जलडमरूमध्य, भूमध्य सागर (मेडिटेरेनियन सागर), स्वेज नहर और लाल सागर से होते हुए मुंबई या भारत के अन्य पश्चिमी बंदरगाहों तक पहुंचते हैं। इस मार्ग से सफर पूरा होने में सामान्यतः 40 से 45 दिन या कुछ परिस्थितियों में 45 से 60 दिन का समय लगता है।

2. इंटरनेशनल नॉर्थ-साउथ ट्रांसपोर्ट कॉरिडोर (आईएनएसटीसी) : यह समुद्र, रेल और सड़क मार्गों का एक संयुक्त मल्टीमॉडल नेटवर्क है। इसके तहत भारत के मुंबई से माल जहाजों द्वारा ईरान के बंदर अब्बास या चाबहार बंदरगाह तक भेजा जाता है। वहां से ईरान के रेल/सड़क मार्ग और कैस्पियन सागर के रास्ते माल को रूस के मॉस्को या सेंट पीटर्सबर्ग पहुंचाया जाता है।

चेन्नई-व्लादिवोस्तोक समुद्री गलियारा : यह मार्ग भारत के पूर्वी तट (खासकर चेन्नई) को रूस के सुदूर पूर्व में स्थित व्लादिवोस्तोक बंदरगाह से सीधे जोड़ता है। यह मार्ग स्वेज नहर के चक्करदार रास्ते को पूरी तरह बायपास करता है, जिससे समुद्री यात्रा का समय लगभग 18 से 20 दिन रह जाता है, जो कि पारंपरिक पश्चिमी मार्ग से लगभग 40 दिन का रहता है। हालांकि, इस मार्ग का इस्तेमाल भी सीमित व्यापार के लिए ही होता है। फिलहाल इसे कार्गो परिवहन के लिए बेहतर बनाए जाने की कोशिशें जारी हैं, ताकि व्यापार को और बढ़ाया जा सके। रूस अपने नए ट्रांस-आर्कटिक ट्रांसपोर्ट कॉरिडोर (टीएटीसी) के तहत इस आर्कटिक समुद्री मार्ग को तेजी से विकसित कर रहा है। भारत ने भी इस मार्ग में जबरदस्त रुचि दिखाई है। चेन्नई-व्लादिवोस्तोक समुद्री गलियारे को इस आर्कटिक मार्ग से जोड़कर भविष्य में रूस के उत्तरी क्षेत्रों से भारत के पूर्वी तटों तक कोयला, तेल, गैस और अन्य कच्चे माल की सुरक्षित और तेज आपूर्ति का नया नेटवर्क तैयार किया जा रहा है। रूसी उप-प्रधानमंत्री मरात खुसनुलिन की ओर से सुझाया गया मार्ग पूरी तरह से जमीन के रास्ते भारत को रूस से जोड़ेगा। इसका संभावित भौगोलिक रूट रूस से तुर्कमेनिस्तान, ईरान, अफगानिस्तान, पाकिस्तान के रास्ते भारत आ सकता है। हालांकि, पाकिस्तान के साथ भारत की दूरियों के मद्देनजर उसे बायपास करने पर विचार किया जा सकता है।

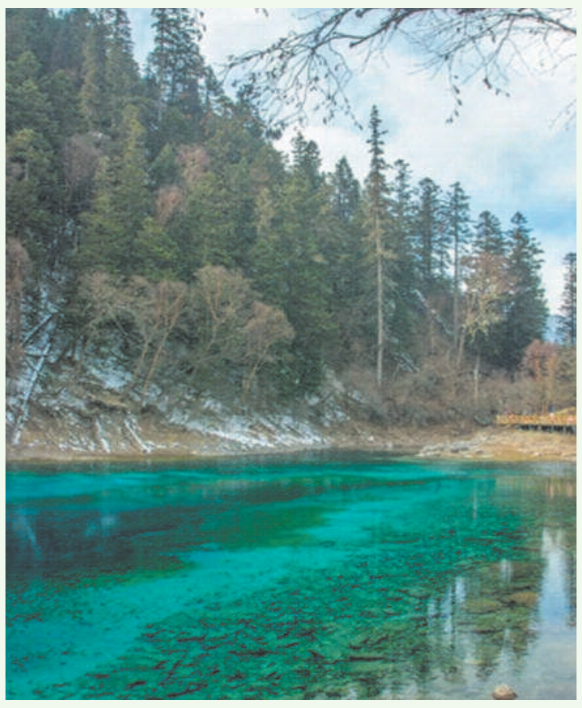

भारत की ये झीलें जन्नत से नहीं है कम, इस गर्मी ट्रैवल बकेट लिस्ट में करें शामिल

अगर आप भी इस गर्मी देश की फेमस और खूबसूरत झीलों को देखने का मन बना रहे हैं, तो आज हम आपको देश की कुछ अद्भुत और बेहद खूबसूरत झीलों के बारे में बताने जा रहे हैं। जहां पर जाकर आप अपनी छुट्टियों को खास बना सकते हैं।

गर्मियों के मौसम में लगभर हर कोई ठंडी जगहों या समुद्र तटीय क्षेत्रों पर जाना ज्यादा पसंद करते हैं। इसके अलावा इस मौसम में झीलों का नजारा भी देखने लायक होता है। ठंडी–ठंडी हवाओं के बीच झीलों को देखना काफी ज्यादा अच्छा लगता है। ऐसे में अगर आप भी इस गर्मी देश की फेमस और खूबसूरत झीलों को देखने का मन बना रहे हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। क्योंकि आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको देश की कुछ अद्भुत और बेहद खूबसूरत झीलों के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां पर जाकर आप अपनी छुट्टियों को खास बना सकते हैं।

बड़ी लेक

राजस्थान के माउंट आबू में मीठे पानी की एक विशाल झील है। इसको बड़ी लेक के नाम से भी जाना जाता है। गर्मियों में यहां का नजारा बेहद खूबसूरत होता है। बताया जाता है कि बड़ी लेक को खुद भगवान ने बनाया था। हर साल यहां पर बड़ी संख्या में लोग अपनी छुट्टियों को यादगार बनाने के लिए आते हैं।

नैनी झील

नैनीताल के लोगों के लिए नैनी झील काफी ज्यादा फेमस है। नैनी झील को नैनीताल झील के नाम से भी जाना जाता है। नैनी झील में आप नौकायन यानी की नाव की सवारी का आनंद ले सकते हैं। हर साल यहां पर देशी और विदेशी पर्यटक घूमने के लिए पहुंचते हैं।

हुसैन सागर झील

वहीं हैदराबाद में हुसैन सागर झील है, जोकि देखने में काफी ज्यादा खूबसूरत लगती है। बताया जाता है कि इस हुसैन झील के तट पर गोलकुंडा और मुगलों के बीच संधि हुई थी। इसके साथ ही इस लेक में बुद्ध देवता की विशाल मूर्ति है। गर्मियों में हुसैन सागर झील का नजारा देखने लायक होता है।

लोकटक झील

लोकटक झील मणिपुर में है और यह झील पर्यटकों के बीच काफी ज्यादा फेमस है। इस झील को फ्लोटिंग झील के नाम से भी जाना जाता है। बताया जाता है कि लोकटक झील दुनिया की इकलौती ऐसी लेक है, जोकि तैरती हुई दिखाई देती है। ऐसे में अगर आप गर्मियों में मणिपुर जाने का प्लान बना रहे हैं, तो आपको एक बार लोकटक झील देखने जरूर जाना चाहिए।

टारसर झील

बता दें कि जम्मू–कश्मीर में टारसर झील मौजूद है, जोकि काफी ज्यादा खूबसूरत है। यह झील पर्वतीय इलाके में जमीन से करीब 3,795 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। टारसर झील के आसपास बड़े–बड़े पहाड़ हैं, जोकि दिखने में काफी ज्यादा खूबसूरत लगते हैं।

प्रकृति, इतिहास और आध्यात्म का अद्भुत संगम है शिवपुरी

शिवपुरी का नाम भगवान शिव के नाम पर पड़ा है। यह नगर कभी नरवर रियासत का हिस्सा था और बाद में ग्वालियर राज्य के अधीन आ गया। सिंधिया राजवंश ने यहाँ कई महलों, उद्यानों और स्मारकों का निर्माण करवाया, जो आज भी उसकी राजसी भव्यता की गवाही देते हैं।

शिवपुरी मध्य प्रदेश का एक सुरम्य और ऐतिहासिक नगर है, जो अपनी हरियाली, प्राचीन स्मारकों, राजसी विरासत और धार्मिक स्थलों के लिए प्रसिद्ध है। यह नगर एक समय में सिंधिया राजवंश की ग्रीष्मकालीन राजधानी रहा है और आज यह पर्यटकों के लिए एक शांत, सुंदर और विविध अनुभव प्रदान करता है।

शिवपुरी का ऐतिहासिक परिचय

शिवपुरी का नाम भगवान शिव के नाम पर पड़ा है। यह नगर कभी नरवर रियासत का हिस्सा था और बाद में ग्वालियर राज्य के अधीन आ गया। सिंधिया राजवंश ने यहाँ कई महलों, उद्यानों और स्मारकों का निर्माण करवाया, जो आज भी उसकी राजसी भव्यता की गवाही देते हैं।

शिवपुरी के प्रमुख दर्शनीय स्थल

1. माधव राष्ट्रीय उद्यान

शिवपुरी का सबसे प्रसिद्ध स्थल। यह राष्ट्रीय उद्यान कभी सिंधिया राजाओं का शिकार क्षेत्र हुआ करता था। अब यह बाघ, तेंदुआ, चीतल, सांभर, नीलगाय, मगरमच्छ, और अनेक पक्षियों का निवास स्थान है। यह प्रकृति प्रेमियों और वाइल्डलाइफ फोटोग्राफर्स के लिए स्वर्ग है।

2. सिंधिया की छतरियाँ

सिंधिया राजाओं और रानियों की याद में बने ये संगमरमर के स्मारक भारतीय और मुगल वास्तुकला के सुंदर मिश्रण का उदाहरण हैं। यहाँ की कलाकृति, मेहराबें और जालीदार खिड़कियाँ देखने योग्य हैं।

3. माधव विलास महल

यह एक भव्य शाही महल है, जहाँ सिंधिया परिवार गर्मियों में रहा करता था। ऊँचाई पर स्थित यह महल अपने बगीचों, झरोखों और शाही वातावरण के लिए प्रसिद्ध है।

4. सागर तालाब और भदैया कुंड

शिवपुरी के यह जल स्रोत प्राकृतिक सौंदर्य के साथ–साथ स्थानीय लोगों की आस्था से भी जुड़े हुए हैं। यहाँ बैठकर आप शांति का अनुभव कर सकते हैं।

5. नरवर किला

शिवपुरी से लगभग 40 किमी दूर स्थित यह प्राचीन किला 10वीं शताब्दी में बना था और चंदेल, परमार, तोमर, और मुगलों के अधीन रहा। किले से आसपास का मनोरम दृश्य दिखाई देता है।

धार्मिक स्थल

सिद्धेश्वर महादेव मंदिर – एक प्राचीन शिव मंदिर जो स्थानीय श्रद्धालुओं के बीच अत्यंत पूजनीय है।

छत्री मंदिर परिसर – यहाँ भगवान विष्णु और अन्य देवी–देवताओं की मूर्तियाँ स्थापत्य कला का अनोखा उदाहरण हैं।

क्या करें?

वन सफारी – माधव राष्ट्रीय उद्यान में सुबह या शाम की सफारी जरूर लें।

फोटोग्राफी – प्रकृति, इतिहास और संस्कृति का अद्भुत संगम आपको कैमरे से दूर नहीं रहने देगा।

स्थानीय भोजन – यहाँ का पारंपरिक मालवी और बुंदेली खाना जरूर चखें।

कैसे पहुँचे?

निकटतम रेलवे स्टेशन- शिवपुरी रेलवे स्टेशन, ग्वालियर (110 किमी)

निकटतम हवाई अड्डा- ग्वालियर

सड़क मार्ग- ग्वालियर, झाँसी, भोपाल और इंदौर से सड़क मार्ग द्वारा आसानी से पहुँचा जा सकता है

ठहरने की व्यवस्था

शिवपुरी में मध्य प्रदेश पर्यटन विभाग द्वारा संचालित रिसॉर्ट्स, लॉज और कई निजी होटल उपलब्ध हैं। यदि आप प्रकृति के करीब रहना चाहते हैं, तो माधव राष्ट्रीय उद्यान के पास रिसॉर्ट एक बेहतरीन विकल्प हो सकते हैं।

यात्रा का सर्वोत्तम समय

अक्टूबर से मार्च के बीच का मौसम शिवपुरी घूमने के लिए सबसे उपयुक्त है। इस समय तापमान सुखद होता है और वन्यजीव भी अधिक दिखते हैं।

शिवपुरी एक ऐसा स्थल है जहाँ इतिहास के पदचिन्ह, राजसी भव्यता, प्राकृतिक सौंदर्य और आध्यात्मिक शांति– सब एक साथ मिलते हैं। यह पर्यटन के शोरगुल से दूर, आत्मिक और सुकून भरी यात्रा के लिए आदर्श स्थल है। यदि आप मध्य प्रदेश की अनदेखी विरासत को महसूस करना चाहते हैं, तो शिवपुरी की यात्रा जरूर करें।

खूबसूरत तैमारा घाटी का खौफनाक रहस्य, यहां आते ही बदल जाता है मोबाइल का वक्त

झारखंड की खूबसूरत जगहों के बीच तैमारा घाटी के बारे में बहुत कम लोगों को मालूम है। तैमारा घाटी झारखंड में %मौत का हाइवे% के नाम से भी जाना जाता है। ऐसे में आज हम आपको तैमारा घाटी की डरावनी कहानियों के बारे में बताने जा रहे हैं। झारखंड भारत का एक प्रमुख और खूबसूरत राज्य है। यह राज्य साल 2000 में बिहार से अलग होकर देश का 28वां राज्य बना था। आज झारखंड पूरे भारत का एक खनिज समृद्ध राज्य माना जाता है। झारखंड घने जंगलों, कोयला खदानों और बेहतरीन पर्यटन स्थलों के लिए जाना जाता है। झारखंड की पतरानू घाटी, हुंडरू, टैगोर हिल और दशम वॉटरफॉल, नेतरहाट और तोपचांची झील जैसी खूबसूरत जगहों के बारे में हर कोई जानता है।

इन खूबसूरत जगहों के बीच तैमारा घाटी के बारे में बहुत कम लोगों को मालूम है। तैमारा घाटी झारखंड में %मौत का हाइवे% के नाम से भी जाना जाता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको तैमारा घाटी की डरावनी कहानियों के बारे में बताने जा रहे हैं।

तैमारा घाटी

तैमारा घाटी एक डरावनी जगह मानी जाती है, जोकि रांची–जमशेदपुर हाईवे यानी एनएच–33 पर है। यह जगह राजधानी रांची से करीब 30 किमी की दूरी पर है। हाइवे पर होने के कारण तैमारा घाटी को %मौत का हाइवे% के नाम से भी जानी जाती है। यह हाइवे घने जंगलों के बीच में है, जिसकी वजह से यह काफी डरावना लगता है।

तैमारा घाटी की घटनाएं

तैमारा घाटी की एक नहीं बल्कि कई घटनाएं प्रचलित हैं। यह घाटी देखने में तो काफी मनमोहक लगती है। लेकिन यह घाटी कई मौतों की गवाह भी बन चुकी है। बताया जाता है कि इस घाटी गुजरने पर टाइम और तारीख अपने आप बदल जाती है।

तैमारा घाटी को लेकर एक अन्य कहानी है कि जंगलों के बीच से जब गाड़ी गुजरती है, तो उस गाड़ी की स्पीड मीटर खुद ब खुद बदल जाती है। वहीं माना जाता है कि रात के समय इस घाटी से अजीबो–गरीब आवाजें आती रहती हैं। वहीं कुछ लोगों का मानना है कि डर के कारण लोग रात में अकेले इस घाटी से गुजरना नहीं चाहते हैं।

तैमारा घाटी की डरावनी कहानियां

इस घाटी की सबसे डरावनी कहानियों में फेमस कहानी मोबाइल में डेट और समय का बदल जाना है। कई लोगों का इस घाटी के बारे में मानना है कि जब कोई यहां से गुजरता है तो उसके मोबाइल में साल, डेट और समय अपने आप बदल जाता है।

ऐसा होने के पीछे लोग कुछ और कहानी भी बताते हैं। लोगों का मानना है कि तैमारा घाटी से कुछ ही दूरी पर मैग्नेटाइज्ड रॉक है। जिसकी वजह से यह समस्या होती है। वहीं एक अन्य कारण यह भी है कि इसी घाटी से कर्क रेखा गुजरती है, जिस वजह से यह समस्या होती है।

तैमारा घाटी घूमने जाते हैं पर्यटक

बता दें कि झारखंड की राजधानी रांची से करीब 30 किमी दूर स्थित तैमारा घाटी अपनी प्राकृतिक सुंदरता के लिए जाना जाता है। यहां पर भीषण गर्मी में भी ठंडी–ठंडी हवाएं चलती हैं। ऐसे में पर्यटक भी तैमारा घाटी घूमने के लिए पहुंचते हैं। मानसून के समय पर्यटक दूर–दूर से यहां पर लॉन्ग ड्राइव के लिए पहुंचते हैं। मानसून में इस घाटी की खूबसूरती देखने लायक होती है।

तमक नाले में राहत-बचाव कार्यों का डीएम ने लिया जायजा

जयन्त प्रतिनिधि। चमोली : जिलाधिकारी गौरव कुमार ने बुधवार को तमक नाले का स्थलीय निरीक्षण कर वैली ब्रिज सहित क्षेत्र में चल रहे राहत एवं बचाव कार्यों का जायजा लिया। इससे पूर्व जिलाधिकारी ने तमक नाले के ऊपरी जलग्रहण क्षेत्र का हवाई सर्वेक्षण कर फ्लैश फ्लड से प्रभावित क्षेत्र एवं परिस्थितियों का अवलोकन किया। उन्होंने अधिकारियों को भविष्य में ऐसी घटनाओं से होने वाले नुकसान को कम करने के लिए आवश्यक सुधारात्मक एवं निवारक उपाय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने बताया कि फ्लैश फ्लड के वास्तविक कारणों का वैज्ञानिक अध्ययन करने के लिए आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा विशेषज्ञ संस्थान को सूचित कर दिया गया है, ताकि घटना के कारणों का पता लगाकर भविष्य के लिए प्रभावी सुरक्षा एवं बचाव उपाय सुनिश्चित किए जा सकें। जिलाधिकारी ने बताया कि ज्योतिर्मठ-मलारी मोटर मार्ग पर तमक नाले में 123 बीआरटीएफ, सुराईथोटा द्वारा निर्मित बेली ब्रिज अत्यधिक जलप्रवाह के कारण पूरी तरह बह गया है। अचानक बढ़े पानी के तेज बहाव की चपेट में आने से एक व्यक्ति एवं एक वाहन (कैंपर) के बहने की सूचना है। सूचना मिलते ही भारतीय सेना, एनडीआरएफ एवं एसडीआरएफ की टीमें राहत एवं बचाव कार्यों में जुटी हैं। स्थानीय प्रशासन, पुलिस एवं संबंधित विभागों द्वारा भी लगातार आवश्यक कार्रवाई की जा रही है तथा घटनास्थल की स्थिति पर निरंतर निगरानी रखी जा रही है। जिलाधिकारी ने प्रभावित ग्रामीणों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने उपजिलाधिकारी ज्योतिर्मठ को प्रभावित क्षेत्र में खेतों, फसलों एवं पंचायत भवन सहित अन्य परिसंपत्तियों को हुए नुकसान का तत्काल सर्वेक्षण कराने तथा नियमानुसार प्रभावित लोगों को अधिकतम संभव सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने जिला खनन अधिकारी को आवश्यकतानुसार तमक नाले एवं नदी क्षेत्र में रिवर ड्रेजिंग कराने के निर्देश भी दिए, ताकि जलप्रवाह के मार्ग को व्यवस्थित किया जा सके और भविष्य में जलभराव एवं तेज बहाव से उत्पन्न जोखिम को कम किया जा सके। इस मौके पर पुलिस अधीक्षक सुरजीत सिंह पंवार, उपजिलाधिकारी चंद्रशेखर वशिष्ठ, कर्नल शांतनु, लेफ्टिनेंट कर्नल विवेक, मेजर विकास, जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी नंद किशोर जोशी, बीआरओ, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ के अधिकारी-कर्मचारी सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं स्थानीय ग्रामीण मौजूद रहे।

पेंटिंग प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने दिखाई प्रतिभा

जयन्त प्रतिनिधि। थलीसैंण : बुधवार को राजकीय महाविद्यालय थलीसैंण में हर घर तिरंगा अभियान के तहत पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। पेंटिंग प्रतियोगिता में छात्रों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

इस मौके पर प्राचार्य प्रो. योगेंद्र चंद्र सिंह ने कहा कि हमारा राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा भारत की आन, बान और शान का प्रतीक है। इसके तीन रंग हमारे जीवन में साहस, शांति और समृद्धि का संदेश देते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसी प्रतियोगिताएं बच्चों की रचनात्मक सोच को विकसित करने के साथ उनमें आत्मविश्वास व प्रतिस्पर्धात्मक भावना प्रोत्साहित करती हैं। पेंटिंग प्रतियोगिता में वैशाली, अरविंद नेगी व प्रीति ने क्रमश: प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त किया। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना प्रभारी डॉ. बचन सिंह, सह प्रभारी डॉ. प्रमिल्ला चौहान आदि मौजूद थे।

छात्रों और शोधार्थियों को ई-मेल आईडी की सुविधा मिलेगी

श्रीनगर गढ़वाल : एचएनबी गढ़वाल केंद्रीय विवि बिड़ला, पौड़ी और टिहरी कैंपस में अध्ययनरत छात्रों और शोधार्थियों के लिए विश्वविद्यालय के डोमेन पर ई-मेल आईडी उपलब्ध कराई गई है। विवि डीन छात्र कल्याण प्रो. ओपी गुसाईं ने बताया कि तीनों परिसरों में अध्ययनरत वर्ष 2022, 2023, 2024 और 2025 बैच के छात्रों तथा 2021 से 2024 बैच के शोधार्थियों को यह सुविधा दी गई है। प्रत्येक ई-मेल आईडी में 500 एमबी स्टोरेज की सुविधा होगी। ई-मेल आईडी छात्र के नाम और विश्वविद्यालय रोल नंबर के निर्धारित प्रारूप में बनाई गई है। छात्र जीमेल से अपने खाते में लॉगिन कर सकेंगे। पहली बार लॉगिन के लिए विवि नामांकन संख्या को कैपिटल अक्षरों में पासवर्ड के रूप में इस्तेमाल करना होगा। विवि ने छात्रों को पहली बार लॉगिन के बाद पासवर्ड बदलने और अपनी लॉगिन जानकारी किसी के साथ साझा नहीं करने के निर्देश दिए हैं। ई-मेल खाते के डेटा और स्टोरेज की जिम्मेदारी संबंधित छात्र की होगी। विवि ने स्पष्ट किया है कि किसी शैक्षणिक वर्ष में पढ़ाई पूरी करने वाले छात्रों की ई-मेल आईडी उसी वर्ष 31 अक्तूबर को बंद कर डिलीट कर दी जाएगी। इसके लिए अलग से कोई सूचना नहीं दी जाएगी। (एजेंसी)

संक्षिप्त समाचार

जलभराव का स्थायी समाधान नहीं होने पर फूटा गुस्सा

उत्तरकाशी। जोशियाड़ा वार्ड संख्या आठ और नौ में लंबे समय से जलभराव की समस्या के स्थायी समाधान की मांग को लेकर बुधवार को उत्तराखंड क्रांति दल और स्थानीय लोगों ने कलेक्ट्रेट परिसर में प्रदर्शन किया। इस दौरान उन्होंने प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। साथ ही चेतावनी दी कि एक सप्ताह में समस्या के समाधान के लिए ठोस कार्रवाई नहीं हुई तो गंगोत्री हाईवे पर चक्का जाम किया जाएगा।बुधवार को विश्वनाथ चौक पर यूकेडी की केंद्रीय महामंत्री किरन रावत के नेतृत्व में बड़ी संख्या में जोशियाड़ा के लोग एकत्र हुए। जुलूस की शक्ल में सभी सभी कलेक्ट्रेट पहुंचे। कहा कि कि पिछले करीब 10 वर्षों से बरसात के दौरान वार्ड में जलभराव की समस्या बनी है। हर साल अधिकारी मौके का निरीक्षण कर समाधान का आश्वासन देते हैं लेकिन स्थायी व्यवस्था अब तक नहीं हो पाई।उन्होंने कहा कि करीब डेढ़ मीटर चौड़ी नहर बनाए जाने से समस्या का स्थायी समाधान संभव है। साथ ही उन्होंने आरोप लगाया कि नगर पालिका और सिंचाई विभाग के बीच जिम्मेदारी तय न होने के कारण समस्या जस की तस बनी है। जल्द काम शुरू नहीं हुआ तो एक सप्ताह बाद प्रभावित महिलाओं को साथ लेकर आंदोलन किया जाएगा। इस मौके पर बबीता देवी, हिमानी देवी, सुचिता देवी, सविता देवी, जगत रमोला, जगमोहन पश्चिमी, सुरजीत राणा, जयवीर नेगी, पंकज उनियाल, सतवीर रमोला और अनिल थपलियाल आदि मौजूद रहे।

डामटा में बिजली चोरी के मामले में नौ के खिलाफ प्राथमिकी

नौगांव (उत्तरकाशी)। ऊर्जा निगम की टीम ने छापे मारकर मीटर में छेड़छाड़ और कटिया डालकर बिजली चोरी करते हुए नौ लोगों को पकड़ा और उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई।सहायक अभियंता अजय सेमवाल के नेतृत्व में चलाए गए अभियान के दौरान टीम ने बिजली चोरी के अलग–अलग तरीकों का खुलासा किया। जांच के दौरान कहीं मीटर में छेड़छाड़ कर बिजली की खपत को कम दिखाने का प्रयास मिला तो कहीं कटिया डालकर सीधे विद्युत लाइन से अवैध कनेक्शन लिया गया था। टीम ने चोरी में इस्तेमाल की जा रही केबलों को मौके से बरामद कर सीज कर दिया और आरोपियों के खिलाफ चालानी कार्रवाई की।सहायक अभियंता अजय सेमवाल ने बताया कि बिजली चोरी करते पकड़े गए सभी नौ लोगों के खिलाफ विद्युत अधिनियम के तहत ऑनलाइन प्राथमिकी दर्ज की गई। छापेमारी टीम में अवर अभियंता गौरव नाथ के साथ लाइनमैन और मीटर रीडर भी शामिल रहे।

सहकारी समिति के विलय के विरोध में उतरे 12 गांव के ग्रामीण

पुरोला। डोभाल गांव बहुउद्देशीय सहकारिता समिति का नैटवाड़ समिति में विलय किए जाने के विरोध में गडूगाड पट्टी के 12 गांवों के ग्रामीण मुखर हो गए हैं। मोरी में आयोजित जनता मिलन कार्यक्रम में जाते समय खरसाड़ी बाजार में ग्रामीणों ने जिलाधिकारी प्रशांत आर्य को रोककर नाराजगी जताई और समिति का विलय तत्काल निरस्त करने की मांग की। डोभाल, रमाल, देवजानी, खेड़मी समेत विभिन्न गांवों से पहुंचे ग्रामीणों ने जिलाधिकारी को बताया कि डोभाल गांव बहुउद्देशीय सहकारिता समिति गडूगाड़ पट्टी के 12 गांवों की सबसे बड़ी सहकारी समिति है। ऐसे में इसका नैटवाड़ समिति में विलय किए जाने से क्षेत्र के ग्रामीणों और समिति के शेयरधारकों के हित प्रभावित हो रहे हैं। ग्रामीणों ने कहा कि स्थानीय जरूरतों और क्षेत्र की भौगोलिक परिस्थितियों को देखते हुए समिति का स्वतंत्र अस्तित्व बनाए रखना जरूरी है। ग्रामीणों ने जिलाधिकारी से मामले में हस्तक्षेप करते हुए डोभाल गांव बहुउद्देशीय सहकारिता समिति का नैटवाड़ समिति में किया गया विलय निरस्त कराने की मांग की। इस दौरान जयराम चौहान, विक्रम सिंह, महावीर सिंह, लक्ष्मण पंवार, विपिन सिंह, प्रधान महेंद्री पंवार, राजेंद्र सिंह, प्रकाश कुमार, गोपाल सिंह चौहान मौजूद रहे।

चारा चुगान और सेब बॉक्स की गुणवत्ता पर उठाए सवाल

पुरोला। मोरी में आयोजित बहुउद्देशीय जनसुनवाई शिविर में क्षेत्र के बागवानों और पशुपालकों ने प्रमुख समस्याएं प्रशासन के सामने रखीं। बागवानों ने सेब पैकिंग के लिए उपलब्ध कराए जा रहे बॉक्स की खराब गुणवत्ता, बागों में असमय पतझड़ और आवश्यक दवाओं की समय पर आपूर्ति नहीं होने का मुद्दा उठाया। पशुओं के चारा चुगान के लिए कंपार्टमेंट आवंटित करने की मांग रखी।

मोरी में बुधवार को जिलाधिकारी प्रशांत आर्य की अध्यक्षता व विधायक दुर्गेश्वर लाल की मौजूदगी में आयोजित बहुउद्देशीय जनसुनवाई शिविर में विभिन्न विभागों से जुड़ी 204 शिकायतें दर्ज की गईं। इनमें से अधिकांश शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया जबकि शेष मामलों के जल्द समाधान के लिए संबंधित विभागीय अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए।

बाडिया में बड़े वाहनों की आवाजाही दूसरे दिन भी ठप रही

बड़कोट। यमुनोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग पर बाडिया गांव के नीचे बड़े वाहनों की आवाजाही बुधवार को दूसरे दिन भी सुचारु नहीं हो पाई। हाईवे के ऊपरी हिस्से में भू–धंसाव और नीचे यमुना नदी के कटाव के कारण सड़क का हिस्सा संवेदनशील बना हुआ है जिससे बड़े वाहनों की आवाजाही नहीं हो पा रही है। हालांकि, छोटे वाहनों को मार्ग से आवाजाही के लिए खोला गया है।

बाडिया गांव के नीचे हाईवे के ऊपर से लगातार भू–धंसाव होने के साथ ही सड़क के नीचे यमुना नदी के कटाव से स्थिति लगातार चुनौतीपूर्ण बन रही है। इससे हाईवे पर बड़े वाहनों की आवाजाही प्रभावित हो रही है। बड़े वाहनों की आवाजाही सुचारू न होने से यात्रियों और स्थानीय लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। मार्ग को बड़े वाहनों के लिए सुरक्षित बनाने के लिए मौके पर कार्य चल रहा है। हाईवे के किनारे जाले डालकर दीवार तैयार की जा रही है। संबंधित विभाग एवं निर्माण कार्य एजेंसी की टीम मार्ग को जल्द से जल्द बड़े वाहनों के लिए खोलने के प्रयास में जुटी है। राजमार्ग निर्माण खंड के अधिशासी अभियंता मनोज रावत ने बताया कि देर शाम तक हाईवे पर बड़े वाहनों की आवाजाही सुचारू कराने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं।

छात्रों ने निकाली तिरंगा यात्रा, देश भक्ति के नारों से गूंजा लैंसडौन

जयन्त प्रतिनिधि। लैंसडौन : पर्यटन नगरी लैंसडौन में हर घर तिरंगा अभियान के तहत बुधवार को केंट स्कूल के छात्र-छात्रों ने उत्साहपूर्वक तिरंगा यात्रा निकाली। देशभक्ति के नारों के साथ, यह यात्रा राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान और एकता का संदेश लेकर गुजरी। हर घर तिरंगा अभियान का उद्देश्य प्रत्येक नागरिक में राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान और देशभक्ति की भावना को मजबूत करना है।

हाथों में राष्ट्रीय ध्वज लेकर विद्यार्थियों ने देशभक्ति के नारे लगाए और लोगों से अपने-अपने घरों पर तिरंगा फहराने की अपील की। यात्रा के माध्यम से राष्ट्रीय एकता और देश के प्रति नागरिक जिम्मेदारी का संदेश दिया गया। इस दौरान स्थानीय लोगों की भीड़ भी रैली देखने के लिए उमड़ी, जिन्होंने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया और इस आयोजन की सराहना की।

विद्यालय के प्रधानाचार्य ने कहा कि ह्यहर घर तिरंगाह्न अभियान केवल तिरंगा फहराने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह राष्ट्र के प्रति सम्मान, एकता और गौरव की भावना को मजबूत करने का अभियान है। उन्होंने क्षेत्रवासियों से 17 अगस्त तक चलने वाले इस अभियान में अधिक से अधिक भागीदारी निभाते हुए अपने घरों, प्रतिष्ठानों एवं कार्यालयों पर पूरे सम्मान के साथ तिरंगा फहराने की अपील की। स्कूल प्रशासन ने बताया कि इस प्रकार के आयोजन विद्यार्थियों में देशभक्ति, राष्ट्रीय एकता एवं राष्ट्र ध्वज के प्रति सम्मान की भावना विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

सौली के भू–धंसाव प्रभावितों को सुरक्षित स्थानों पर करें शिफ्ट

नौगांव (उत्तरकाशी)। सौली कस्बे में लगातार बढ़ रहे भू–धंसाव के बीच प्रशासन ने प्रभावित परिवारों की सुरक्षा को लेकर कार्रवाई तेज कर दी है। देर शाम जिलाधिकारी प्रशांत आर्य ने मौके पर पहुंचकर प्रभावित क्षेत्र का स्थलीय निरीक्षण किया और खतरे की जद में आए परिवारों को सुरक्षित स्थानों पर अस्थायी रूप से शिफ्ट करने की व्यवस्था तत्काल करने के निर्देश दिए।

प्रभावित परिवारों के बीच पहुंचे जिलाधिकारी ने स्थिति का जायजा लेने के साथ उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने तहसील प्रशासन को जनसुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए प्रभावित परिवारों के लिए तत्काल कार्ययोजना तैयार कर कार्रवाई करने को कहा। प्रशासन के निर्देश के तहत खतरे की जद में आए परिवारों को आवश्यकता के अनुसार सरकारी भवनों व किराये के सुरक्षित मकानों में अस्थायी रूप से ठहराया जाएगा। जिलाधिकारी ने साफ किया कि प्रभावित परिवारों को सुरक्षित स्थान पर रखने के दौरान उनकी मूलभूत जरूरतों की भी समुचित व्यवस्था की जाए। इसके लिए खाद्य आपूर्ति विभाग को आवश्यक खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने, सामुदायिक रसोई संचालित करने व प्रत्येक प्रभावित परिवार को सूखा राशन किट उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं।

हर घर तिरंगा कार्यक्रम के अंतर्गत रंगोली प्रतियोगिता आयोजित

कोटद्वार। राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कोटद्वार में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर हर घर तिरंगा कार्यक्रम के अंतर्गत महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. डी. एस. नेगी जी के संरक्षण में दिनांक 12 अगस्त 2026 को रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों में देशभक्ति, राष्ट्रीय एकता एवं सांस्कृतिक चेतना की भावना को सुदृढ़ करना रहा। कार्यक्रम के नोडल अधिकारी डॉ. विनोद सिंह तथा प्रतियोगिता समन्वयक डॉ. सन्दीप कुमार रहे। प्रतियोगिता के आयोजन में डॉ. मंजू यादव एवं डॉ. शशि बाला उनियाल ने सदस्य के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने देशभक्ति, राष्ट्रीय ध्वज एवं भारतीय संस्कृति की थीम पर आकर्षक एवं रचनात्मक रंगोलियां बनाईं। प्रतिभागियों की कला, रचनात्मकता, विषयवस्तु एवं प्रस्तुतीकरण के आधार पर विजेताओं का चयन किया गया। प्रतियोगिता में ग्रुप–03 की छात्रा आइशा एवं गरिमा (बी.ए. प्रथम सेमेस्टर) ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। ग्रुप–01 की छात्रा आलिया एवं इलमा ने द्वितीय स्थान, जबकि ग्रुप–02 की छात्रा सोनम एवं उर्वशी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. डी. एस. नेगी ने विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि स्वतंत्रता दिवस केवल उत्सव मनाने का अवसर नहीं, बल्कि देश की स्वतंत्रता के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग और बलिदान को स्मरण करने का दिन है। ह्यहर घर तिरंगा जैसे कार्यक्रम विद्यार्थियों में राष्ट्रप्रेम, राष्ट्रीय एकता और जिम्मेदार नागरिक होने की भावना को मजबूत करते हैं। डॉ. विनोद सिंह जी नें कहा कि रंगोली जैसी रचनात्मक गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थी अपनी प्रतिभा के साथ–साथ भारतीय संस्कृति और राष्ट्रीय प्रतीकों के प्रति सम्मान भी व्यक्त करते हैं। हमें अपने राष्ट्रीय ध्वज की गरिमा बनाए रखते हुए देश की प्रगति में सक्रिय योगदान देने का संकल्प लेना चाहिए। प्रतियोगिता के सफल आयोजन पर प्राचार्य ने सभी प्रतिभागी विद्यार्थियों, आयोजन समिति के सदस्यों एवं संबंधित शिक्षकों को शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम ने महाविद्यालय परिसर में देशभक्ति, उत्साह एवं राष्ट्रीय एकता की भावना को और अधिक सुदृढ़ किया।

मेडिकल कॉलेज निर्माण के लिए लोगों से मांगा समर्थन

नई टिहरी। टिहरी में प्रस्तावित मेडिकल कॉलेज निर्माण करने की मांग को लेकर श्रीदेव सुमन पार्क में 11वें दिन जन जागरण सत्याग्रह धरना जारी रहा। वहीं मेडिकल कॉलेज निर्माण संघर्ष समिति से जुड़े लोगों ने क्षेत्र भ्रमण कर लोगों समर्थन की अपील की। इधर, प्रतापनगर विधायक विक्रम सिंह नेगी के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने धरना स्थल पर पहुंचकर आंदोलन को समर्थन दिया।

जिला मुख्यालय तथा आसपास के क्षेत्र में मेडिकल कॉलेज निर्माण करने की मांग को लेकर जन जागरण सत्याग्रह पर बैठे पूर्व जिला पंचायत सदस्य जीतराम भट्ट ने कहा कि वह गत 11 दिनों से सत्याग्रह पर हैं। नगर और क्षेत्र के लोगों समर्थन देने के लिए धरना स्थल पहुंच रहे हैं। लेकिन शासन प्रशासन ने मेडिकल कॉलेज निर्माण पर चुपी साधे हुए है जिससे लोगों में रोष पनप रहा है। कहा कि प्रदेश के दो मुख्यमंत्रियों ने पूर्व में टिहरी में मेडिकल कॉलेज बनने की बात कही है।

दूसरी ओर मेडिकल कॉलेज निर्माण संघर्ष समिति के सह संयोजक भगवान सिंह रावत ने बताया कि समिति से जुड़े लोगों ने विधानसभा क्षेत्र के गांवों से समर्थन मांगा। इस मौके पर रमेश रतूड़ी, अंकुश कोहली, अमित रतूड़ी, पर्वत कुमाईं, मनोहर लाल कुडियाल, नरोत्तम दत्त जखमोला, विक्रम सिंह तोपवाल, भगवान चंद्र रमोला, महिपाल सिंह नेगी, बौराड़ी व्यापार मंडल अध्यक्ष शिवराज सजवाण, टीकम सिंह चौहान आदि मौजूद थे।

तमक नाला बना सिरदर्द, एक दशक में तीन बार बह चुका पुल

चमोली। चीन सीमा को जोड़ने वाले महत्वपूर्ण ज्योतिर्मठ–मलारी हाईवे पर तमक नाला प्रशासन और बीआरओ (सीमा सड़क संगठन) के लिए कई वर्षों से सिरदर्द बना हुआ है। इस गदेरे पर आवाजाही के लिए जो भी व्यवस्था की जाती है वह हर साल पानी में बह जाती है।

पिछले दस साल में पुल तीन बार बह चुका है जबकि कई बार अस्थायी व्यवस्था भी बह चुकी है। वर्ष 2016 में यह नाला उफान पर आया था। उस वक्त यहां बीआरओ की ओर से बनाया गया पक्का पुल क्षतिग्रस्त होकर तिरछा हो गया था। इसके बाद बीआरओ ने ह्यूम पाइप डालकर अस्थायी व्यवस्था की तो कभी अस्थायी पुल बनाया जाता लेकिन हर बार आवाजाही के लिए की गई व्यवस्था एक झटके में बहती गई। बीआरओ ने फिर यहां पर पक्का पुल बनाया लेकिन पिछले साल रात को नाला उफान पर आया और इस पुल का नामोनिशान खत्म हो गया। पिछले महीने यहां पर बैली

ब्रिज बनकर तैयार हुआ था जो सोमवार को तिनके की तरह बह गया। 2016 से पूर्व भी यहां पर कई बार पुल व अस्थायी व्यवस्था की जाती रही लेकिन हर बार यह नाला उसे तोड़ता रहा है।

लोगों ने वर्ष 2016 में छोड़ दिए थे घर

तमक नाले के आसपास लोगों ने आवासीय घर बना दिए थे लेकिन वर्ष 2016 में जब नाला उफान पर आया तो लोगों के घरों को भी भारी नुकसान पहुंचा था। उसके बाद लोगों ने इन घरों को छोड़ दिया। अब यह घर मलबे में दफन हो चुके हैं।

सिलिंडर में लगी आग को बुझाते समय व्यक्ति झुलसा

बड़कोट। नगर पालिका के सरूखेत में बुधवार सुबह एक मकान में सिलिंडर में अचानक आग लग गई। घटना के समय मकान में मौजूद दो छोटे बच्चों को समय रहते सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। वहीं, सिलिंडर में लगी आग बुझाने के प्रयास में एक व्यक्ति के दोनों हाथ झुलस गए। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची अग्निशमन विभाग की टीम ने आग पर काबू पाया और घायल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। सरूखेत में रमेश जगूड़ी के मकान में कोठार गांव निवासी जगदीश लाल किराये पर रहते हैं। बुधवार सुबह अचानक सिलिंडर में आग लग गई। उस समय मकान के भीतर दो छोटे बच्चे भी मौजूद थे। लोगों की तत्परता से दोनों बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया जिससे बड़ा हादसा टल गया। जगदीश लाल ने सिलिंडर में लगी आग को बुझाने का प्रयास किया लेकिन इस दौरान उनके हाथ झुलस गए। घटना की सूचना तत्काल अग्निशमन विभाग को दी गई। सूचना मिलते ही फायर टीम मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद सिलिंडर में लगी आग पर काबू पाया। इसके बाद फायर कर्मियों ने झुलसे जगदीश लाल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया जहां उनका उपचार किया जा रहा है। अग्निशमन अधिकारी सूरत सिंह चौहान ने बताया कि सिलिंडर में आग लगने की सूचना मिलते ही टीम मौके पर पहुंची। आग को समय रहते बुझा लिया गया।

बंदरों के आतंक से श्रद्धालु परेशान

श्रीनगर गढ़वाल : कलियासौड़ स्थित मां धारी देवी मंदिर परिसर में बंदरों का उत्पात लगातार बढ़ता जा रहा है। बंदरों के झुंड श्रद्धालुओं पर हमला करने के साथ ही उनका सामान भी उठाकर ले जा रहे हैं। इससे मंदिर आने वाले श्रद्धालुओं के साथ ही मंदिर प्रबंधन भी परेशान है। पुजारी लक्ष्मी प्रसाद पांडे ने बताया कि पिछले कई दिनों से शाम के समय बंदरों का झुंड मंदिर परिसर में पहुंच रहा है। आए दिन बंदरों के हमले में श्रद्धालु चोटिल हो रहे हैं। दो दिन पहले बंदर एक श्रद्धालु का मोबाइल भी उठा ले गए। पुजारी लक्ष्मी प्रसाद पांडे ने कहा कि बंदरों की समस्या को लेकर वन विभाग और नगर निगम को कई बार अवगत कराया जा चुका है लेकिन अभी तक कोई स्थायी समाधान नहीं निकल पाया है। (एजेंसी)

जयन्त

संस्थापक : नरेन्द्र उनियाल

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित।

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र कोटद्वार, (गढ़वाल) उत्तराखण्ड होगा।

CONT. 9412081969
PRGI NO. 35469/79

भारत सितंबर में अफगानिस्तान से खेलेगा तीन मैचों की टी20 सीरीज; बांग्लादेश को क्यों लगा झटका !

मुंबई। भारतीय क्रिकेट टीम सितंबर में अफगानिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज खेलेगी। बीसीसीआई और अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने बुधवार को संयुक्त बयान जारी कर सीरीज की घोषणा की। सीरीज के तीनों मुकाबले दिल्ली के अरुण जेटली क्रिकेट स्टेडियम में खेले जाएंगे। पहला टी20 13 सितंबर, दूसरा 15 सितंबर और तीसरा मुकाबला 17 सितंबर को होगा। यानी भारत और अफगानिस्तान के बीच पूरी टी20 सीरीज पांच दिनों के भीतर पूरी हो जाएगी। इस एलान के साथ ही बांग्लादेश की भारत के खिलाफ सितंबर में प्रस्तावित लंबे समय से लंबित सफेद गेंद की सीरीज की उम्मीदों को बड़ा झटका लगा है। भारत और बांग्लादेश के बीच द्विपक्षीय सीरीज पिछले साल टल गई थी। बांग्लादेश में राजनीतिक अशांति के कारण दोनों टीमों के बीच प्रस्तावित सीरीज को स्थगित करना पड़ा था। इसके बाद बांग्लादेश ने सितंबर में भारत के खिलाफ सीरीज की मेजबानी का प्रस्ताव रखा था। हालांकि, अब सितंबर के लिए भारत का कार्यक्रम अफगानिस्तान के खिलाफ तय हो गया है। ऐसे में बांग्लादेश की उस सीरीज को लेकर उम्मीदें लगभग खत्म होती नजर आ रही हैं।

भारत और अफगानिस्तान के बीच होने वाली तीन मैचों की टी20 सीरीज के सभी मुकाबले एक ही मैदान पर खेले जाएंगे। अरुण जेटली क्रिकेट स्टेडियम को तीनों मैचों की मेजबानी मिली है।

बीसीसीआई अध्यक्ष मिथुन मन्हास ने कहा कि बोर्ड अफगानिस्तान में क्रिकेट के विकास को समर्थन देने और उसके खिलाड़ियों को उच्च स्तर पर खेलने के मौके देने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि द्विपक्षीय क्रिकेट टीमों को नियमित रूप से मजबूत विरोधी टीमों के खिलाफ खेलने और अनुभव हासिल करने का अवसर देता है। बीसीसीआई के मानद सचिव देवजीत सैकिया ने भी भारत-अफगानिस्तान क्रिकेट संबंधों को लेकर बात की। उन्होंने कहा कि दोनों टीमों के बीच पिछले कुछ वर्षों में नियमित द्विपक्षीय मुकाबले हुए हैं। सैकिया ने याद दिलाया कि भारत ने 2018 में अफगानिस्तान के ऐतिहासिक पहले टेस्ट की मेजबानी की थी। इसके बाद दोनों टीमों के बीच अलग-अलग फॉर्मेट में लगातार मुकाबले होते रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

आईसीसी टेस्ट रैंकिंग: बाबर आजम की टॉप-10 में एंट्री

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) द्वारा बुधवार को जारी टेस्ट बल्लेबाजों की रैंकिंग में पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम ने टॉप-10 में धमाकेदार एंट्री की है। बाबर को वेस्टइंडीज दौरे पर उनकी शानदार बल्लेबाजी का इनाम मिला है। वेस्टइंडीज दौरे पर 2 टेस्ट मैचों की 4 पारियों में 2 अर्धशतक की मदद से 193 रन बनाने वाले बाबर पांच स्थान की छलांग लगाते हुए आईसीसी की टेस्ट बल्लेबाजों की रैंकिंग में दसवें स्थान पर पहुंच गए हैं। शीर्ष 10 में बाबर एकमात्र पाकिस्तानी बल्लेबाज हैं। टेस्ट बल्लेबाजों की रैंकिंग में पहले स्थान पर ऑस्ट्रेलिया के ट्रेविस हेड, दूसरे स्थान पर इंग्लैंड के हैरी ब्रूक, तीसरे स्थान पर इंग्लैंड के जो रूट, चौथे स्थान पर ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ, पांचवें स्थान पर दक्षिण अफ्रीका के टेंबा बावुमा, छठे स्थान पर श्रीलंका के कामिंडु मेंडिस, सातवें स्थान पर भारत के शुभमन गिल, आठवें स्थान पर न्यूजीलैंड के रचिन रवींद्र, और नौवें स्थान पर भारत के यशस्वी जायसवाल हैं। श्रीलंका के दिनेश चांदीमल एक स्थान नीचे खिसकते हुए टॉप-10 से बाहर हो गए हैं। वह 11वें वें स्थान पर हैं। टेस्ट गेंदबाजों की रैंकिंग में बहुत ज्यादा बदलाव नहीं हुआ है। शीर्ष 10 में भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह पहले, न्यूजीलैंड के मैट हेनरी दूसरे, ऑस्ट्रेलिया के मिचेल स्टार्क तीसरे, ऑस्ट्रेलिया के पैट कमिंस चौथे, दक्षिण अफ्रीका के मार्को जानसेन पांचवें, ऑस्ट्रेलिया के स्कॉट बोलैंड छठे, और दक्षिण अफ्रीका के कगिसो रबाडा सातवें स्थान पर हैं। रबाडा को एक स्थान का फायदा हुआ है। पाकिस्तान के नोमान अली एक स्थान के नुकसान के साथ सातवें स्थान पर हैं। ऑस्ट्रेलिया के जोश हेजलवुड नौवें और ऑस्ट्रेलिया के नाथन लियोन दसवें स्थान पर हैं।

टी20 सीरीज गंवाने के बावजूद पाकिस्तानी महिला खिलाड़ियों की रैंकिंग में सुधार

दुबई। आईसीसी ने ताजा महिला टी20 प्लेयर रैंकिंग जारी की है। भले ही पाकिस्तान ने हाल ही में श्रीलंका के खिलाफ टी20 सीरीज 1-2 से गंवाई, लेकिन इसके बावजूद नाशरा संधू, शवाल जुल्फिकार और तुबा हसन की रैंकिंग में शानदार सुधार हुआ है। नाशरा संधू ने श्रीलंका के विरुद्ध तीसरे टी20 मैच में 17 रन देकर 1 विकेट हासिल किया था। संधू गेंदबाजों की रैंकिंग में एक स्थान ऊपर चढ़कर आठवें पायदान पर पहुंच गई हैं। बाएं हाथ की स्पिनर ने इस सीरीज में 3 विकेट लिए और 6.72 का शानदार इकॉनमी रेट बनाए रखा। दूसरी तरफ, तुबा हसन गेंदबाजी रैंकिंग में तीन स्थान की बढ़त के साथ 48वें नंबर पर पहुंच गई हैं। श्रीलंकाई टीम से, कप्तान चामरी अट्टापट्टू अपनी टीम की ऐतिहासिक सीरीज जीत में योगदान देने के बाद 5 स्थान ऊपर चढ़कर 36वें नंबर पर पहुंच गईं। श्रीलंका की महिला क्रिकेट टीम ने साल 2014 के बाद पहली बार पाकिस्तान के खिलाफ द्विपक्षीय टी20 सीरीज अपने नाम की है, जिसमें इमेशा दुलानी की बड़ी भूमिका रही, जिन्होंने शानदार प्रदर्शन करते हुए 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' अवॉर्ड जीता। दाएं हाथ की बल्लेबाज ने 61.50 की औसत से 123 रन बनाए और टी20 बल्लेबाजों की रैंकिंग में एक स्थान ऊपर चढ़कर 22वें नंबर पर पहुंच गईं। दुलानी ने 31 जुलाई को शुरुआती मैच में शानदार शुरुआत की और मेजबान टीम को छह विकेट और छह गेंदें शेष रहते हुए 177 रन का लक्ष्य हासिल करने में मदद की।

आखिरकार जॉर्जिना के हुए क्रिस्टियानो रोनाल्डो

10 साल डेट करने के बाद गुपचुप की शादी

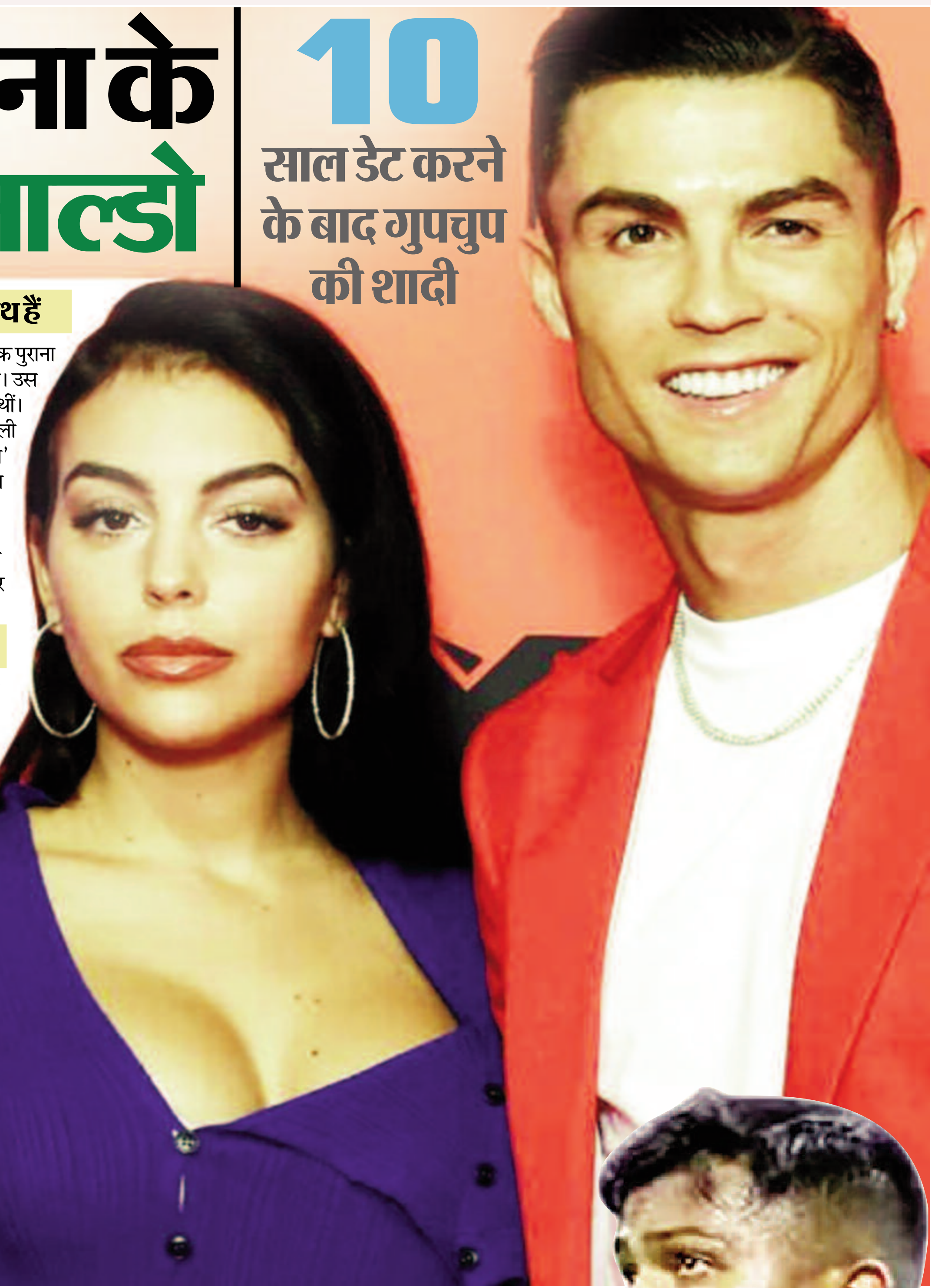

लिस्बन (एजेंसी)। फुटबॉल की दुनिया के सबसे बड़े सितारों में से एक क्रिस्टियानो रोनाल्डो अब आधिकारिक तौर पर शादीशुदा हो गए हैं। 41 वर्षीय पुर्तगाली सुपरस्टार ने अपनी लंबे समय से पार्टनर रहीं जॉर्जिना रोड्रिगेज को अपना जीवनसाथी बना लिया है। दोनों ने मंगलवार, 11 अगस्त को पुर्तगाल के कास्काइस में एक बेहद निजी सिविल सेरेमनी में शादी की। खास बात यह रही कि इस मौके पर उनके पांच बच्चे भी मौजूद थे।

तीन अक्षरों में दी शादी की खबर

शादी को पूरी तरह निजी रखने वाले रोनाल्डो ने किसी बड़े एलान या भव्य तस्वीरों के बजाय सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए फैंस को खुशखबरी दी। उन्होंने अपनी और जॉर्जिना की हाथों की तस्वीर शेयर की, जिसमें दोनों की उंगलियों में मैचिंग गोल्ड वेडिंग रिंग नजर आ रहे थे। इस तस्वीर के साथ रोनाल्डो ने सिर्फ 'ष्त्त' लिखा। और साथ ही दिल भी बनाया। स्पैनिश स्पोर्ट्स डेली मार्का और सऊदी अरब के अखबार गल्फ न्यूज ने भी शादी की पुष्टि की। बताया गया कि यह समारोह बेहद निजी और अंतरंग था तथा इसमें कपल के पांच बच्चे शामिल हुए।

10 साल से ज्यादा समय से साथ हैं

रोनाल्डो और जॉर्जिना का रिश्ता करीब एक दशक पुराना है। दोनों की मुलाकात 2016 में मैड्रिड में हुई थी। उस समय जॉर्जिना एक गुच्ची स्टोर में काम करती थीं। उन्होंने बाद में बताया था कि रोनाल्डो से पहली मुलाकात के दौरान उनके पेट में 'तितलियां उड़ने' जैसा एहसास हुआ था।इसके बाद दोनों का रिश्ता धीरे-धीरे सार्वजनिक हुआ और दोनों ने एक साथ परिवार बसाया। रोनाल्डो के फुटबॉल करियर के स्पेन, इटली, इंग्लैंड और सऊदी अरब तक पहुंचने के दौरान जॉर्जिना लगातार उनके साथ रहीं।

2025 में हुई थी सगाई

शादी से करीब एक साल पहले जॉर्जिना ने अगस्त 2025 में सोशल मीडिया पर अपनी सगाई की जानकारी दी थी। उन्होंने रोनाल्डो के साथ हाथ की तस्वीर शेयर की थी, जिसमें उनकी बड़ी डायमंड रिंग नजर आई थी। उस पोस्ट में उन्होंने लिखा था, यस आई डू इन दिस एंड इन ऑल माई लाइव्स।

गुजरात में लौटना चाहते थे हार्दिक... पर जीटी ने बंद किए वापसी के सभी रास्ते !

पांड्या ने ऐसी क्या रख दी थी मांग?

कई टीमों ने हार्दिक में दिखाई दिलचस्पी

मुंबई। हार्दिक पांड्या का मुंबई इंडियंस के साथ भविष्य एक बार फिर सवालों के घेरे में है। इसी बीच खबर है कि भारतीय ऑलराउंडर ने अपनी पुरानी फ्रेंचाइजी गुजरात टाइटंस में लौटने की कोशिश की थी। गुजरात भी उनकी वापसी के विचार के खिलाफ नहीं था, लेकिन कप्तानी को लेकर रखी गई पांड्या की मांग ने पूरी बातचीत को खत्म कर दिया।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, हार्दिक पांड्या ने अपनी पूर्व फ्रेंचाइजी गुजरात टाइटंस के साथ वापसी को लेकर बातचीत की थी। पांड्या और गुजरात, दोनों ही इस संभावना के लिए तैयार थे। इसके पीछे एक बड़ी वजह यह भी थी कि पांड्या ने गुजरात टाइटंस को 2022 में उसके पहले ही सीजन में आईपीएल चैंपियन बनाया था। हालांकि, वापसी के लिए पांड्या की एक अहम शर्त थी। वह चाहते थे कि गुजरात टाइटंस में लौटने के साथ उन्हें दोबारा टीम की कप्तानी भी सौंपी जाए।

कप्तानी की मांग बनी डील ब्रेकर

रिपोर्ट के मुताबिक, हार्दिक की कप्तानी की मांग पर गुजरात टाइटंस ने आगे बढ़ने से इनकार कर दिया। फ्रेंचाइजी ने मौजूदा कप्तान शुभमन गिल से भी इस संभावित बदलाव को लेकर बात की थी। गिल इस बात के लिए तैयार बताए गए कि फ्रेंचाइजी हार्दिक को वापस ट्रेड कर सकती है। लेकिन जब पांड्या की ओर से कप्तानी को वापसी की शर्त के तौर पर रखा गया, तो गुजरात टाइटंस ने इस प्रस्ताव को स्वीकार नहीं किया। 'फ्रेंचाइजी उनके लौटने के पक्ष में थी। उन्होंने अपने कप्तान शुभमन गिल से भी इस बारे में बात की थी और वह भी इसके लिए तैयार थे। लेकिन जब कप्तानी की शर्त सामने आई, तो सभी ने इसे स्वीकार करने से इनकार कर दिया।'

मुंबई इंडियंस में भी भविष्य पर सवाल

हार्दिक की गुजरात में वापसी की कोशिश ऐसे समय में सामने आई है, जब मुंबई इंडियंस में उनके भविष्य को लेकर भी अनिश्चितता बनी हुई है। पांच बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस का 2026 आईपीएल सीजन निराशाजनक रहा। टीम ने 14 में से सिर्फ चार मैच जीते और अंक तालिका में नौवें स्थान पर रही। पांड्या का मुंबई के प्रशंसकों के साथ रिश्ता भी उतार-चढ़ाव भरा रहा है। उन्होंने 2021 सीजन के बाद मुंबई का साथ छोड़ा था और 2024 में टीम में वापसी की। वापसी के बाद उन्हें रोहित शर्मा की जगह कप्तान बनाया गया था। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि मुंबई इंडियंस का टीम मैनेजमेंट पांड्या को कप्तान के तौर पर बनाए रखने को लेकर उत्सुक नहीं था। खराब सीजन के बाद टीम में उनकी भूमिका को लेकर भी विचार किया जा रहा था। इसके अलावा कोलकाता नाइट राइडर्स और चेन्नई सुपर किंग्स समेत कई फ्रेंचाइजी ने हार्दिक पांड्या को लेकर मुंबई इंडियंस से पूछताछ की है।

पांड्या के प्रवक्ता ने क्या कहा

हालांकि, हार्दिक पांड्या के प्रवक्ता ने इन खबरों पर अलग रुख रखा है। उन्होंने कहा कि ऑलराउंडर ने ट्रांसफर या ट्रेड को लेकर किसी भी फ्रेंचाइजी से सीधे बातचीत नहीं की है। प्रवक्ता के मुताबिक, 'हार्दिक पांड्या ने ट्रांसफर, ट्रेड या किसी अन्य तरीके से किसी भी फ्रेंचाइजी से सीधे बातचीत नहीं की। अगर उनसे कोई संपर्क किया गया है, तो वह मुंबई इंडियंस फ्रेंचाइजी के जरिए किया गया है।' इस तरह गुजरात टाइटंस में वापसी की चर्चा के बावजूद कप्तानी की शर्त के कारण यह संभावित डील आगे नहीं बढ़ सकी।

संन्यास के बावजूद श्रीलंका दौरे पर क्यों गए अजिंक्य रहाणे

कोलंबो। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान अजिंक्य रहाणे अब मैदान के अंदर नहीं, बल्कि कमेंट्री बॉक्स से टेस्ट क्रिकेट का अनुभव साझा करते नजर आएंगे। रहाणे भारत के आगामी श्रीलंका दौरे पर टेस्ट कमेंट्री में डेब्यू करने वाले हैं। भारत और श्रीलंका के बीच दो टेस्ट मैचों की सीरीज 15 अगस्त से शुरू होगी और इसी सीरीज के साथ रहाणे कमेंट्री की दुनिया में अपनी नई पारी शुरू करेंगे। वह ऑफिशियल ब्रॉडकास्टर्स के कमेंट्री पैनल का हिस्सा होंगे। रहाणे का यह कदम उनके करीब 18 साल लंबे फर्स्ट क्लास करियर के खत्म होने के कुछ ही समय बाद आया है। अपने करियर के बड़े हिस्से में उन्होंने टेस्ट क्रिकेट के मुश्किल माहौल में भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व किया। अब 37 साल की उम्र में रहाणे पांच दिन तक चलने वाले टेस्ट मैच को एक खिलाड़ी के बजाय कमेंटेटर के नजरिए से देखेंगे। वह मैच के दौरान रणनीतिक फैसलों, महत्वपूर्ण पलों और मुकाबले की दिशा बदलने वाले घटनाक्रम का विश्लेषण करेंगे। रहाणे ने भारत के लिए 85 टेस्ट मैच खेले और इस दौरान 5,077 रन बनाए। उनके नाम 12 शतक और 26 अर्धशतक हैं। अलग-अलग परिस्थितियों में टेस्ट क्रिकेट खेलने और दबाव के बीच प्रदर्शन करने का उनका अनुभव कमेंट्री के दौरान उनके लिए अहम साबित हो सकता है। मैदान पर लंबे समय तक खेलने के बाद अब वह अपने अनुभव के जरिए दर्शकों को टेस्ट क्रिकेट की बारीकियां समझाने की कोशिश करेंगे।

भारत के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए श्रीलंकाई टीम घोषित

कोलंबो। भारत के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज के पहले टेस्ट के लिए श्रीलंकाई टीम का एलान हो गया है। श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड ने मैच के लिए 16 सदस्यीय टीम का एलान किया है। विकेटकीपर-बल्लेबाज निरोसन डिकवेला करीब तीन साल बाद श्रीलंका की टेस्ट टीम में लौटे हैं। 33 वर्षीय डिकवेला ने पिछली बार 2023 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेला था। पहला टेस्ट 15 अगस्त से गॉल में खेला जाएगा। वहीं, दूसरा टेस्ट 23 अगस्त से कोलंबो में खेला जाएगा। श्रीलंका के स्क्वॉड में अनकैप्ड ऑफ स्पिनर केशरा नुवांथा और अनकैप्ड टॉप ऑर्डर बल्लेबाज पसिंदु सूरियाबंदर को भी जगह मिली है। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज दिलशान मदुशंका की भी टीम में वापसी हुई है, जिन्होंने अब तक सिर्फ एक टेस्ट खेला है। वहीं, कुसल मेंडिस और पाथुम निसांका फिलहाल पहले टेस्ट से बाहर हो गए हैं।डिकवेला की वापसी की सबसे बड़ी वजह कुसल मेंडिस का टीम से बाहर होना है। मेंडिस हैमस्ट्रिंग चोट के कारण चयन के लिए उपलब्ध नहीं हैं। वहीं पाथुम निसांका भी कलाई की सर्जरी से उबर रहे हैं और टीम में नहीं हैं।

बांग्लादेश के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया की प्लेइंग-11 घोषित

डार्विन। ऑस्ट्रेलिया गुरुवार से बांग्लादेश के खिलाफ डार्विन में शुरू होने वाली दो टेस्ट मैच की सीरीज से एक साल में 20 टेस्ट मैच खेलने के अपने व्यस्त कार्यक्रम की शुरुआत करेगा। इस मैच से 2003 के बाद टेस्ट क्रिकेट की ऑस्ट्रेलिया के उष्णकटिबंधीय क्षेत्र में वापसी भी होगी। बांग्लादेश का दो दशकों से अधिक समय में ऑस्ट्रेलिया का यह पहला टेस्ट दौरा है। ऑस्ट्रेलिया ने पहले टेस्ट के लिए प्लेइंग-11 घोषित कर दी है।ऑस्ट्रेलिया का अगले 12 महीने का कार्यक्रम बेहद व्यस्त है। इस दौरान वह 20 टेस्ट मैच खेलेगा, जिसमें विश्व टेस्ट चैंपियन दक्षिण अफ्रीका, भारत और इंग्लैंड के दौरे भी शामिल हैं। अगर वह विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचता है तो इन मैच की संख्या 21 हो जाएगी। बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे टेस्ट के बाद ऑस्ट्रेलिया तीन टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए दक्षिण अफ्रीका का दौरा करेगा। इसके बाद वह चार टेस्ट मैच के लिए न्यूजीलैंड की मेजबानी करेगा। ऑस्ट्रेलिया को इसके बाद भारत में पांच टेस्ट मैचों की सीरीज खेलनी है। वह मार्च में मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड में इंग्लैंड के खिलाफ एक टेस्ट मैच खेलेगा जो दोनों देशों के बीच टेस्ट मैचों की 150वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आयोजित किया जाएगा।